अर्थ शास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा-बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य - 10

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग - 11

संसद को कानून बनाने का अधिकार, वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं - 11

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा - 12

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

15.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.38 सूर्यास्त 06.12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी 08:43 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 28 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 95, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

शहर में आज

- जिले के समस्त थानों पर समाधान दिवस सुबह 10 बजे से।
- श्री बालाजी नींव करौरी धाम काशीराम ईदगाह कॉलोनी में हवन दोपहर 12 बजे।
- गांधी स्टेडियम में भारत नेपाल मैत्री महोत्सव का समापन शाम 04 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

मैचिंग की चूड़ी नहीं मिलने पर खाया जहर

पीलीभीत, अमृत विचार : मैचिंग की चूड़ियां न मिलने पर एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। मामला सुनगढ़ी क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की रहने वाली एक महिला की तीन माह पूर्व शादी हुई थी। गुरुवार को महिला ने पति से हरे रंग की साड़ी के साथ मैचिंग की चूड़ी लाने को कहा था, मगर पति बाजार से चूड़ियां नहीं लाया। इसी से नाराज होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। वहां उसे भर्ती कर लिया गया है। बताते हैं कि फिर बाद में पति हरी चूड़ी लेकर भी अस्पताल आ गया। मामला चर्चा का विषय बना रहा।

450 घंटे का होगा प्रशिक्षण कोर्स

बरखेड़ा, अमृत विचार : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य गुंजन गुप्ता ने बताया कि तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए संस्थान में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत सैंमप्लिग टेलर एवं आईटी हैल्पडेस्क अटेंडेंट अल्पकालीन प्रशिक्षण कोर्स शुरू किया जाएगा। यह प्रशिक्षण करीब 450 घंटे का होगा। जिसमें प्रशिक्षार्थी आधुनिक तकनीकी में दक्ष बन सकेंगे। जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। नि:शुल्क कोर्सों के लिए महिला व पुरुष दोनों आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाई स्कूल उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थी स्वतंत्र कुमार के नंबर 7983122692 पर नामांकन करा सकते हैं।

ट्रैक्टर चालक पर रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव फूटाकुआं निवासी शमसुद्दीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 फरवरी की शाम 6.15 बजे उसका पुत्र शकील खेत देखने जा रहा था। गांव में बुद्धसेन के घर के पास पीछे से गन्ना भरी ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। जिससे उसके पुत्र की मौत हो गई। ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई। चालक कूद कर भाग गया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

वन दरोगा के इशारे पर हो रही थी वसूली...

पीटीआर: चेकपोस्ट पर प्रति चक्कर वाहनों से वसूले जा रहे थे 600 रुपये, जिम्मेदार रहे बेखबर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एंटी करप्शन टीम के द्वारा एक दिन पूर्व रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए वनकर्मी के मामले ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व की चेकपोस्ट पर वाहनों से अवैध वसूली के खेल को उजागर कर दिया है। पकड़े गए कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, अवैध वसूली के इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड एक वन दरोगा निकलकर आ रहा है। उसी के इशारे पर वाहनों से अवैध वसूली का खेल लंबे समय से चल रहा था, जिसमें कई अन्य कर्मचारियों की भी मिलीभगत रही। ऐसे में पीटीआर के जिम्मेदारों की भूमिका भी संदेहास्पद हो गई है। आखिर इस भ्रष्टाचार पर उनकी नजर कैसे नहीं पड़ी या कहीं ऐसा तो नहीं कि कोई और जिम्मेदार भी इसमें संरक्षक तो नहीं बना रहा।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली के ट्रैप प्रभारी प्रवीण सान्याल की ओर से माधोटांडा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें बताया है कि 21 फरवरी को बरेली कार्यालय में ग्राम पिपरिया संतोष निवासी फैयाज

माधोटांडा-खटीमा जंगल मार्ग पर लगा बैरियर। ● अमृत विचार

- एंटी करप्शन टीम द्वारा न्यूनतम वेतनकर्मी को पकड़ने से मची खलबली

मलिक पुत्र नियामतुल्ला की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया। जिसमें कहा था कि शिकायतकर्ता की 12 चक्का गाड़ी है। टनकपुर से पूरनपुर मोरिंग गिट्टी उससे लाई जाती है। पीलीभीत में खटीमा -पूरनपुर रोड पर वन विभाग के दरोगा सुरेंद्र गौतम के कहने पर वहां पर मौजूद गार्ड /वाचर प्रति चक्कर 600 रुपये अवैध वसूली की जाती है। बाद में इसका हिसाब वन दरोगा द्वारा कार्यालय में किया जाता है। एक माह में शिकायतकर्ता की गाड़ी 25 चक्कर लगाती है। ऐसे में 15 हजार रुपये प्रतिमाह रिश्वत में ही चले जाते हैं। जबकि समस्त अभिलेख पूर्ण हैं। बताते हैं कि इस शिकायत के मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने 23 फरवरी को टीम ने आकर गोपनीय जांच की थी।

प्री-ट्रैप गोपनीय जांच में ये सामने आया था कि वन दरोगा सुरेंद्र गौतम के निर्देशन में उत्तराखंड व उत्तरप्रदेश की सीमा पर स्थित चेक पोस्ट चूका बार्डर पर नियुक्त गार्ड वॉचर के द्वारा अवैध वसूली की जाती है। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद ही टीम ने रंगेहाथ पकड़ने की योजना बनाई। मगर, वन दरोगा तो नहीं, पांच हजार की वसूली करते हुए पीटीआर का एक न्यूनतम वेतनकर्मी पकड़ा गया। एंटी करप्शन टीम की इस कार्रवाई के बाद पीटीआर प्रशासन में भी खलबली मच गई है।

वन दरोगा को हटाया, जांच के लिए बनाई कमेटी

पीलीभीत टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से फिलहाल अब इस पूरे मामले को लेकर सख्ती के दावे किए गए हैं। संबंधित वन दरोगा को हटाने के साथ ही पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। पीटीआर के प्रभारी डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि ये मामला बेहद गंभीर है। ऐसे में चूका सेक्शन के वन दरोगा को तत्काल वहां से हटा दिया गया है। इस प्रकरण से विभाग की छवि धूमिल हुई है। उप प्रभागीय वनाधिकारी माला रेंज रुद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया गया है। जिसमें क्षेत्रीय वनाधिकारी माला रॉबिन कुमार सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव को भी शामिल किया है। तीन दिन के भीतर संयुक्त जांच रिपोर्ट मांगी गई है।

पांच-पांच हजार करके दे दिया करो रकम

बताते हैं कि पीड़ित वाहन स्वामी ने रिश्वतखोरी से बचने के लिए वन दरोगा से भी मुलाकात की थी। उससे आर्थिक स्थिति का हवाला भी दिया गया। आरोप है कि वन दरोगा ने इस पर ये कह दिया था कि पंद्रह हजार रुपये एक बार में न देकर पांच-पांच हजार रुपये करके तीन बार में चेक पोस्ट पर तैनात कर्मचारियों को दे जाया करें। ये भी बताते हैं कि इस मार्ग पर करीब 35 ट्रक मोरंग, गिट्टी के निकलते है, उन सभी से वसूली की जाती है।

सुबह 8.10 पर ही पीलीभीत आ गई थी एंटी करप्शन टीम

वन विभाग के रिश्वतखोर कर्मियों की धरपकड़ के लिए बरेली से एंटी करप्शन टीम गुरुवार को सुबह 8.10 बजे ही पीलीभीत पहुंच गई थी। डीएम कैंप कार्यालय पर पहुंचकर दो स्वतंत्र लोकसेवक साक्षी लिए गए। इसके बाद खटीमा रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर आ गए। वहां पर शिकायतकर्ता को बुलाकर पूरी योजना समझा दी गई थी। 500 के दस नोट पांच हजार रुपये नंबर नोट कर फिनाफ्थलीन पाउडर लगवाकर दे दिए गए थे। इसके बाद आरोपी वनकर्मी संजीव कुमार को धर दबोचा।

शिविर के अंतिम दिन विज्ञान दिवस मनाया

शिविर के समापन पर मौजूद प्रोफेसर और छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: रामलुभाई साहनी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। अंतिम दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। ग्राम बिलगवां में हुए कार्यक्रम का उद्देश्य समाजसेवा के साथ-साथ छात्राओं में वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की भावना विकसित करना रहा।

मुख्य अतिथि सहायक निदेशक रेशम विभाग दया शंकर और विशिष्ट अतिथि लक्ष्मीकांत रहे। उन्होंने विज्ञान, समाज सेवा एवं कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार ने

- कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की भावना विकसित करना रहा

शिविर की गतिविधियों की सराहना की। कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. फजलुर रहमान ने विज्ञान एवं समाज सेवा के समन्वय को आवश्यक बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बरखा ने सात दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। महिला कल्याण विभाग के सुवर्णा पांडे और जयश्री ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाई गई। संचालन अमिताभ अग्निहोत्री ने किया। छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

होली पर 24 घंटे पानी आपूर्ति की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: होली पर शहरवासियों को पानी की किल्लत से जूझना नहीं पड़ेगा। इसको लेकर नगरपालिका की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है। दो दिन शहर में 24 घंटे जल आपूर्ति चालू रहेगी। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था व प्रत्येक होलिका स्थल पर चूना आदि डलवाने के लिए पूरी प्लानिंग तैयार की गई है। जिसको टीमें गठित की गई है। निगरानी के लिए स्वयं इंस्पेक्टर और अफसरों को लगाया गया है।

शहरी क्षेत्र के 27 वार्डों में करीब 97 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन होगा। ऐसे में नगर पालिका ने होली को लेकर विशेष सफाई अभियान के तहत 27 टीमें गठित की हैं। यह टीमें अपने-अपने क्षेत्र में होलिका स्थल के आसपास सड़क और नालियों की सफाई करेंगी।

- पंप हाउस पर रहेगी जनरेटर की व्यवस्था, 24 घंटे तैनात रहेंगे कर्मी

इसके अलावा चूना और दवा का छिड़काव भी किया जाएगा। इन टीमों की मॉनिटरिंग के लिए सफाई नायक और सफाई निरीक्षक को लगाया गया है। इस बार दो टीमों पर एक सफाई नायक नियुक्त रहेगा।

सफाई नायक को उसके वार्ड के अलावा पड़ोस का एक अन्य वार्ड भी दिया जाएगा। ताकि सफाई बेहतर हो सके। अगर चेकिंग के दौरान लापरवाही सामने आई तो संबंधित टीम के प्रभारी और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सभी इलाकों में जलपूर्ति 24 घंटे चालू रहेगी। इसको लेकर सभी पंप हाउसों पर जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित होने पर भी पानी की सप्लाई प्रभावित न हो। साथ ही प्रत्येक

> सफाई और जल कल विभाग के जिम्मेदारों के साथ बैठक कर रणनीति बना ली गई है। सफाई के लिए 27 टीमें बनाई गई है। जो सफाई और चूना आदि का डालेंगे। साथ ही होली पर पानी की सप्लाई 24 घंटे चालू रहेगी। इसको लेकर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। **-डॉ. आस्था अग्रवाल,** चेयरमैन नगरपालिका

पंप हाउस पर 24 घंटे कर्मचारियों की तैनाती की है। टेक्नीशियन और ऑपरेटरों को अलर्ट मोड में रखा है, जिससे किसी भी खराबी को तत्काल ठीक किया जा सके। होली से पहले जलकल विभाग ने जलापूर्ति से जुड़े वाल्व, मोटर और पाइप लाइनों की जांच करा ली है। संवेदनशील इलाकों और अधिक आबादी वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रहेगी। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था भी की गई है, ताकि किसी मोहल्ले में अस्थायी समस्या उत्पन्न न हो।

भाकियू ने किया भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की ओर से भारत अमेरिका ट्रेड डील समझौते का विरोध किया गया। विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। एक तरफ जिलाध्यक्ष की अगुवाई में किसान नेता जमा हुए और दूसरी तरफ पूरनपुर में एसडीएम-सीओ की अगुवाई में भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा। नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता सिरसा चौराहा पर पहुंचे। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति का पुतला फूंका, जबकि भारत के प्रधानमंत्री का पुतला पुलिस ने छीन लिया।

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के कार्यकर्ता सोमवार को पूरनपुर में बड़ी संख्या में जमा हुए। पहले से ही प्रधानमंत्री का पुतला फूंकने का ऐलान कर दिया गया था। ऐसे में पुलिस

पूरनपुर में एसडीएम-सीओ से वार्ता करते भाकियू चढ़ूनी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

प्रशासन सुबह से ही मुस्तैद नजर आया। एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, सीओ डॉ. प्रतीक दहिया की अगुवाई में पुलिस बल तैनात रहा।

अधिकारियों ने पदाधिकारियों से वार्ता की और पुतला दहन न करने का आग्रह करते रहे। इसे लेकर बहस भी हुई। इसके बाद कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सिरसा चौराहा की तरफ बढ़ गए। फिर कार्यकर्ताओं ने अमेरिका के राष्ट्रपति का पुतला फूंक दिया। भारत के प्रधानमंत्री के पुतले को फूंकने जा रहे थे तभी पुलिस बल ने छीन लिया। इसके बाद कार्यकर्ता भी कुछ देर हुई बहस के बाद शांत हो गए। मांग की गई कि भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड डील को किसानों के हित में सार्वजनिक किया जाए और किसान संगठनों से चर्चा की जाए। सभी फसलों पर एमएसपी खरीद गारंटी कानून लागू किया जाए ताकि किसानों को उनकी उपज का कानूनी और सुनिश्चित मूल्य मिल सके। किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी की जाए। बीज बिल एवं

- नारेबाजी कर किया प्रदर्शन प्रधानमंत्री का पुतला छीना
- एसडीएम-सीओ की मौजूदगी में मुस्तैद रहा पुलिस बल

बिजली बिल में किसानों और आम उपभोक्ताओं को राहत दी जाए।

किसानों, मजदूरों और आम जन के लिए फ्री एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। ये भी बताया कि 10 मार्च को व्यापक स्तर पर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। जिसके माध्यम से किसानों की एकजुटता और सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया जाएगा। इस मौके पर तराई प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गिल, प्रदेश सचिव गुरविंदर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष गुरजिंदर सिंह, जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो, तहसील अध्यक्ष जगविंदर सिंह, मनदीप सिंह, रेशम सिंह, गुरप्रीत सिंह, सतनाम सिंह, मंगल सिंह आदि मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर में सड़क सुरक्षा की दिलाई शपथ

- एआरटीओ ने स्वयंसेवियों से की यातायात नियमों के पालन की अपील

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर के सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। ग्राम रम्पुरा नारायणपुर में समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि एआरटीओ वीरेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं जिला गन्ना अधिकारी डॉ. खुशीराम भार्गव, प्रबंधक नितिन दीक्षित, प्रबन्ध समिति के संचालक सत्येंद्र सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह रहे।

महाविद्यालय के सचिव संजय कुमार श्रीवास्तव, ग्राम रमपुरा नारायणपुर के प्रधान राजेश, प्राचार्य डॉ.सुधीर कुमार शर्मा ने अतिथियों संग संयुक्त रुप से मां सरस्वती की

शिविर के समापन पर सड़क सुरक्षा की शपथ लेते स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। सविता, कामिनी और शिवानी ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। प्राचार्य ने कहा कि कार्यक्रम अधिकारी डॉ.मृदुला शर्मा के निर्देशन में स्वयंसेवियों ने समाज सेवा के अर्थ को समझा।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मृदुला शर्मा ने सात दिवसीय विशेष शिविर की आंख्या में इन दिनों में संचालित विभिन्न अभियानों की जानकारी दी। प्रबंधक ने कहा कि स्वयंसेवियों ने इस प्रशिक्षण में देश सेवा, समाज सेवा एवं परिवार सेवा का जो मंत्र सीखा है उसको वो अपने व्यक्तिगत जीवन में सार्थक करें। महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ.खुशीराम भार्गव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मंत्र को विस्तार से समझाया। एआरटीओ ने सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा हर व्यक्ति से जुड़ा विषय है। यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को कराने की शपथ दिलाई। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ। इस मौके पर डॉ.वीके शर्मा, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. अरविन्द दीक्षित, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. आर्निका दीक्षित, शाहिद खान, डॉ. सौरभ सक्सेना, तहमीना शमसी, अनूप शुक्ला, डॉ. विनोद सिंह, अंकित गुप्ता, डॉ. अंशिका शर्मा, डॉ. जय नारायण, डॉ. पिंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

नोडल अफसरों की देखरेख में बंटेगा राशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद की उचित दर दुकानों पर अब मार्च से मई माह तक नामित नोडल अधिकारियों की देखरेख में राशन वितरण किया जाएगा। इसको लेकर डीएम ने नोडल अधिकारियों ने उचित दर की दुकानों पर उपस्थित रहकर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

जनपद में 850 से अधिक राशन कोटे की दुकानें संचालित की जा रही हैं। इन राशन कोटे की दुकानों से शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों के 3.50 लाख से अधिक कार्डधारक जुड़े हैं, जो हर माह इन राशन कोटे की दुकानों से राशन लेते हैं। इधर अब शासन ने राशन कोटे की दुकानों पर नोडल अधिकारियों की देखरेख में राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

शासन के निर्देश पर डीएम ज्ञानेंद्र

- डीएम ने नोडल अधिकारियों को जारी किए निर्देश

सिंह ने नामित नोडल अधिकारियों को मार्च से मई तक राशन कोटे की दुकानों पर उपस्थित रहकर राशन वितरण कराने के निर्देश दिए हैं।

जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि उचित दर विक्रेताओं द्वारा राशन कार्डधारकों को ई-पाश मशीन के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण द्वारा राशन वितरण किया जाएगा। ऐसे राशन कार्डधारक जो किन्हीं कारणों से आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन लेने से वंचित रहते है तो उन्हें वितरण दिवस के अंतिम दिन ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से राशन मुहैया कराया जाएगा। मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से होने वाले वितरण के समय कार्डधारक से आधार प्रमाणीकरण न होने के कारण तथा उसका परिवार किसी अन्य सदस्य का मोबाइल नंबर संरक्षित किया जाएगा।

वहीं संबंधित पूर्ति निरीक्षक द्वारा उक्त मोबाइल नंबर की पुष्टि सुनिश्चित करते हुए कार्डधारक के मोबाइल नंबर को राशन कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम में लाभार्थी के डाटाबेस में फीड कराया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार माह मार्च, अप्रैल एवं मई में अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को 21 किलो गेहूं प्रति कार्ड और 14 किलो चावल प्रति राशन कार्ड दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को 03 किलो गेहूं प्रति यूनिट और 02 किलो चावल प्रति यूनिट निशुल्क दिया जाएगा। राशन वितरण मामले में अब यदि कोई लापरवाही सामने आती है तो संबंधित नोडल अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अवैध शराब बनाने वाले दो आरोपियों को पांच साल कैद

विधि संवाददाता, पीलीभीत, अमृत विचार: अवैध शराब बनाने के तीन साल पुराने मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय सुनील कुमार ने दो आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है। अभियोजन कथानक के अनुसार चार नवंबर 2022 को गजरौला थाने में एसएसआई सदाकत अली ने ग्राम बिठौराकलां निवासी ठाकुरदास पुत्र त्रिमल और रामप्यारे पुत्र ठाकुरदास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि मुखबिर से मिली अवैध शराब की सूचना पर दबिश दी गई थी। इस दौरान दोनों आरोपियों को कच्ची शराब बनाते पकड़ा। मौके से 35 लीटर अपमिश्रित शराब, एक किग्रा यूरिया, 200 लीटर लहन उपकरण आदि बरामद किए गए थे।

विवेचना के बाद चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की गई। मुकदमे की सुनवाई न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय सुनील कुमार की अदालत में हुई। राज्य सरकार की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी रेखा देवी वर्मा ने की। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद न्यायालय ने आरोपियों को दोषी पाते हुए पांच वर्ष कैद और 15-15 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है।

होली पर छुट्टी रद्द, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: होली के पर्व के दौरान बढ़ने वाली आपात स्थितियों और मरीजों की संभावित भीड़ को देखते हुए मेडिकल कॉलेज पूरी तरह अलर्ट हो गया है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने और मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली है। साथ ही चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई है। इमरजेंसी लेकर वार्डो तक अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। साथ ही एंबुलेंस सेवा भी अलर्ट रहेगी।

जिले में एक मेडिकल कॉलेज, आठ सीएचसी और 21 पीएचसी हैं। जहां 102/108 एंबुलेंस की सेवा उपलब्ध है। होली के हुडदंग में किसी भी तरह की अप्रिय घटना घटित हो सकती है। इसको लेकर शासन की ओर से स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस संचालन करने वाली कंपनी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए

- इमरजेंसी में तैनात रहेंगे डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ
- संवेदनशील क्षेत्रों में मौजूद रहेगी एंबुलेंस, होली की तैयारी

हैं। जिले में करीब 49 से अधिक एंबुलेंस का संचालन हो रहा है। इसमें 102 की 22 गाड़ियां संचालित हो रही है, जबकि 27 वाहन 108 एंबुलेंस संचालित हो रही हैं। इनमें मुख्यालय पर करीब पांच और शेष वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे हैं।

होली को लेकर 108 एंबुलेंस चिन्हित किए गए विशेष स्थानों, दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों व थानों के नजदीक मौजूद रहेंगी। जिससे आपात स्थिति में मरीजों को प्राथमिक इलाज उपलब्ध होने के साथ ही एंबुलेंस से जल्द से जल्द निकटतम अस्पताल पहुंचाया जा सके। हर जरूरतमंद व्यक्ति को कम से कम समय में एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाई जा सके। इसको

> सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग में रोस्टर के अनुसार स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। इमरजेंसी समेत अन्य वार्डो में तैयारियां पूरी कर ली गई है। डॉक्टर रोस्टर के हिसाब से ड्यूटी करेंगे। **-डॉ. संगीता अनेजा,** प्राचार्य मेडिकल कॉलेज

लेकर समस्त स्टाफ की छुट्टियां निरस्त कर दी गई है। साथ ही मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने भी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ताकि होली के त्योहार के दौरान सड़क दुर्घटनाएं, रंग-केमिकल से आंखों व त्वचा संबंधी समस्याएं, मारपीट अथवा अन्य आपात स्थितियों से निपटा जा सके। इमरजेंसी, ट्रॉमा सेंटर और प्रमुख वार्डों में अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई है। संवेदनशील वार्डों में 24 घंटे डॉक्टरों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। खास तौर पर नेत्र रोग, त्वचा रोग और सर्जरी विभाग को विशेष अलर्ट पर रखा गया है।

शिक्षा ही समाज को दे सकती है नई दिशा

- हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन
- मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दलजीत कौर ने रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शुक्रवार को हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर रहीं। उत्सव कार्यक्रम में जिले भर के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और नोडल शिक्षकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि ने बीएसए रोशनी सिंह संग मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत कराई। बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। टीएलएम स्टॉल लगाई गई। जिसका मूल्यांकन

कार्यक्रम में पुरस्कृत किए गए बच्चों संग मुख्य अतिथि व बीएसए। ● अमृत विचार

जिला पंचायत अध्यक्ष और बीएसए ने किया। टीचर लर्निंग मटेरियल स्टॉल लगाने में प्राथमिक विद्यालय रमपुरिया सिरसा प्रथम, कंपोजिट विद्यालय फरदिया माधोपुर द्वितीय, प्राथमिक विद्यालय सड़ा गौटिया और पूरनपुर के कल्याणपुर स्कूल को तृतीय स्थान मिला। बेहतर कार्य करने वाले नोडल शिक्षक संकुल को भी प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, स्कूल के छात्र-छात्राओं को संस्कारवान बनाए। छात्रों को संस्कारी ज्ञान दें।

शिक्षा ही समाज को नई दिशा दे सकती है। बीएसए ने कहा कि शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री बच्चों के साथ बेहतर व्यवहार करें। जिससे बच्चे स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र पर आने को खुद आतुर रहें। स्कूलों में बेहतर माहौल तैयार करें। इस मौके पर जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार, राकेश पटेल, दीपक जायसवाल, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, केके सागर, सुगंध अग्रवाल, नीरजा शुक्ला, सैय्यदा, शबाना बी, अवंती गंगवार, अंजलि गंगवार, डॉली सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन वैभव जैसवार ने किया।

छात्र लापता

बीसलपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर भजा निवासी हरीश कुमार ने कोतवाली में अपने पुत्र के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई है। उनका कहना है कि 14 वर्षीय पुत्र उमेश 25 फरवरी को सुबह नौ बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकला और वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच कर रही है।

अर्थ शास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा-बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य
- 10

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग
- 11

संसद को कानून बनाने का अधिकार, वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं
- 11

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा
- 12

आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
15.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.38
सूर्यास्त 06.12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी 08:43 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 28 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 95, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

अचूक वार

राजस्थान के जैसलमेर जिले में पाकिस्तान सीमा के पास शुक्रवार को भारतीय वायु सेना ने वायु शक्ति अभ्यास के दौरान मिसाइलों से लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उपस्थित थीं।

पाकिस्तान का खुली जंग का एलान, काबुल में किए हवाई हमले

अफगानिस्तान के खिलाफ की ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा, दोनों देशों के बीच तेज हुई जंग

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के जवाबी हमले के बाद दोनों देशों में जंग तेज हो गई है। अफगानिस्तान की ओर से बृहस्पतिवार देर रात सीमा पर हमलों के बाद पाकिस्तान ने शुक्रवार तड़के अफगानिस्तान के खिलाफ की ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा करते हुए उसकी राजधानी काबुल और दो अन्य प्रांतों में हवाई हमले किए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों के बीच सीमा पर बढ़ती झड़पों पर चिंता जताई है।

अफगानिस्तान ने बृहस्पतिवार देर रात सीमा पार पाकिस्तान पर हमला किया था। इसके जवाब में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने अफगानिस्तान के साथ खुली जंग का एलान किया है। शुक्रवार तड़के काबुल में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इनमें कहां और कितने लोग हताहत हुए हैं। सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के मुताबिक पाकिस्तान ने दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्वी प्रांत पकतिया में भी हवाई हमले किए हैं। इससे कतर की मध्यस्थता से दोनों देशों में हुआ युद्धविराम भी खतरे में पड़ गया है। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

सीमा पर अफगानी लड़ाके

- दोनों देशों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का किया दावा

एक-दूसरे के तमाम सैनिक मारने का दावा

दोनों देशों की सरकारों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने की बात कही है। अफगानी रक्षा मंत्रालय ने देर रात बताया कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें कुछ के शव अफगानिस्तान लाए गए। कई सैनिकों को पकड़ लिया गया। उसके आठ सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना की 19 चौकियों और दो सैन्य अड्डों को भारी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ अली जैदी ने किसी पाकिस्तानी सैनिक के पकड़े जाने की बात से इन्कार किया। कहा, अफगानिस्तान के 133 लड़ाके मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए। अफगानिस्तान की 27 चौकियां नष्ट कर दी गईं और नौ लड़ाकों को पकड़ लिया गया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कहां हताहत हुए हैं।

कूटनीति से हल करें विवाद: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पार झड़पों की खबरों पर चिंता जताई। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव ने दोनों पक्षों से मतभेदों को कूटनीति के जरिए सुलझाने की अपील की है।

ब्रीफ न्यूज

रिंकू सिंह के कैंसर पीड़ित पिता का निधन

नोएडा। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे और काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया था और शुक्रवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। पिता की गंभीर हालत होने के कारण रिंकू सिंह को टी20 विश्वकप को बीच में छोड़कर देश लौटना पड़ा था।

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में ईडी के समक्ष शुक्रवार को पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। एजेंसी ने यस बैंक से जुड़े धनशोधन मामले में उनका बयान दर्ज करने के लिए उन्हें तलब किया था। अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ टालने का अनुरोध किया। अनिल अंबानी से बृहस्पतिवार को उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में करीब नौ घंटे तक पूछताछ की गई थी।

केजरीवाल-सिसोदिया समेत सभी बरी

कोर्ट ने कहा- तय योजना के तहत बढ़ी सीबीआई की कहानी, हर किसी को फंसाया गया

आबकारी घोटाला

- आरोप पत्र पर नहीं लिया संज्ञान, आदेश को सीबीआई ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता समेत सभी 23 आरोपियों को शराब नीति मामले में बरी कर दिया। अदालत ने आरोप पत्र का संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया और सीबीआई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह नाकाम रहा है। सीबीआई ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाते हुए कहा, इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया भी कोई मामला नहीं बनता, और न ही कोई गंभीर शक है। इसलिए आरोपी संख्या 1 से 23 को उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है। सिंह ने अपने आदेश में कहा कि ऐसा लगता है कि जांच पहले से तय रास्ते पर आगे बढ़ी है, जिसमें नीति बनाने या लागू करने से जुड़े लगभग हर व्यक्ति को फंसाया गया है, ताकि एक कमजोर कहानी को गहराई और भरोसे का भ्रम दिया जा सके।

अदालत का फैसला आने के कुछ ही घंटे बाद सीबीआई ने उसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दे दी। सीबीआई ने कहा कि निचली अदालत में जांच के कई पहलुओं की या तो अनदेखी की गई या उन पर सही से विचार नहीं किया गया। सीबीआई आप सरकार की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

अदालत का फैसला आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रो पड़े अरविंद केजरीवाल।

कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं, कई प्रश्न अनुत्तरित: भाजपा

भाजपा की दिल्ली इकाई ने कहा है कि शराब नीति से जुड़े कई सवाल अनुत्तरित हैं और कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मामले में अदालत ने अपने फैसले में सबूतों की कमी की बात कही है लेकिन जांच एजेंसी ने बार-बार कहा है कि केजरीवाल और सिसोदिया ने सबूत नष्ट किए हैं। जांच एजेंसी नष्ट किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी है। केजरीवाल के पास अब भी कुछ सवालों के जवाब नहीं हैं। अगर आबकारी नीति सही थी, तो जांच शुरू होते ही इसे वापस क्यों ले लिया गया, और ठेकेदारों का कमीशन बढ़ाने का मकसद क्या था।

मीडिया के सामने रोए केजरीवाल बोले- मोदी-शाह ने की थी साजिश

फैसला आने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केजरीवाल रो दिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलकर आम आदमी पार्टी को खत्म करने की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश रची। मौजूदा मुख्यमंत्री को उनके घर से घसीटकर जेल में डाल दिया गया, ऐसा देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वह भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें छह महीने और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दो साल तक जेल में रहना पड़ा। टीवी चैनलों पर उनका चरित्र हनन किया गया। केजरीवाल ने कहा, मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है।

- दिल्ली में फिरोज शाह रोड पर अरविंद केजरीवाल के बंगले में जश्न मनाया गया। नारों की गूंज के बीच पार्टी कार्यकर्ता ढोल की थाप पर जमकर नाचे। लोगों को लड्डू और गुझिया बांटे गए। केजरीवाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अंदर बंगले में थे। मनीष सिसोदिया भी इस जश्न में मौजूद थे।

पंजाब-गुजरात में चुनाव हैं, इस कारण वाशिंग मशीन से धो दिया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा गुजरात और पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केजरीवाल को नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर पेश कर रही है ताकि चुनावों में मुख्य विपक्षी दल को कमजोर किया जा सके। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' है जो सिर्फ कांग्रेस को हराने के लिए अपना रूप बदलती रहती है और इसके लिए वह किसी भी स्तर तक गिर सकती है। खेड़ा ने दावा किया कि कैसे कांग्रेस को कमजोर किया जाए, यही भाजपा का खेल है और इसमें कई खिलाड़ी और अंपायर बिके हुए हैं।

होली से पहले हर हालत में जारी किया जाए वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जापान से लौटते ही मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को दिए सख्त आदेश
- वेतन जारी करने के लिए शनिवार को घोषित किया गया कार्य दिवस

अमृत विचार : होली से पहले प्रदेश के राज्यकर्मियों को हर हालत में वेतन जारी किया जाए। सिंगापुर और जापान के दौरे लौटते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बारे में सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेतन भुगतान में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आदेश का कड़ाई से पालन करें।

हालांकि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण नहीं देने वालों का जनवरी माह का वेतन भी नहीं मिलने से उनकी हालत और पस्त है। इस बीच कई विभागों के आदेशों में एकरूपता का अभाव था। शासन ने सभी विभागों को 28 फरवरी तक वेतन देने की बात कही थी, लेकिन महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कार्यालयों व निदेशालयों में कार्यरत स्थायी, संविदा, आउटसोर्स, शिक्षकीय एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की वेतन भुगतान प्राथमिकता के आधार पर दो मार्च से पहले हर हाल में जारी करने के निर्देश जारी किए थे।

इन स्थितियों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार सुबह स्पष्ट निर्णय लिया कि शनिवार को किसी भी विभाग, बैंक या कोषागार की में छुट्टी नहीं होगी। इस दिन को कार्यदिवस घोषित करते हुए वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। योगी ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वेतन भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनदेखी स्वीकार नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी ने विशेष तौर पर आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदाकर्मियों, सफाईकर्मियों समेत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों का भुगतान शनिवार को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दो, तीन व चार मार्च को होली अवकाश

प्रदेश सरकार ने होली पर्व के अवसर पर दो, तीन और चार मार्च को अवकाश घोषित किया है। इस दौरान राज्य सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे।

जज ने आदेश में लिखा- मैं भूखा-थका, इसलिए निर्णय लिखाने में असमर्थ हूं

लखनऊ, एजेंसी

- मुकदमों के बोझ से थककर बेहाल हुए लखनऊ पीठ के जज
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण शाम 7 बजे तक की सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के एक जज ने मंगलवार को अपने सामने एक ही दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों की लंबी सूची से परेशान होकर फैसला लिखवाने में असमर्थता व्यक्त की। जज ने आदेश में कहा, मैं भूखा, थका और निर्णय लिखाने में शारीरिक रूप से असमर्थ महसूस कर रहा हूं, इसलिए निर्णय सुरक्षित रखा जाता है।

जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एक याचिका पर यह आदेश दिया जो 2025 में डीआरटी के एक आदेश के खिलाफ दायर की गई थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया था कि याचिका पर जल्द फैसला लिया जाए, बेहतर होगा कि छह महीने के अंदर। छह महीने का समय 24 फरवरी 2026 को खत्म होने वाला था। इस दिन जस्टिस विद्यार्थी के सामने 92 नए मामलों समेत 235 मामले सूचीबद्ध थे लेकिन वह शाम 4.15 बजे तक सिर्फ 29 नए मामलों की सुनवाई कर पाए।

इसी बीच जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा रिमांड पर लिए गए मौजूदा मामले के बारे में बताया गया तो उन्होंने शाम 4.15 बजे मामले की सुनवाई शुरू की। वादी और प्रतिवादी के वकीलों ने लंबी बहस की। मैराथन सुनवाई के बाद जस्टिस विद्यार्थी ने स्वयं को पूर्णतः थका हुआ बताते हुए कहा कि वे तत्काल निर्णय लिखाने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए उन्होंने फैसला सुरक्षित रख लिया।

लिखा- सूची में थे 235 मामले, 29 ही सुन पाया

निर्णय सुरक्षित रखते हुए जस्टिस विद्यार्थी ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि उस दिन 92 ताजा मामले, 101 नियमित मामले, 39 ताजा विविध आवेदन तथा अतिरिक्त सूची में तीन मामले सूचीबद्ध थे। केवल क्रम संख्या 29 तक के ताजा मामलों की ही सुनवाई हो सकी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए इस मामले की सुनवाई शाम सवा चार बजे प्रारंभ की गई जो सात बजकर दस मिनट तक चली। इसके बाद जस्टिस विद्यार्थी ने कहा कि वह स्वयं को भूखा, थका एवं शारीरिक रूप से निर्णय लिखाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं, इसलिए निर्णय सुरक्षित रखा जाता है।

दुबई में पकड़ा गया शाइन सिटी का सीएमडी राशिद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 60,000 करोड़ की ठगी के आरोपी पर है पांच लाख का इनाम, ईडी के आग्रह पर दुबई पुलिस ने दबोचा

अमृत विचार: हजारों लोगों से निवेश व भूखंड के नाम पर करीब 60 हजार करोड़ रुपये की ठगी करने वाला शाइन सिटी का सीएमडी राशिद नसीम गिरफ्तार हो गया है। ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर उसे दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया। दस वर्ष से दुबई में ठिकाना बनाए हुए राशिद पर यूपी सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

राशिद मूलतः प्रयागराज के करेली का रहने वाला है। उसके खिलाफ यूपी में 554 मामले दर्ज हैं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उसके खिलाफ पीएमएलए के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। उसे अप्रैल 2025 में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित किया था।

इसके बाद ईडी ने उसकी 127.98 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर दिया। राशिद के खिलाफ यूपी के अलावा दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और महाराष्ट्र तक निवेशकों ने एफआईआर दर्ज कराई हैं। कंपनी में 10 लाख से अधिक निवेशकों का रुपया फंसा था।

प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू : ईडी व ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद भारत राशिद के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सारे जरूरी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसमें ईडी व ईओडब्ल्यू की टीम अपनी रिपोर्ट भी तैयार कर रही है। दोनों एजेंसियां आरोपी के वित्तीय लेनदेन, शेल कंपनियों और देश-विदेश में मौजूद संपत्तियों की जांच कर रही हैं।

हाईकोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार करने पर लगाई रोक

- राज्य सरकार और आशुतोष पांडेय को जवाब दाखिल करने का आदेश
- शंकराचार्य के वकील ने कहा- सरकार के इशारे पर झूठे केस में फंसाया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार और वादी आशुतोष पांडेय को अपने जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया गया है।

न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील दिलीप गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय कई आपराधिक मामलों में लिप्त रहे हैं और याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के इशारे पर झूठा फंसाया गया है।

सेंसेक्स 961 अंक लुढ़का, निवेशकों के 5 लाख करोड़ रुपये डूबे

- निफ्टी में भी 318 अंकों की गिरावट

मुंबई। कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 961 अंक लुढ़क गया, निफ्टी 318 अंक टूटा। निवेशकों की पूंजी पांच लाख करोड़ रुपये कम हो गई।

बीएसई का मानक सूचकांक 961.42 अंक यानी 1.17% लुढ़ककर 81,287.19 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 1,089.46 अंक यानी 1.32% गिरकर 81,159.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का सूचकांक निफ्टी 317.90 अंक यानी 1.25% गिरकर 25,178.65 पर बंद हुआ।

आह्वान

मोदी ने वित्तीय संस्थानों से व्यावहारिक समाधान प्रदान कर बाजार विश्वास को मजबूत करने का किया आग्रह

निवेश एवं नवाचार कर बजट घोषणाओं का लाभ उठाएं उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग से निवेश एवं नवाचार बढ़ाने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आक्रामक पूंजीगत व्यय और बजट में लगातार अनुकूल नीतिगत माहौल बनाकर आधार तैयार कर दिया है और अब निजी क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने का समय आ गया है।

'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय पर बजट के बाद आयोजित 'वेबिनार' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026-27 में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसने विस्तार के लिए एक मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि अधिक आवंटन निजी क्षेत्र को नए जोश के साथ निवेश करने और 2026-27 के बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का संकेत देता है। मोदी ने कहा, भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए।

मोदी ने कहा, वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत की मजबूत क्षमता दृढ़ विश्वास आधारित सुधारों और कारोबार सुगमता में निरंतर सुधार के प्रयासों से प्रेरित रही है। भारत ने प्रौद्योगिकी आधारित सुशासन को अपनाया है, संस्थानों को मजबूत किया है और आज भी देश सुधारों के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, सुधारों की तेज गति को बनाए रखने के लिए हमें केवल नीतिगत मंशा पर ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। सुधारों का मूल्यांकन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए।

सुधारों के बाद भी निजी क्षेत्र ने नहीं दिखाया जुझारूपन

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार की ओर से निजी निवेश को आकर्षित करने और मध्यम अवधि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डिजिटल अवसंरचना तथा ऊर्जा नेटवर्क पर व्यय में तेज वृद्धि की गई है। हालांकि, निजी क्षेत्र ने अभी तक वह तथाकथित जुझारूपन (एनिमल स्पिरिट) पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं किया है। उन्होंने सुधारों को ठोस परिणामों में तब्दील करने के लिए सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र के भागीदारों के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया। मोदी ने कहा, हमें अवसंरचना में अधिक भागीदारी एवं वित्तीय मॉडल में नवाचार की आवश्यकता है, हमें परियोजना स्वीकृति पद्धतियों को मजबूत करना चाहिए और मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ओटीएस योजना में एक दिन शेष, अब तक 43 करोड़ रुपये जमा, होली बाद होगी सख्ती

जिले में 1.61 लाख उपभोक्ताओं में 37,380 ने जमा किया पूरा भुगतान, मात्र 35 फीसदी वसूली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मझोला क्षेत्र में लगे शिविर में पहुंचे उपभोक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बकाया बिजली बिलों में राहत देने के लिए शुरू की गई ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) योजना अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुकी है। योजना समाप्त होने में महज एक दिन शेष है। मगर, जिले में उपभोक्ताओं की भागीदारी अपेक्षा से काफी कम रही है। अब तक करीब 43 करोड़ रुपये की धनराशि ही जमा हो सकी है। 1.61 लाख पात्र उपभोक्ताओं में से केवल 37,380 उपभोक्ताओं ने ही पूर्ण भुगतान कर योजना का लाभ लिया है, जिससे कुल उपलब्धि महज 31 प्रतिशत पर सिमट गई है। बिजली विभाग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि होली के बाद बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ऐसे में अंतिम दिन योजना उपभोक्ताओं के लिए आखिरी मौका साबित हो सकता है।

जिले में करीब 161617 उपभोक्ता है। जिन पर करीब 241 करोड़ की बकायेदारी चल रही है। जिन्होंने सालों से अपना बिल अदा नहीं किया है। इन पर 152 करोड़ ब्याज लगाया गया है। जिससे जोड़ने के बाद रकम 393 करोड़ हो गई है। काफी प्रयास के बाद जब बिल जमा नहीं हुए तो शासन ने एक मुश्त समाधान योजना की शुरुआत की, जोकि एक दिसंबर से शुरू होकर 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। यह योजना तीन चरणों में चल रही है। योजना में कमर्शियल एक किलोवाट और एलएमवी एक किलोवाट वाले उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मगर तीन चरणों में अभी तक सिर्फ 49835 लोगों ने ही ओटीसी का पंजीकरण कराया। जिसमें 14136 बीसलपुर, पूरनपुर 17000 और पीलीभीत में 18699 शामिल रहे। आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ताओं ने कुल 43 करोड़ की बकायेदारी जमा की। जिसमें बीसलपुर डिवीजन से 10 करोड़, पूरनपुर डिवीजन में 15 करोड़ और पीलीभीत डिवीजन में 17 करोड़ की बकायेदारी जमा की गई। विभाग के आंकड़ों के अनुसार अभी तक 49935 उपभोक्ताओं में सिर्फ 37380 उपभोक्ताओं ने फुल पेमेंट जमा किया। जिसकी कुल धनराशि करीब चार करोड़ 58 लाख के आसपास बताई जा रही है। बाकी सभी ने ओटीसी में पंजीकरण कराकर एक तिहाई और एक चौथाई धनराशि ही जमा की है। ऐसे में विभाग की उपलब्धि सिर्फ 35 फीसदी पर ही सिमटकर रह गई है। अब सिर्फ एक दिन शेष बचा है। जिसमें ओटीसी में पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ता बिल अदा कर सकेंगे।

1.11 लाख ने नहीं कराया पंजीकरण

एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकायेदारों को राहत देने के लिए शुरू की गई थी। योजना तीन चरणों में शुरु की गई थी। मगर इसके बाद भी उपभोक्ताओं ने पंजीकरण नहीं कराया। तमाम प्रयास के बाद भी 1,61,617 उपभोक्ताओं में सिर्फ 49935 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया था। जबकि 111,682 उपभोक्ताओं ने कोई रुचि नहीं दिखाई। जिसमें बीसलपुर डिवीजन में 31,864, पीलीभीत डिवीजन में 39,301 और पूरनपुर डिवीजन में 39,000 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण नहीं कराया है और इन पर करीब 1.97 करोड़ की बकायेदारी बनी हुई है। अब ऐसे लोगों के खिलाफ पावर कारपोरेशन की ओर से होली बाद कार्रवाई शुरु की जाएगी। इसको लेकर टीमें बनाई जाएगी। ये टीमें क्षेत्र में भ्रमण कर कार्रवाई करेंगी। कई स्मार्ट मीटर वाले बकायेदारों के ऑनलाइन कनेक्शन भी काटे गए हैं।

> ओटीसी योजना में जिन उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया था। वह 28 फरवरी तक बकाया जमा कर सकते हैं। योजना के तहत करीब उपलब्धि 38 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। बाकी अन्य बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिन्होंने अपना बिजली बिल जमा नहीं किया है। -**भविष्य कुमार सक्सेना**, अधीक्षण अभियंता

जरूरतमंदों को लगेंगे बैटरी चालित ऑटोमेटिक हाथ

पीलीभीत, अमृत विचार: निशक्तजन सेवा संस्थान स्वास्थ्य शिविर के साथ ही ऐसे लोगों की मदद करेगा, जिनके हाथ कोहनी और पंजे के बीच से कटे हु हं। उनके लिए बैटरी चलित ऑटोमेटिक विदेशी हाथ मंगवाए जा रहे हैं। इसके लिए पंजीकरण भी शुरू किया जा चुका है। बीते दिनों लगाए गए मासिक स्वास्थ्य शिविर में इसकी घोषणा भी कर दी गई थी।बता दें कि बीते दिनों निशक्त जन सेवा संस्थान की ओर से पूरनपुर रोड पर स्थित अंकुर राइस मिल परिसर में मासिक शिविर के दौरान मरीजों की निशुल्क जांच कराई गई थी। संस्थान की ओर से होली के त्यौहार को देखते हुए खुशियां भी बांटी गईं। 100 विधवा महिलाओं को साड़ियां वितरित की गई। अध्यक्ष अमृत लाल ने बताया कि 265 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 240 को चश्मे व दवाइयां दी गईं। शिविर में मोतियाबिंद से ग्रसित 22 मरीजों को ऑपरेशन के लिए रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली भेजा गया। बताया कि जिन व्यक्तियों के हाथ कोहनी और पंजे के बीच से कटे हुए हैं, उनके लिए बैटरी चलित ऑटोमेटिक विदेशी हाथ मंगवाए जा रहे हैं। जैसे ही 100 पंजीकरण पूरे होंगे, एक विशाल कैंप लगाकर ये हाथ पूरी तरह निःशुल्क लगाए जाएंगे।

कार्यशाला में युवाओं की अशांति पर मंथन

ऑनलाइन कार्यशाला में मौजूद प्रवक्ता व छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **डिजिटल युग में अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएं युवा**

अमृत विचार : वर्तमान में युवाओं के सामने खड़ी मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक चुनौतियों पर गंभीर विमर्श के उद्देश्य से उपाधि महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला का विषय वर्तमान युग में युवाओं में अशांति रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. दुष्यंत कुमार ने दीप प्रज्वलन से की। प्राचार्य ने कहा कि डिजिटल युग में युवाओं को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना होगा। आज की युवा पीढ़ी तकनीक, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अपेक्षाओं के दबाव में मानसिक द्वंद्व से गुजर रही है, जिसे समझना और संतुलित करना आवश्यक है। कार्यशाला से ऑनलाइन जुड़े सुमित सक्सेना ने नीतिगत दृष्टिकोण से युवाओं की समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कौशल विकास, रोजगारोन्मुख शिक्षा और मानसिक सुदृढ़ता को समय की जरूरत बताया। राजकीय महाविद्यालय, रिचा (बहेड़ी) की डॉ. सोनम नारायण ने भावनात्मक स्वास्थ्य पर, जबकि डॉ. शेफाली सक्सेना ने साहित्य और संवाद की भूमिका पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डीएम ने की एनआरएलएम के कार्यों की समीक्षा

● **समूहों के उत्पादों की आवासीय विद्यालयों में आपूर्ति करने के दिए निर्देश**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गांधी सभागार में बैठक के दौरान समीक्षा करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: डीएम की अध्यक्षता में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित डीएलसीसी की मासिक समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान डीएम ने आवासीय विद्यालयों एवं जिला जेल में समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की आपूर्ति करने के निर्देश दिए।

गांधी सभागार में शुक्रवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक के दौरान उन्होंने आवासीय विद्यालयों, जिला जेल आदि में समूहों द्वारा निर्मित तेल, मसाले, सब्जियां, झाड़ू समेत अन्य उत्पादों की आपूर्ति के प्रयास करने एवं तालाबों का आवंटन समूहों को किये जाने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा उद्यान विभाग को निशुल्क बीज, फूलों की खेती के लिए अनुदान, वर्मी बेड एवं मधुमक्खी पालन के लक्ष्य में समूहों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा बैकयार्ड पोल्ट्री, बकरी पालन आदि योजना की जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान डीएम ने ससमय लक्ष्य पूर्ति के करने तथा भविष्य में और अधिक प्रचार प्रसार कर सरस मेला आयोजित करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त स्वतः रोजगार वंदना सिंह, परियोजना निदेशक पवन कुमार, उप निदेशक कृषि राममिलन परिहार, जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन बिश्नोई समेत अन्य अधिकारी एवं सभी ब्लाकों के बीडीओ, एडीओ तथा एनआरएलएम का स्टाफ मौजूद रहा।

गायत्री महायज्ञ संपन्न उमड़े श्रद्धालु

पीलीभीत, अमृत विचार: शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में ग्राम पिपरिया भजा में श्रीमद पवन प्रज्ञा पुराण कथा और नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम 24 फरवरी से शुरू किया गया था, जिसका शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान संध्या के समय 1500 दीपक प्रज्वलित किए गए। जिसमें गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र से मानवता के उज्जवल भविष्य के लिए आहुतियां दी गई। मुख्य वक्ता आचार्य लालाराम, लालता प्रसाद शास्त्री ने मनुष्य में देवत्व और धरती पर स्वर्ग के अवतरण के बारे में विस्तृत रूप से बताया। अंत में प्रसाद का वितरण किया गया। इय मौके पर सुखलाल, रामसनेही, पवन सिंह मौर्य, सत्य प्रकाश मौर्य, रामदास मौर्य, रूपलाल मौर्य, रूपलाल, सियाराम मौर्य, प्रेमपाल मौर्य, जयपाल कश्यप, महेश कश्यप, प्रेमपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

किसानों को विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

पीलीभीत, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह आईटीसी चौपाल सागर के चौपाल महोत्सव में पहुंचकर कृषक गोष्ठी का फीता काटकर का शुभारंभ किया।इस दौरान उन्होंने स्टालों का भ्रमण कर उत्पादों की जानकारी ली।

डीएम ने किसानों से मशरूम एवं मोती की खेती करने को प्रेरित किया। कहा कि मोती की खेती से दोगुना नहीं बल्कि चार गुना लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने किसानों से उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने में योगदान देने का आहवान किया। गोष्ठी में कृषि विभाग से प्रमाणित बीजों पर अनुदान एवं कृषि यंत्रीकरण योजना, केसीसी सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढ़ाका ने किसानों को कृषि की विभिन्न विधाओं एवं तकनीकी जानकारियां दीं। ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक की उपलब्धता एवं कृषि यंत्र पर देय अनुदान, फसल बीमा, रबी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई की विधियां, उर्वरक प्रबंधन के साथ ही पादप रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में आधुनिक एक्सरे मशीन से एक्सरे कर तत्काल रिपोर्ट दी गई। गोष्ठी में सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, उप कृषि निदेशक राममिलन परिहार, आईटीसी के स्टेट हेड, आईटी हेड, एरिया मैनेजर, माल इंचार्ज समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

सिटी डायरी

नए जिलाध्यक्ष का स्वागत कार्यालय में हुआ हवन

पीलीभीत, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के नए जिलाध्यक्ष पद पर गोकुल प्रसाद मौर्य के नाम की गुरुवार को घोषणा कर दी गई थी। शुक्रवार को सुबह से ही पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा रहा। जिलाध्यक्ष ने धार्मिक स्थलों में जाकर पूजा अर्चना की। इसके बाद भाजपा कार्यालय में भी हवन कराया गया। इसी के साथ उन्होंने अपने पद पर कार्यभार संभाला। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह समेत अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया।

स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे 250 ग्रामीण

बिलसंडा, अमृत विचार : भाकियू भानु कार्यकर्ताओं की मांग पर दूसरे दिन शुक्रवार को ब्लॉक क्षेत्र के गांव बेहटा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। करीब 250 मरीजों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। मरीजों को चिकित्सीय परीक्षण के साथ ही नि :शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। एमओआईसी डॉ. छत्रपाल सिंह, डॉ. अफ़लाक खान, गौरव गंगवार, लैब टेक्नीशियन अजीत कुमार सिंह, स्टाफ नर्स अर्चना पांडेय, एएनएम अलका रानी, सीएचओ लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

संरक्षण समिति के बताए उद्देश्य

पीलीभीत, अमृत विचार : नगर पंचायत बरखेड़ा में वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में महिला कल्याण विभाग के काउंसलर अभिषेक शुक्ला ने सदस्यों को समिति के उद्देश्यों की जानकारी दी। मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना समेत अन्य योजनाओं की जानकारी दी। बाल विवाह के दुष्परिणाम बताते हुए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शपथ दिलाई गई।

पति समेत तीन पर दहेज की रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर करेली थाना पुलिस ने ग्राम गुरगवां निवासी उर्वशी की ओर से रिपोर्ट दर्ज की। जिसमें उसने बताया कि उसकी शादी पांच साल पूर्व पंकज पुत्र रामरतन से हुई थी। पति पंकज, सास गुड्डी देवी, जेठ विपिन अतिरिक्त दहेज में एक लाख रुपये और कार की मांग करते थे। इसके पूरा न होने पर प्रताड़ित किया। 11 फरवरी को मारपीट की और घर से निकाल दिया था।

दूसरे दिन भी हुए जागरुकता कार्यक्रम

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान आईपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दूसरे दिन शुक्रवार को क्विज, पोस्टर प्रदर्शनी और भाषण प्रतियोगिता कराई गई। कक्षा स्नातक, स्नातकोत्तर व समाज की युवा पीढ़ी शामिल हुई। राजकीय स्नातकोत्तर बालिका महाविद्यालय, राजकीय पुस्तकालय में प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अंजलि, शीतल, शांति स्वरूप, कमल, कोमल का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. बरखा, रविंद्र, शिक्षक तिलकराम आदि का योगदान रहा|

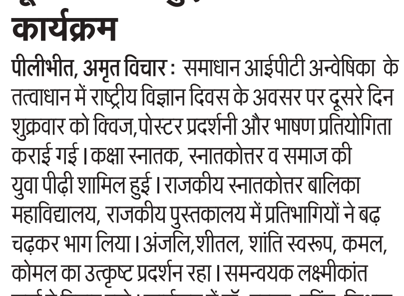

अच्छा नागरिक बनने को किया प्रेरित

बिलसंडा, अमृत विचार : हेमपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार के नेतृत्व में शिविर संपन्न हुआ। स्वयंसेवकों ने जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत समाज में शिक्षा के महत्व को फैलाया। प्राचार्य डॉ. दिनेश चंद्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर शुरुआत कराई। स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए अच्छा नागरिक बनने को प्रेरित किया। अनुशासित जीवन पर प्रोफेसर नरेंद्र कुमार बत्रा ने विचार व्यक्त किए। डॉ. सतेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर प्रोफेसर अनुजा अग्रवाल, सुरेंद्र प्रताप सिंह, अर्जुन कुमार, राजीव कुमार, अमरजीत, हर्षिता, भूमियांशी, कृष्णा गुप्ता, कनिष्का दुबे आदि मौजूद रहे।

चूड़ी की दुकान में लगी आग

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर की श्रीराम मार्केट में शॉर्ट सर्किट से चूड़ी की दुकान में आग लग गई। जिसमें काफी सामान जल गया। मोहल्ला ग्यासपुर निवासी फरमान की मोहल्ला दुर्गाप्रसाद स्थित श्रीराम मार्केट में चूड़ी की दुकान है। गुरुवार शाम को वह दुकान बंद कर घर आ गए थे। बताते हैं कि रात में शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। बंद दुकान से धुआं उठता देख मार्केट स्वामी विशाल गुप्ता ने सूचना दी।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

इफ्तार शनिवार
सुन्नी : 6:14
शिया : 6:23

सहरी रविवार
सुन्नी : 5:12
शिया : 5:04

न्यूज ब्रीफ

युवती को अगवा करने का आरोप

बीसलपुर, अमृत विचार: क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 दिसंबर 2025 को वह बीसलपुर के सरकारी अस्पताल में पुत्री के साथ दवा लेने आई थी। पर्चा बनवाने के लिए वह काउंटर पर खड़ी थी बेटी अस्पताल गेट पर बैठी थी। आरोप है कि बरेली के फरीदपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तिरहदीपुर निवासी धर्मेंद्र उनकी पुत्री को अगवा कर ले गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

किसानों को सहकारिता के लाभ बताए

बरखेड़ा, अमृत विचार: समिति एम पैक्स हटुआ मकतुल पर उर्वरक व्यवसाय की मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी, एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुरुआत कराई। अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि नंदलाल वर्मा और संचालन सहायक विकास अधिकारी कमलेश सिंह ने किया। एआर कोऑपरेटिव ने सहकारिता से किसानों को होने वाले लाभ बताए। जिला सहकारी बैंक पीलीभीत के सचिव ने बैंक की नीतियों के बारे में जानकारी दी। यहां समिति अध्यक्ष प्यारेलाल, सचिव रामदयाल वर्मा, नवल किशोर पांडेय, मुलायम सिंह, नरेंद्र, रामऔतार धर्मपाल आदि मौजूद रहे।

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार: एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला दुबे निवासी सोनी देवी की रिपोर्ट दर्ज की है, जिसमें आरोप है कि 6 माह पूर्व पति ने उन्हें पीटकर घर से निकाला था। पति के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। आरोप है कि 22 फरवरी को पति तीन साथियों ने साथ आया और मारपीट की। पुलिस जांच कर रही है। ग्राम अभयपुर चैना नकटी निवासी बब्लेश मौर्य की पत्नी कुसमा देवी ने गांव के अवधेश कुमार के पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि 25 फरवरी को आरोपी तमंचा लेकर घर में घुस आया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मिट्टी का टीला ढहा, दबकर एक श्रमिक की मौत

दो घायल, निर्माणाधीन औद्योगिक इकाई से जुड़े कार्य में हादसे पर लापरवाही उजागर, अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम भरा पचपेड़ा में हुआ हादसा

संवाददाता, पीलीभीत/मझोला

अमृत विचार: भरा पचपेड़ा गांव स्थित निर्माणाधीन औद्योगिक इकाई में जिम्मेदारी की लापरवाही एक श्रमिक का काल बन गई। सीवर लाइन को लेकर की गई खुदाई में सफाई कार्य में लगे तीन श्रमिक अचानक मिट्टी का टीला गिरने से दब गए। उन्हें बमुश्किल बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान एक की मौत हो गई जबकि दो को अस्पताल भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में हादसे के बाद कोहराम मचा रहा।

अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम भरा पचपेड़ा में है औद्योगिक इकाई को लेकर पिछले कई दिनों से निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क व नाला निर्माण के लिए बीते दिनों खुदाई करा दी गई थी। सीवर लाइन बिछाने का काम भी चल रहा है। इसका ठेका बरेली की एक फर्म को मिला है। शुक्रवार को काफी श्रमिक की गई खुदाई में सफाई कार्य कर रहे थे। कुछ ही दूरी पर

मिट्टी के ढेर में दबे श्रमिकों को निकालते लोग। ● अमृत विचार

घायल राज।

मृतक बबलू।

मिट्टी डालने के लिए पोकलैन और हाइड्रा भी चल रही थी।

दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे के बाद अचानक मिट्टी का टीला गिर गया। जिसमें करीब तीन मीटर गहरे खुदाई के गड्ढे में काम कर रहे तीन श्रमिक अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम भरा पचपेड़ा निवासी 26 वर्षीय बबलू पुत्र गंगाराम, 16 वर्षीय राज पुत्र राजू और बरेली जनपद के थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम कासिमपुर निवासी सोहिल पुत्र फैयाद मिट्टी में दब गए। अन्य श्रमिकों के शोर पर आसपास मौजूद तमाम लोग जमा हो गए। ग्रामीण भी मदद के लिए आ गए। फिर बमुश्किल मिट्टी के ढेर में दबे तीनों युवकों को बाहर निकाला गया। आनन-फानन में घायलों को शहर के एक निजी अस्पताल लाया गया। वहां बबलू को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य दोनों को भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया।

इधर, जिंदा होने की आस में बबलू को लेकर जिला अस्पताल लोग पहुंचे। वहां भी उसे मृत घोषित कर दिया गया। हादसे की सूचना मिलने पर बिरहनी चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौका मुआयना कर जानकारी जुटाई। इस दौरान कुछ लोग मिट्टी का टीला पोकलैन और हाइड्रा की धमक से गिरने का अंदेशा जताते रहे जबकि कुछ ने हाइड्रा से लापरवाही बरतते हुए श्रमिकों पर मिट्टी लौटने की बात कह दी। फिलहाल इसे लेकर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी रही। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप

इस हादसे के बाद एक बार फिर निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का शोर मचा रहा। जिम्मेदारों की ओर से बरती गई कार्य के दौरान लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा। श्रमिकों को सुरक्षा के लिहाज से उपकरण मुहैया न कराने की भी बात कही जाती रही। हालांकि इसे लेकर जांच पड़ताल की जाती रही। बताते है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पर सीसीटीवी भी लगे हुए हैं। ऐसे में पुलिस कैमरे की फुटेज चेक करने को लेकर भी पड़ताल करती रही।

बिखर गई कच्ची गृहस्थी, मची चीख पुकार

इस हादसे के बाद होली के त्योहार से पहले ही श्रमिक के परिवार में मातम छा गया है। परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा। वहीं मृतक की कच्ची गृहस्थी भी बिखर गई। पति की हादसे में हुई मौत के बाद पत्नी नेहा देवी बेसुध सी हो गई। उसे परिवार वाले संभालते रहे। मृतक के तीन पुत्रियां पांच वर्षीय पलक, तीन वर्षीय रूही और एक साल की आरोही है। मजदूरी कर बबलू परिवार का भरण पोषण करता था। उसकी मौत के बाद आर्थिक संकट की स्थिति भी परिवार के सामने बन गई। परिचित और रिश्तेदार ढांढस बंधाने में जुटे रहे।

हादसे के बाद गमगीन बैठे मृतक बबलू के परिवार वाले। ● अमृत विचार

एआरटीओ ने तीन वाहन सीज किए चार का चालान

पीलीभीत, अमृत विचार: होली को लेकर परिवहन विभाग ने वाहन चेकिंग अभियान की शुरुआत की है। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को जनपद के विभिन्न मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बसों, मैक्सी कैब और ऑटो सहित यात्री वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान परिवहन विभाग के पोर्टल पर परमिट शर्तों के उल्लंघन में ब्लैकलिस्टेड एक बस मार्ग पर संचालित पाई गई, जिस पर तत्काल सीज की कार्रवाई की गई। इसके अलावा एक मैक्सी कैब और एक ऑटो में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर वाहन संचालन किया जा रहा था। यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ मानते हुए इन दोनों वाहनों को भी सीज कर दिया गया। इसी क्रम में दो अन्य यात्री वाहन परमिट अवधि समाप्त होने के बावजूद सड़कों पर दौड़ते मिले, जबकि दो वाहन क्षमता से अधिक सवारियां ढोते पाए गए। इन चारों वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई अमल में लाई गई। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी वाहन स्वामियों और चालकों को चेतावनी दी कि निर्धारित क्षमता के अनुरूप ही सवारियां बैठाई जाएं।

रोजगार सेवक पर रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **मनरेगा कार्य में फर्जी हाजिरी लगाकर हजारों रुपये का फर्जीवाड़ा**
- **प्रधान-सचिव समेत 3 से दुरुपयोगित राशि की रिकवरी के आदेश**

अमृत विचार: मनरेगा कार्य में फर्जी हाजिरी लगाकर हजारों रुपये का फर्जीवाड़ा कर लिया गया। शिकायत पर मामले की जांच कराई गई तो जांच अधिकारी ने लीपापोती कर जिम्मेदारों को भ्रामक रिपोर्ट थमा दी। इस पर लोकपाल मनरेगा से स्वयं मामले की जांच की तो फर्जी हाजिरी का मामला सही पाया गया। इस पर लोकपाल मनरेगा ने दोषी रोजगार सेवक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की संस्तुति के साथ ग्राम प्रधान-सचिव समेत तीन लोगों से दुरुपयोगित राशि की रिकवरी करने के आदेश दिए हैं। मनरेगा अधिनियम के उल्लंघन पर कार्यक्रम अधिकारी समेत सात लोगों पर 01-01 हजार रुपये जुर्माना भी डाला गया है।

मामला बीसलपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत लुहिचा का है। बीते दिनों लोकपाल मनरेगा को सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत मिली कि ग्राम पंचायत के मुख्य मार्ग से करनपुर लायकराम तक संपर्क मार्ग में मिट्टी कार्य के नाम पर मनरेगा श्रमिकों की फर्जी हाजिरी लगाकर रुपये का बंदरबांट कर लिया गया है।

प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने संबंधित ब्लाक के खंड विकास अधिकारी से रिपोर्ट तलब की। बताते हैं कि जांच करने वाले लघु सिंचाई के अवर अभियंता संदीप कुमार ने जांच रिपोर्ट में खेल करते हुए भ्रामक रिपोर्ट थमा दी। जांच रिपोर्ट में फर्जी हाजिरी से संबंधित कोई तथ्य ही नहीं पाए गए। इस पर लोकपाल मनरेगा ने जांच रिपोर्ट को नकारते हुए प्रकरण में सभी संबधित मनरेगा कर्मियों को कार्यालय पर आकर पक्ष रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद भी कोई भी अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचा। लोकपाल मनरेगा स्तर से की गई जांच में 50 प्रतिशत श्रमिकों की फर्जी उपस्थिति मानते 66150 रुपये का दुरुपयोग पाया गया। इस पर लोकपाल मनरेगा ने धनराशि दुरुपयोग के मामले में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक से समानुपातिक रूप से रिकवरी करने एवं दोषी मिले रोजगार सेवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज के आदेश दिए हैं। कार्यक्रम अधिकारी, एपीओ, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, ग्राम प्रधान, ग्राम रोजगार सेवक एवं प्रकरण के जांचकर्ता जेई संदीप कुमार पर मनरेगा एसओपी के अनुसार सभी 1-1 हजार जुर्माना वसूलने के आदेश दिए हैं। लोकपाल मनरेगा ने बताया कि शिकायत पर की गई जांच में फर्जी हाजिरी का मामला सही पाए जाने पर संबंधित मनरेगा कर्मियों पर कार्रवाई की गई है।

सड़क हादसों में आठ लोग घायल

बीसलपुर, अमृत विचार: विभिन्न स्थानों पर हुए हादसों में आठ लोग घायल हो गए। मोहल्ला दुर्गा प्रसाद के सजल अपने साथी कशिश के साथ बाइक से शाहजहांपुर जा रहे थे। ग्राम रोहनिया के पास सामने से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में गिरकर घायल हो गए। बरेली के बालाजी कॉलोनी निवासी नत्थूलाल अपने पिता लखनलाल बाइक से बीसलपुर पीलीभीत मार्ग पर जा रहे थे।

ग्राम कासिमपुर मोड़ के पास पहुंचते ही दूसरी बाइक से टक्कर होने पर घायल हो गए। वहीं, मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी राहुल शादी समारोह में शामिल होने बरेली में जा रहे थे। कार में रामप्रताप व प्रीति देवी भी बैठी थी। शेखपुर के पास कार पेड़ से टकरा गई। सभी घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया।

धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव, मेधावी पुरस्कृत

पुरस्कृत किए गए मेधावी व अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: बाला देवी रोशन लाल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन का वार्षिक उत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले टॉपर्स को सम्मानित किया गया। संस्था के संरक्षक एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. तौलेराम गंगवार, पूर्व ब्लाक प्रमुख तारावती गंगवार, प्रबंधक डॉ. रत्नेश गंगवार, जिला पंचायत सदस्य प्रियंका गंगवार ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके शुरुआत कराई। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए।

बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, एमए, एमएससी विज्ञान वर्ग, गृह विज्ञान एवं फार्मेसी विभाग व लॉ कॉलेज से कक्षा में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 1100 छात्र-छात्राओं को ड्रेस बैग व प्रमाण पत्र दिए गए। इस मौके नवाबगंज की पूर्व ब्लाक प्रमुख बीनू गंगवार, विश्व हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अमर सिंह गंगवार, प्राचार्य डॉ.एसपी मौर्य, उपप्राचार्य डॉ. पातंजलि गंगवार, फार्मेसी विभाग के प्राचार्य मनोज कुमार, लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवि प्रकाश गंगवार, बाबूराम निराला, भद्रपाल गंगवार, डॉ.अश्विनी गंगवार, चंद्रपाल मौर्य, अविनाश गंगवार आदि मौजूद रहे।

होली पर बाजार में उछाल, सोशल मीडिया ट्रेंड ने बदला फैशन का मिजाज

- **लेटेस्ट टोक्यो फैब्रिक और पॉपकॉर्न शर्ट की मची धूम, ऑनलाइन भी हो रही शॉपिंग**
- **फिर लौटा वेलवॉटम जींस का दौर, बाजार में उमड़ी भीड़, देर रात तक चहल पहल**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : होली की तैयारियों के बीच जिले का बाजार त्योहारी रंग में डूबा नजर आ रहा है। खानपान के अलावा कपड़ा बाजार में अधिक उल्लास देखने को मिल रहा है। जिस वजह से बाजार में हर दिन भीड़ बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं इस होली पर सोशल मीडिया के ट्रेंड ने फैशन का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। युवा रील्स और पोस्ट दिखाते हुए नए-नए डिजाइन के कपड़ों की मांग कर रहे हैं। इस होली टोक्यो फैब्रिक के साथ

होली को लेकर मिर्च मंडी बाजार में उमड़ी भीड़ से लगा जाम। ● अमृत विचार

स्टेशन रोड पर स्थित एक कपड़ा शोरुम में खरीदारी करते ग्राहक। ● अमृत विचार

पॉपकॉर्न शर्ट क डिमांड तेजी बढ़ गई है। साथ ही स्ट्रेट फिट के साथ-साथ बैलबॉटम जींस का क्रेज भी दोबारा से बढ़ गया है।

इन दिनों शहर और ग्रामीण क्षेत्र की बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। अभी तक रमजान के चलते खाद्य पदार्थ बिक्री करने वाली किराना दुकानों पर भीड़ देखने को मिल रही थी। मगर होली नजदीक आते ही रंग गुलाल के साथ कपड़ों का बाजार पूरी तरह गुलजार हो उठा है। होली के पर्व को लेकर व्यापारियों ने दिल्ली, लुधियाना, हरियाणा, मुंबई समेत कई जगहों से लेटेस्ट फैशन का माल स्टाक कर लिया था। जिसकी बाजार में धूम देखने को मिल रही है। सुबह से स्टेशन रोड, जेपी रोड, चौक बाजार, लाल रोड पर कपड़ों की दुकानों पर भीड़ देखने को मिल रही है। देर रात तक बाजार में चहल पहल बनी हुई है। व्यापारियों के मुताबिक इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म फैशन ट्रेंड को तेजी से बदल रहे हैं, जो डिजाइन पहले महीनों में चलता था, वह अब कुछ ही हफ्तों में दुकानों तक पहुंच रहा है। इसी वजह से कपड़ा बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ जुट रही है और कई जगह पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। इस बार लड़कियों के बीच टोक्यो फैब्रिक, पर्ल वाले टॉप, अनारकली और कुर्ती सेट खास पसंद बने हुए हैं। जिसकी कीमत 1500 से तीन हजार के बीच में है।

वहीं फ्लेयर कार्गो और नई स्टाइल की जींस भी जमकर बिक रही हैं। युवाओं में पॉपकॉर्न शर्ट और डबल पॉकेट शर्ट का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। साथ ही स्ट्रेट फिट जींस के साथ वेलवेटम जींस का क्रेज दोबारा से लौटने लगा। जिससे युवा खूब पसंद कर रहे हैं। जिसकी बाजार में बिक्री 800 से लेकर 2000 रुपये तक है। महिलाओं के लिए स्टॉल साड़ी का नया कलेक्शन चर्चा में है, जबकि बच्चों के लिए डंगरी सूट और कैप वाली टी-शर्ट बाजार की शोभा बढ़ा रही हैं। साथ ही रमजान को ध्यान में रखते हुए टोपी और कॉटन दुपट्टे वाले सूटों की खरीदारी भी तेजी से हो रही है। साथ ही मुस्लिम वर्ग के लोग भी ईद की तैयारियों में जुटे हुए हैं। व्यापारी कशिश ने बताया कि अब ग्राहकों की पसंद बहुत तेजी से बदल रही है। पहले एक डिजाइन महीनों चलता था, लेकिन अब इंस्टाग्राम रील देखते ही युवा नए कपड़ों की मांग करने लगते हैं। इस बार टोक्यो फैब्रिक और पॉपकॉर्न शर्ट का स्टॉक जल्दी खत्म हो रहा है। बिक्री बढ़ी है, मगर ट्रेंड के साथ चलना चुनौती बन गया है। इस होली पर पूरे जिले में करीब 50 करोड़ से अधिक का कारोबार होने का अनुमान हैं।

विधायक ने माला नदी पर बने पुल का किया लोकार्पण

दियोरियाकलां, अमृत विचार: बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने मकरंदपुर रोशन सिंह में माला नदी पर 6.32 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए पुल का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण की मांग काफी लंबे समय से चली आ रही थी और यह पुल उनकी प्राथमिकता में शामिल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पुल की स्वीकृति प्रदान करते हुए क्षेत्रीय जनता को एक बड़ी सौगात दी है। इस पुल के निर्माण से आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क सीधे टिकरी से जुड़ता है। डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास कार्यों की तरफ अग्रसर है।

लोकार्पण करते विधायक विवेक वर्मा। ● अमृत विचार

छह मार्च से चलेंगी पूर्णागिरि धाम दो मेला स्पेशल ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मां पूर्णागिरि धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों के रेलवे प्रशासन ने छह मार्च से टनकपुर तक दो मेला स्पेशल ट्रेन चलाने को हरी झंडी दे दी है। रेल महकमे की ओर से दोनों मेला स्पेशल ट्रेनों की समय सारिणी जारी कर दी है। मेला स्पेशल ट्रेनें 30 जून तक चलाई जाएगी।

जिला चंपावत में मां पूर्णागिरि धाम में होली के बाद मेले का आयोजन होता है। इसमें जिले के अलावा देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री पहुंचते हैं। मां पूर्णागिरि धाम जाने वाले अधिकांश तीर्थयात्री पीलीभीत होकर गुजरते हैं। इसको लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाता है। इस बार भी रेलवे प्रशासन ने मेला यात्रियों की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए 6 मार्च से दो जोड़ी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक गाड़ी संख्या 05308 बरेली जंक्शन-टनकपुर मेला स्पेशल ट्रेन बरेली जंक्शन से देर रात 01.50 बजे रवाना होगी। यहां से रवाना होकर यह ट्रेन बरेली सिटी से 2.6 बजे, इज्जतनगर से 2.20 बजे, भोजीपुरा से 2.38 बजे, सेथल से 2.55 बजे, बिजौरिया से 3.5 बजे, शाही से 3.15 बजे रवाना होकर सुबह 3.30 बजे पीलीभीत जंक्शन पहुंचेगी। पांच मिनट के ठहराव के बाद यह ट्रेन यहां से रवाना होकर, न्योरिया हुसैनपुर, मझोला पकड़िया, खटीमा होते हुए टनकपुर रेलवे स्टेशन पर सुबह 5.40 बजे पहुंचेगी। जबकि वापसी में यही ट्रेन रात 9.35 बजे टनकपुर स्टेशन से रवाना होगी।

सद्भाव

गांधी प्रेक्षागृह परिसर में एक मंच पर दिखी भारत–नेपाल की साक्षी विरासत, कवि सम्मेल आयोजित

भारत–नेपाल मैत्री महोत्सव में दिखा सभ्यता और संस्कृति का संगम

- **दोनों देशों के कलाकारों ने प्रस्तुत किए विभिन्न कार्यक्रम**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारत-नेपाल की साझी विरासत को बरकरार रखने के लिए दो दिवसीय भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का शुक्रवार को आगाज हो गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों देशों की कला एवं संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। नेपाल से आए कलाकारों ने विभिन्न लोकनृत्य पेश कर जमकर तालियां बटोरी। वहीं कवि सम्मेलन भी हुआ। जिसमें पश्चिमी बंगाल समेत दूर-दराज जनपदों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र, संस्कृति, सामाजिक सरोकार एवं मानवीय संवेदनाओं को स्वर दिए। महोत्सव का समापन शनिवार को होगा।

मैत्री महोत्सव में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी सुकीर्ति माधव समेत अन्य अधिकारी।

मैत्री महोत्सव में मौजूद नेपाली कलाकार व अन्य लोग। ● अमृत विचार

संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को गांधी प्रेक्षागृह परिसर में हुए महोत्सव का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी सुकीर्ति माधव, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, एएसपी विक्रम दहिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर एवं महोत्सव के नोडल अतुल द्विवेदी ने दीप प्रज्ज्वलन कर दिया। इस दौरान डीएम ने कहा कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव सभ्यता एवं संस्कृति का संगम है। महोत्सव के जरिए लोग एक-दूसरे की सभ्यता एवं संस्कृति से परिचित होंगे। ऐसे आयोजन से दोनों देशों के बीच पुरातन काल से चली आ रही दोस्ती और मजबूत होगी। इसलिए हम नेपाल को भारत से पृथक सोच ही नहीं सकते। महोत्सव के नोडल अधिकारी अतुल द्विवेदी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कहा कि भारत-नेपाल की मैत्री कार्यक्रम के माध्यम से दोनों देशों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नेपाल सीमा से सटे आठ जिलों में मैत्री महोत्सव का आयोजन किया गया है, जो 28 फरवरी तक चलेगा। 28 फरवरी को पीलीभीत में इसका समापन होगा।

कवि सम्मेलन में तालियों से गूंजता रहा पंडाल

महोत्सव की शुरूआत कवि सम्मेलन से हुई। शिव कुमार व्यास बाराबंकी, श्यामल मजूमदार पश्चिम बंगाल, नीरज पांडे व उत्कर्ष उत्तम रायबरेली, सरोज सरगवान पीलीभीत, प्रख्यात मिश्रा, प्रमोद द्विवेदी व अशोक अग्निहोत्री लखनऊ आदि कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र, संस्कृति, सामाजिक सरोकार एवं मानवीय संवेदनाओं को प्रभावी स्वर प्रदान किया। कवियों की ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से पंडाल तालियों से गूंज उठा।

नेपाली लोकनृत्य व राजस्थान की चकरी नृत्य देखकर झूमे लोग

कवि सम्मेलन के बाद लखनऊ की सरिता मिश्रा द्वारा लोक गायन, शशांक ऋषि शंखधर एवं दल द्वारा नुक्कड नाटक, राजस्थान के शिव नारायण का चकरी नृत्य, नेपाली कलाकारों का लोक नृत्य, अंजू रानी द्वारा लोक गायन, कृष्ण प्रसाद त्रिवेदी द्वारा भजन गायन, श्याम जीत सिंह द्वारा लोक गायन, संदीप सिंह एवं दल द्वारा थारूनृत्य प्रस्तुत किया गया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत एवं नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत, लोक परम्पराओं एवं जनजातीय कला रूपों की सजीव अभिव्यक्ति मंच देखने को मिली।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★पतले-दुबले
★गाल पिचके
★कमजोर स्त्री-पुरुष
★मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
8 मार्च 2026, रविवार
22 मार्च 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

वीआईपी मार्ग चौड़ीकरण के लिए 20 भवन स्वामियों को नोटिस

पर्यटन विभाग के एमडी एसके सिंह ने जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के साथ कॉरिडोर निर्माण कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण कार्य के तहत अब वीआईपी मार्ग के चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस क्रम में तहसील प्रशासन ने करीब 20 भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर निर्माण हटाने के निर्देश दिए हैं। नोटिस मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और प्रभावित लोगों ने कार्रवाई में पक्षपात का आरोप लगाया है।

गुरुवार को पर्यटन विभाग के एमडी एसके सिंह ने जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के साथ कॉरिडोर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिल डायवर्जन रोड, अंबेडकर तिराहा, विश्वकर्मा मार्ग होते हुए वीआईपी मार्ग से दक्षिण दिशा में बन रहे वीआईपी गेट तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। प्रस्तावित वीआईपी मार्ग संकरा पाए जाने पर उसके चौड़ीकरण के निर्देश दिए गए। बाद में तहसील सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

कॉरिडोर में बन रहा परिक्रमा पथ और वीआईपी गेट।

विश्वकर्मा के मकान से पौराणिक शिव मंदिर जाने वाला मार्ग।

शुक्रवार, 27 फरवरी को नगर पालिका परिषद ने गाटा संख्या 382 (रकबा 0.733 हेक्टेयर) भूमि को पालिका संपत्ति बताते हुए वीआईपी मार्ग से जायसवाल इलेक्ट्रॉनिक्स वाली गली तक लगभग 200 मीटर अंदर मोहल्ला गजेंद्रपुरी के निवासियों को नोटिस जारी किए। नोटिस पाने वालों में लाल बहादुर सिंह, रिंकू शुक्ला, ओमप्रकाश वर्मा, हरिशंकर, मोनू, अवनीश तिवारी, परविजय सिंह, पूजा सिंह सहित दो दर्जन से अधिक लोग शामिल हैं। साथ ही संत रविदास डॉ. बी.आर. आंबेडकर सेवा संस्थान की धर्मशाला को भी अतिक्रमण की श्रेणी में बताया गया है।

प्रशासन ने इन भवनों को दशकों पुराने निर्माण होने के बावजूद अतिक्रमण मानते हुए 15 दिन के भीतर हटाने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित लोगों का कहना है कि कुछ के पास वर्ष 1952 के बैनामे उपलब्ध हैं, इसके बावजूद उन्हें अतिक्रमणकारी बताया गया है। लोगों ने आरोप लगाया कि चयनित रूप से नोटिस जारी किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, प्रभावित लोगों को शाम छह बजे नगर पालिका परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया है। मामले को लेकर क्षेत्र में असंतोष व्याप्त है और लोग प्रशासन के समक्ष अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने की तैयारी में जुटे हैं।

- **15 दिनों के भीतर निर्माण हटाने के दिए हैं निर्देश**

मोहल्ला निवासी अवनीश तिवारी ने बताया कि उनका पैतृक मकान जिसका 1952 का बैनामा दर्ज है, जिसका दाखिल खारिज भी है। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद द्वारा नोटिस देकर उनके मकान को अतिक्रमण में घोषित कर दिया गया है।

गजेंद्रपुरी निवासी परविजय सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन शिव मंदिर कॉरिडोर से उनका घर काफी दूर है। मिल डायवर्जन से पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले रास्ते से भी उनकी गली बहुत दूर है। फिर भी मकान को अतिक्रमण में बताते हुए नोटिस दिया गया है।

मोहल्ला निवासी हरिशंकर ने बताया कि नगर पालिका से बैनामा और दाखिल खारिज भी है। अब नोटिस देकर उनके मकान को अतिक्रमण में बताया जा रहा है यह कहां का न्याय है। नोटिस मिलने के बाद वह और उनका पूरा परिवार परेशान हैं।

> गुरुवार को पर्यटन के अधिकारियों संग जिलाधिकारी ने गोकर्ण परिक्षेत्र का निरीक्षण किया था। वीआईपी मार्ग का चौड़ीकरण होना प्रस्तावित है। इसके लिए पहले भी पैमाइश कराई गई थी। नगर पालिका परिषद द्वारा कुछ लोगों को नोटिस दिया गया है।
>
> **-प्रतीक्षा त्रिपाठी**, एसडीएम गोला।

> शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण कार्य हो रहा है। पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले वीआईपी मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाना है, जिसके लिए नगर पालिका द्वारा नोटिसें दी गई है।
>
> **-भीमचंद**, तहसीलदार गोला।

मां पूर्णागिरि धाम के लिए चलाई जाएंगी 10 और बसें

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **वर्तमान में डिपो की दो बसें रोजाना होंगी संचालित**

अमृत विचारः उत्तराखंड में मां पूर्णागिरि धाम के लिए स्पेशल रोडवेज बस सेवा शुरू कर दी है। अब तक पूर्णागिरि जाने के लिए सीधी बस सुविधा केवल पीलीभीत तक थी, जिससे श्रद्धालुओं को वहां से बस बदलने के चलते परेशानी उठानी पड़ती थी। डिपो से सुबह प्रतिदिन दो बसों का संचालन टनकपुर तक शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर 10 बसें और चलाई जाएंगी।

उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित मां पूर्णागिरि धाम को दर्शनको जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को डिपो से प्रतिदिन सुबह पहली बस 6.30 बजे और दूसरी 9 बजे टनकपुर के लिए संचालित होना शुरू हो गई हैं। 27 फरवरी से 15 जून तक आधिकारिक रूप से होने वाले मां पूर्णागिरि मेले में नगर सहित क्षेत्र के तमाम श्रद्धालु मां के दर्शनों को जाते हैं। ट्रेन की सेवा न होने से यहां के लोग बसों पर ही निर्भर हैं। एआरएम महेश चंद्र कमल ने बताया कि डिपो से पहली बस प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे गोला से रवाना होगी। बस 12.30 बजे टनकपुर पहुंचेगी।

टनकपुर में लगभग 30 मिनट रुकने के बाद बस दोपहर 1.15 बजे गोला के लिए इसी रूट से वापसी करेगी, जो शाम 5 बजे गोला पहुंचेगी। दूसरी बस सुबह 9 बजे डिपो से चलकर शाम 3 बजे टनकपुर पहुंचेगी और वहां से 3.30 बजे गोला के लिए वापसी करेगी। बताया कि यात्रियों की संख्या बढ़ने पर 10 और बसें चलाये जाने की तैयारी है। गोला से टनकपुर का किराया 350 रुपए है।

4 रनों से पलिया लायंस ने पलिया टाइगर्स को दी शिकस्त

संवाददाता, पलियाकलां

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश राज्य कर स्थापना दिवस 26 फरवरी के अवसर पर स्थानीय दुधवा रोड स्थित मैदान पर टी-12 सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच में उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग की पलिया लायंस टीम ने बार एसोसिएशन की पलिया टाइगर्स टीम को रोमांचक मुकाबले में चार रनों से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

पलिया लायंस टीम की कप्तानी उपायुक्त राज्य कर अशोक कुमार ने की, जबकि पलिया टाइगर्स की कमान एडवोकेट आर.एल. जायसवाल के हाथों में रही। टॉस जीतकर पलिया लायंस के कप्तान अशोक कुमार ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया।

मैदान में दोनों टीमों के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- **उपायुक्त अशोक कुमार की कप्तानी में 138 रनों का था लक्ष्य**

पहली पारी में उपकप्तान भारत भूषण, नवीन पांडे, अशोक राना, सूरज, अमित, मोहित, निक्की, प्रवेश राना, उमाशंकर और सत्यम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 12 ओवरों में 138 रनों का प्रतिस्पर्धात्मक लक्ष्य खड़ा किया। बल्लेबाजों ने संयमित और आक्रामक खेल का संतुलन दिखाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पलिया टाइगर्स टीम की ओर से कप्तान आरएल जायसवाल ने दमदार शुरुआत की और टीम में जोश भर दिया। उपकप्तान अंकुर गोयल, गगन मिश्रा, संजय गर्ग, अमन, सुधीर गुप्ता, अरविंद, आकाश शर्मा, आदर्श अग्रवाल, पिंटू सिंह व रविंद्र गुप्ता ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी में जोर दिखाया।

मुकाबला अंतिम ओवर तक रोमांचक बना रहा, लेकिन बारहवें ओवर की अंतिम गेंद पर चौका न लग पाने के कारण टीम लक्ष्य से चार रन पीछे रह गई और जीत पलिया लायंस के खाते में दर्ज हो गई। निर्णायक मंडल में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेम प्रकाश अग्रवाल और डेयरी संस्थापक सलिल अग्रवाल ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। उपविजेता टीम को सांत्वना पुरस्कार दिया। उपायुक्त राज्य कर अशोक कुमार ने खिलाड़ियों और दर्शकों से कहा कि स्थापना दिवस पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ता संघ के बीच सद्भावना और समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से मैच का आयोजित किया गया।

चीनी मांझे से युवक की कटी गर्दन, घायल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः लखीमपुर शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पलिया बस स्टैंड से पहले बाइक सवार का गला चाइनीज मांझे की चपेट में आकर कट गया, जिससे वह लहूलुहान हो गए। लोगों ने किसी तरह घायल को प्राथमिक उपचार कराकर उसे घर भेजा। लोगों का कहना है कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही है।

शहर की गढ़ी रोड पर भरतपुरी कॉलोनी निवासी सुरेंद्र श्रीवास्तव अर्बन कोआपरेटिव बैंक में कलेक्शन का काम करते हैं। गुरुवार शाम वह गढ़ी रोड पर खाताधारकों से कलेक्शन करके लौटते समय सुनील साउंड की दुकान के पास अचानक चीनी मांझा से उलझ गए। गला मांझे की जद में आने से वह लहूलुहान हो गया। चिकित्सक के अनुसार पीड़ित की हालत सामान्य बताई जा रही है।

मांझे से कटी गर्दन। ● अमृत विचार

14 फरवरी को भी शहर के ओवरब्रिज पर गांव लीलाकुआं निवासी गुड्डू वर्मा चीनी मांझा की चपेट में आने से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध होने के बावजूद खुलेआम प्रयोग किया जा रहा है। आए दिन राहगीर, बाइक सवार और बच्चे इससे घायल हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है। नागरिकों ने प्रशासन से प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने और अभियान चलाकर जब्ती की मांग की है।

होला महल्ला समागम की तैयारियां तेज

संवाददाता, महंगापुर

- **गुरुद्वारा नानक पियाऊ को आकर्षक बिजली झालरों से सजाया**
- **गुरमत समागम में देश-विदेश से संगत के पहुंचने की संभावना**

अमृत विचारः महंगापुर में सिख परंपरा के वीरता, भक्ति और सेवा भाव के प्रतीक होला महल्ला पर्व को लेकर उत्साह चरम पर है। 2 मार्च से आरंभ होने जा रहे विशाल गुरमत समागम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। गुरुद्वारा नानक पियाऊ को आकर्षक बिजली झालरों, रंग-बिरंगी लाइटों और विशेष सजावट से भव्य स्वरूप दिया गया है। पूरा परिसर रोशनी से जगमगा रहा है और वातावरण उत्सवमय बना हुआ है।

समागम में देश-विदेश से बड़ी संख्या में संगत के पहुंचने की संभावना को देखते हुए ठहरने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। संगत के लिए अस्थायी आवास, विशाल पंडाल, पेयजल और स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। लंगर के लिए आवश्यक राशन, बर्तन और सामग्री लगातार पहुंचाई जा रही है। सेवा में जुटे सेवादार तन-मन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

होला महल्ला को लेकर सजा गुरुद्वारा। ● अमृत विचार

समागम की तैयारियों का निरीक्षण संत बाबा गुरनाम सिंह लगातार कर रहे हैं। उन्होंने संगत से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सेवा, सिमरन और कीर्तन का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुरु घर में की गई निस्वार्थ सेवा ही सच्ची भक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। गुरुद्वारा प्रबंधक गुरविंदर सिंह ने बताया कि 2 मार्च को समागम का विधिवत शुभारंभ होगा, जबकि 3 और 4 मार्च को भव्य दीवान सजेंगे। तीनों दिन विद्वान ज्ञानीजन गुरुवाणी का व्याख्यान करेंगे। इस दौरान अमृत संचार का भी आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु दीक्षा ग्रहण कर सकेंगे। 4 मार्च को दिन के दीवान के साथ समागम का समापन किया जाएगा। कार्यक्रम में देश-विदेश से पधार रहे रागी जत्थे, कथा वाचक और कीर्तन मंडलियां गुरु जस का गुणगान करेंगी। गुरुवाणी की मधुर स्वर लहरियों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा।

गुरुद्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, रंगरोगन, भव्य मंच निर्माण तथा विशाल चाय, मिष्ठान और लंगर की व्यवस्था की जा रही है। आयोजन समिति ने स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया है। होला महल्ला समागम को लेकर संगत में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

कोर्ट के आदेश पर दरोगा व दो सिपाहियों पर रिपोर्ट

संवाददाता, मझगईं

- **घर में घुसकर मारपीट, जातिसूचक गाली व रिश्वत मांगने का आरोप**

अमृत विचारः थाने में पूर्व में तैनात एक दरोगा व दो सिपाहियों के खिलाफ विशेष न्यायाधीश एससी एसटी कोर्ट के आदेश पर घर में घुसकर मारपीट करने, जातिसूचक गालियां देने और रिश्वत मांगने जैसे गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्रकरण की जांच सीओ पलिया करेंगे।

थाना क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुरवा निवासी सुदर्शन का आरोप है कि 21 जून 2025 की रात करीब नौ बजे तत्कालीन दरोगा मुश्ताक खां दो सिपाहियों के साथ उसके घर में घुस आए। उस समय वह खाना खा रहा था। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने घर की तलाशी ली और फिर उसे थप्पड़ मारे। जातिसूचक गालियां दीं। विरोध करने पर उसे घर से बाहर सड़क पर खींच लाकर डंडों और लात-घूंसों से पीटा गया। पुलिसकर्मी उसकी ही बाइक से उसे जबरन थाने ले गए और दस हजार रुपये की मांग की। किसी तरह तीन हजार रुपये उधार लेकर देने के बावजूद अगले दिन उसका चालान कर दिया गया। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद उसने पलिया क्षेत्राधिकारी व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने एससी/एसटी कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया।

न्यायालय के आदेश पर अब विभिन्न धाराओं के साथ एससी/एसटी अधिनियम और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच सीओ पलिया को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि निष्पक्ष जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रास्ते के विवाद में युवक पर बांके से हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः खीरी थाना क्षेत्र के गांव नौवापुर निवासी रमेश ने बताया कि गांव के राकेश व कौशल उनके भतीजे काशीराम को आए दिन परेशान करते थे। आरोप है कि रात करीब नौ बजे दोनों आरोपी गाली-गलौज करते हुए काशीराम के दरवाजे पर पहुंचे। विरोध करने पर आरोपियों ने काशीराम को दौड़ाकर घर के अंदर घुसकर लात-घूंसों से मारपीट की और धारदार बांके से सिर पर वार कर दिया। हमले में काशीराम के सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिनके ललकारने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। यूपी 112 पुलिस ने घायल काशीराम को ट्रामा सेंटर ओयल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई सत्येंद्र कुमार वर्मा को सौंपी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार होंगे।

होली की सामग्री से जगमग हुआ बाजार

गोला में रंग गुलाल की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **तरह-तरह की पिचकारी, अबीर, गुलाल से सज गई दुकानें**

अमृत विचारः रंगों के पर्व होली को लेकर बाजार में तमाम प्रकार की सामग्री से दुकानें सज चुकी हैं। दुकानों पर रंग-गुलाल सजावटी कैप, मुखौटा, पिचकारी की मांग बढ़ गई है। बच्चों में पर्व के प्रति काफी उल्लास है।

होली का पर्व दो दिन बाद है, जिसे लेकर बाजार में काफी रौनक दिखाई दे रही है। दुकानों पर मित्रों और अभिभावकों के साथ पहुंच रहे बच्चे पसंदीदा पिचकारी, अबीर, गुलाल खरीद रहे है। उधर मिठाई की दुकानों पर गुझिया और नमकीन की बिक्री भी बढ़ी है। हालांकि गत वर्षों के मुकाबले इस बार रंग गुलाल व मिठाई के दामों में तेजी आई है।

नगर के प्रमुख बाजारों में होली की दुकानें सज गई है। मोहल्लों में भी रंग, गुलाल और पिचकारियों से दुकानें सज गई है। मिल रोड, अलीगंज रोड, तीर्थ बाजार, मेला मैदान, सब्जी मंडी, नानक चौकी के निकट, विकास चौराहा, रेलवे क्रॉसिंग के निकट होली पर सजी दुकानें ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। हर्बल रंग व गुलाल को लोग ज्यादा पसंद कर रहे है। बाजार में रंग व गुलाल के पैकेट 20 से 50 रुपये तक बिक रहा है। लोग मिठाई की दुकानों पर होली पर्व पर गुझिया, नमकीन, पापड़, सेमी, मठरी आदि आइटमों की खरीदारी करने लगे हैं।

उन्नत गन्ना प्रजातियों की बुवाई पर जोर

भानपुर, अमृत विचारः गांव चमारनपुरवा में गुरुवार को बलरामपुर चीनी मिल्स गुलरिया ने बसंतकालीन गन्ना बुवाई में प्रजाति परिवर्तन एवं क्षेत्रफल वृद्धि को लेकर किसान गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी की अध्यक्षता गन्ना समिति भीरा के पूर्व अध्यक्ष आज्ञा सिंह ने की। मुख्य महाप्रबंधक योगेश कुमार सिंह ने किसानों से उन्नतशील प्रजातियां को0-15023, कोलख-14201, को0-0118, कोशा-13235 व कोलख-16202 की बुवाई करने की अपील की। जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए को0-98014 व कोशा-13231 की सिफारिश की गई। पेड़ी प्रबंधन, भूमि व बीज शोधन तथा गहरी जुताई पर जोर दिया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने ट्रेंच विधि, ड्रिप सिंचाई, ट्रैश मल्चिंग व सह-फसलों के साथ नई प्रजातियों कोशा-18231, 17231 व 19231 की जानकारी दी। महाप्रबंधक अनिल कुमार ने अस्वीकृत प्रजातियों की बुवाई से बचने की सलाह दी।

मुंडन समारोह में लगी आग, तीन घर जले

संवाददाता, भानपुर/भीरा

अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र के मटेहिया गांव में शुक्रवार को मुंडन कार्यक्रम के दौरान दोपहर करीब 12 बजे गैस सिलेंडर में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तीन घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के प्रयास में एक व्यक्ति झुलस गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

झुलसा ओम प्रकाश।

गांव मटेहिया निवासी बिंद्रा के घर मुंडन कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम में दूर-दराज से रिश्तेदार आए हुए थे। खाना बनाने के लिए तीन गैस सिलेंडर मंगाए गए थे। इसी दौरान एक सिलेंडर में अचानक आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते, आग ने छप्परनुमा मकान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। घर में रखा घरेलू सामान, कपड़े, अनाज तथा कार्यक्रम के लिए तैयार की जा रही मिठाई और भोजन जलकर नष्ट हो गए। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए दो सिलेंडरों को बाहर निकाल लिया, लेकिन तीसरा सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया।

धू-धू कर जलते घर। ● अमृत विचार

- **लाखों का सामान राख, एक व्यक्ति झुलसा**

धमाके की आवाज से गांव में दहशत फैल गई। विस्फोट के कारण पड़ोस में बने जैसपाल का घर भी आग की चपेट में आ गया। इसके अलावा बिंद्रा के पुत्र सतीश का घर भी जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान ओमप्रकाश झुलस गए। सूचना पर पलिया से फायर ब्रिगेड की टीम और भीरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा हालात पर नियंत्रण पाया। घटना के बाद गांव में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है।

इफ्तार
शनिवार
सुन्नी : 6:09
शिया : 6:12

सहरी
रविवार
सुन्नी : 5:06
शिया : 5:08

न्यूज ब्रीफ

होटल मालिक समेत दो पर रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर क्षेत्र के गांव गढ़रूआ निवासी गंगाराम ने बताया कि वह गुरुवार को वर्मा स्वीट्स पर सामान खरीदने गया था। आरोप है कि इसी दौरान होटल मालिक आदित्य कुमार और उसके नौकर मंझले ने उसके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की। आरोपियों की पिटाई से उसे गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

युवक की पिटाई कर फोड़ा सिर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के ग्राम शंकरपुर निवासी शिवराम ने बताया कि गांव के ही गिरधारी व गुड्डू उससे पूर्व से ही रंजिश रखते हैं और अक्सर विवाद करते रहते हैं। आरोप है कि गुरुवार को वह अपने घर के बाहर गाय बांधकर बैठा था, तभी दोनों आरोपी पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उस पर लाठी से हमला कर दिया। सिर पर डंडा मारा, जिससे उसका सिर फट गया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मोहल्ला अर्जुनपुरवा निवासी युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव पास के ही मोहल्ले दुर्गापुरवा में एक मकान के कमरे में पंखे से लटका मिला है। मोहल्ला अर्जुनपुरवा निवासी संकटा का 40 वर्षीय बेटा प्रदीप मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर मोहल्ला दुर्गापुरवा में दूर के रिश्तेदार के यहां रुक गया था। सुबह कमरे में पंखे से शव लटकता पाया गया। मकान मालिक विद्या देवी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुराने कार्यकर्ता को तरजीह, अरविंद बने जिलाध्यक्ष

भाजपा जिलाध्यक्षों की सूची में उनका नाम शामिल देखकर समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः भाजपा के जिलाध्यक्ष पद की घोषणा गुरुवार की रात हो गई। पार्टी ने पुराने कार्यकर्ता अरविंद गुप्ता को जिलाध्यक्ष घोषित किया। पार्टी ने वैश्य बिरादरी के वोट बैंक को भी साधा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी द्वारा जारी जिलाध्यक्षों की सूची में उनका नाम शामिल देखकर अरविंद गुप्ता के परिचतों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

अरविंद गुप्ता।

वैश्य समाज से आने वाले अरविंद गुप्ता को भाजपा में शांत, सरल और मिलनसार स्वभाव के कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद समर्थकों और समाज में खुशी का माहौल है। गुरुवार की रात्रि 10 बजे के बाद जैसे ही पार्टी हाईकमान ने जिलाध्यक्षों की सूची की घोषणा की, वैसे ही सोशल मीडिया पर अरविंद गुप्ता को जिलाध्यक्ष बनाए जाने की बधाई वायरल होने लगी।

जिलाध्यक्ष बनने के बाद मां संकटा देवी मंदिर पहुंचे अरविंद गुप्ता। ● अमृत विचार

- **पार्टी ने वैश्य बिरादरी के वोट बैंक को भी साधा, 30 वर्षों से पार्टी से जुड़े हैं**

पार्टी हाईकमान ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों से दिशा निर्देशों का पालन करने की अपील की। जिलाध्यक्ष की घोषणा के बाद अरविंद गुप्ता सबसे पहले मां संकटा देवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माथा टेका और आशीर्वाद लिया। शुक्रवार सुबह उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। इसी दौरान वह पार्टी हाईकमान से मिलने लखनऊ रवाना हो गए। नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष शनिवार को लखीमपुर लौटेंगे। दोपहर एक बजे गुलरीपुरवा में भाजपा कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र मिश्रा ने दी।

पुराने कार्यकर्ता को तरजीह का दिया संदेश

भाजपा नेता अरविंद गुप्ता करीब 30 वर्षों से पार्टी से जुड़े हैं। वह राम मंदिर आंदोलन से ही भाजपा में सक्रिय भूमिका में रहे। वह 1995 से वह नगर पालिका परिषद लखीमपुर के सभासद हैं। इसके अलावा 2004 से 2007 तक भाजपा के नगर अध्यक्ष रहे। 2007 से 2008 तक नगर कोषाध्यक्ष रहे। 2008 से 2012 तक लगातार दो बार जिला महामंत्री रहे। 2012 से 2019 तक लगातार तीन बार जिला उपाध्यक्ष रहे। 2019 में लोकसभा चुनाव में कस्ता विधानसभा के प्रभारी रहे। 2022 के विधानसभा चुनाव में जिला हरदोई की सांडी विधानसभा के प्रभारी रहे। पार्टी ने उन्हें जिलाध्यक्ष निर्वाचित कर उनके पार्टी में त्याग और लगातार जुड़े रहने को तरजीह दिए जाने का साफ संदेश दिया है।

सोशल मीडिया से लेकर कॉल कर लोगों ने दी बधाई

भाजपा नेता अरविंद गुप्ता के जिलाध्यक्ष बनने पर जिले के विधायकों क्रमशः लोकेंद्र प्रताप सिंह, रोमी साहनी, अमन गिरि, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शरद वाजपेयी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, बृजेश सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनार, पालिकाध्यक्ष लखीमपुर डॉ. इरा श्रीवास्तव, पालिकाध्यक्ष गोला विजय शुक्ल रिंकू, पालिकाध्यक्ष पलिया लक्ष्मी गुप्ता, ब्लाक सदर के पूर्व प्रमुख आशुतोष वर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर मिश्र, पूर्व नगर अध्यक्ष दीपक पुरी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों ने बधाई दी है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी लोगों ने जमकर बधाई दी है।

अधिवक्ताओं ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को ज्ञापन देते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **सीतापुर में अधिवक्ता के साथ मारपीट को लेकर नाराज हैं अधिवक्ता**

अमृत विचारः जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने सीतापुर में अधिवक्ता विशाल गुप्ता के साथ कथित रूप से की गई मारपीट और हवालात में बंद किए जाने से नाराज बड़ी संख्या में अधिवक्ता जुलूस के शक्ल में नारेबाजी करते डीएम कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन कर घटना पर रोष जताया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को देकर आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि सीतापुर में अधिवक्ता विशाल गुप्ता के साथ 25 फरवरी की रात राज्यमंत्री सुरेश राही के सुरक्षाकर्मियों ने अभद्रता व मारपीट की। स्वयं को अधिवक्ता बताने के बाद भी अमानवीय व्यवहार किया गया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर चालान कर दिया। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने, अधिवक्ता का मेडिकल परीक्षण कराने और राज्यमंत्री को हटाने की मांग की है। वकील संघ अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह, मथुरा प्रसाद अवस्थी, सुबोध कुमार सिंह आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

होली रखने को लेकर विवाद, 3 घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के गांव कफारा निवासी झब्बूलाल ने बताया कि शाम करीब 6:30 बजे उनके भतीजे रोहित (16) व राहुल (14) गांव में पानी टंकी के पास पुस्तैनी स्थान पर होली रखने गए थे। आरोप है कि गांव के अरुण, छोटू, श्यामलाल व सुनीता कोरी ने होली रखने से रोक दिया और लाठी व बांका से दोनों किशोरों की पिटाई कर दी। जब झब्बूलाल मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित के अनुसार हमले में उनके दाहिने पैर तथा रोहित व राहुल के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। साथ ही आरोपियों ने दोबारा होली रखने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई पुष्कर वर्मा को सौंप दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीएसए विवाद ने लिया सामाजिक और सियासी रंग

- **ब्राह्मण संगठनों ने बीएसए के समर्थन में मोर्चा संभाला**
- **भारतीय दलित पैंथर संगठन ने विरोध में किया प्रदर्शन**

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी से जुड़े विवाद ने शुक्रवार को सामाजिक और सियासी रंग ले लिया। एक ओर जहां ब्राह्मण संगठनों ने बीएसए के समर्थन में मोर्चा संभाला, वहीं भारतीय दलित पैंथर संगठन ने विरोध दर्ज कराते हुए प्रदर्शन किया। संभावित आंदोलन की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन बीएसए कार्यालय पर भारी पुलिस बल तैनात किया था।

दरअसल भारतीय दलित पैंथर ने शुक्रवार को बीएसए कार्यालय पर जूता अभियान के तहत धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी थी। बकायदा इसके पोस्टर भी चस्पा किए गए थे। दलित पैंथर के संयोजक मनोज भारती ने बीएसए को आपत्तिजनक

बीएसए कार्यालय पर तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

शब्द कहते हुए एक वीडियो वायरल किया था। इसके बाद ब्राह्मण समाज आक्रोशित हो गया था। समाज ने बीते दिनों डीएम और एसपी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग भी की थी। साथ ही शुक्रवार को बीएसए कार्यालय पर बैठक करने करने की चेतावनी दी थी। इससे भारतीय दलित पैंथर और और ब्राह्मण समाज आमने-सामने आ गया था। इसे देखते हुए शुक्रवार की सुबह से ही बीएसए कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी रही। कार्यालय परिसर में आने-जाने वालों पर नजर रखी जाती रही। इस दौरान समन्वय समिति ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे और बीएसए के समर्थन में डटे रहे। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि बिना ठोस आधार के किसी अधिकारी की छवि धूमिल करना उचित नहीं है।

उधर मौके की नजाकत को देखते हुए दलित पैंथर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बीएसए कार्यालय न जाकर शहर स्थित आंबेडकर पार्क में एकत्र हुए और प्रदर्शन किया। संगठन ने

बीएसए कार्यालय पर मौजूद ब्राह्मण संगठनों के लोग। ● अमृत विचार

डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए खींचनपुरवा ब्लॉक नकहा की इंचार्ज प्रधानाध्यापक कल्पना की सम्मानपूर्वक बहाली की मांग उठाई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 20 सितंबर 2024 को विद्यालय की उपस्थिति पंजिका चोरी कर षड्यंत्र पूर्वक फंसाने का प्रयास किया गया। इस संबंध में शारदा नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, गवाहों को सुरक्षा तथा अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि 27 मार्च 2026 तक कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। साथ ही 1 मार्च से 14 अप्रैल तक गांव-गांव संविधान जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा भी की गई। पूरा घटनाक्रम दिनभर शहर में चर्चा का विषय बना रहा। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने की बात कही है।

मुफ्त एचपीवी टीकाकरण अभियान आज से

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए 14 साल की लड़कियों के लिए मुफ्त राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान शनिवार आज से शुरू कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत गार्डासिल वैक्सीन सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर मिलेगी। अभिभावकों को अपनी बेटियों के टीकाकरण के लिए आधार कार्ड या स्कूल आईडी जैसे पहचान पत्र साथ ले जाने की सलाह दी गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माइग्रेशन सर्टिफिकेट वर्ष 2023 व अनुक्रमांक 210011141053 जो महात्मा ज्योतिबा विश्वविद्यालय से जारी हुआ था। वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शेरसिंह पुत्र श्री लोकी राम ग्राम रम्पुरा जाटान मजरा सिमरिया मीरगंज, बरेली**

इंटरमीडिएट भौतिक विज्ञान के पेपर में उलझे विद्यार्थी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा में शुक्रवार को कक्षा दसवीं में प्रथम पाली में हुई गणित और द्वितीय पाली में हुए इंटर की भौतिक विज्ञान के पेपर में अधिकांश विद्यार्थी तमाम प्रश्नों, न्यूमेरिकल में उलझे रहे।

शुक्रवार को द्वितीय पाली में दो बजे से 5.15 तक हुए 12वीं के फिजिक्स के पेपर ने छात्रों की गति और कॉन्सेप्ट दोनों की परीक्षा ली। परीक्षार्थियों के अनुसार प्रश्न पत्र में आए सवाल सिलेबस के दायरे में थे लेकिन प्रश्नपत्र में न्यूमेरिकल व डेरिवेशन की अधिकता के कारण अधिकांश छात्रों को समय प्रबंधन में जूझना पड़ा। वही प्रथम पाली 8.30 बजे से 11.45 बजे तक हुई दसवीं की गणित परीक्षा में भी विद्यार्थी गणित के कई प्रश्नों में उलझे रहे।

गोला में परीक्षा देकर कॉलेज से निकलते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

पेपर देकर निकले परीक्षार्थियों के अनुसार प्रश्न पत्र में आए डेरिवेशन एनसीईआरटी से थे, तैयारी करने वालों को फायदा मिला।

सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के भौतिक शास्त्र के अध्यापक महेश्वर दयाल बाजपेई, अंकित दीक्षित के अनुसार प्रश्नपत्र संतुलित और रहा। फिजिक्स के पेपर ने न्यूमेरिकल क्षमता और

- **पहली पाली में दसवीं और द्वितीय पाली में इटर की परीक्षा संपन्न**

हायर ऑर्डर थिंकिंग को परखा। औसत छात्रों के लिए प्रश्न पत्र जरूर चुनौती पूर्ण रहा। हाईस्कूल के छात्र अविचल अवस्थी कहा कि मैथ्स के पेपर को लेकर पहले से ही डर लग रहा था। पेपर का पहला भाग कुछ आसान रहा। वहीं अंतिम भाग के कुछ प्रश्नों ने उलझा दिया, लेकिन उनका उत्तर सोच समझकर दिया है। गौरव पाल ने बताया कि गणित के कुछ सवालों को हल करने में समय लगा। कुछ सवाल ऐसे थे, जिनकी तैयारी नहीं की थी। कुछ सवालों के सूत्र समझ में नहीं आए। फिर भी अच्छे अंक आने की संभावना है।

न्यूमेरिकल्स और डेरिवेसन के सवालों को लेकर उलझन रही। थ्योरी हिस्सा न्यूमेरिकल की अपेक्षाकृत आसान था। अनसोल्वड पेपर सॉल्व किया था, जिससे काफी मदद मिली। अच्छे अंक आने की उम्मीद है। **-अंश मुड़ावल** छात्र इंटर।

आज लास्ट पेपर था। अच्छे ढंग से तैयारी की थी। न्यूमेरिकल्स हल करने में काफी समय लगा। प्रश्न पत्र में ज्यादातर सवाल सीधे नहीं थे। एनसीईआरटी सिलेबस बेस्ड क्वेश्चन पेपर होने के चलते कुछ प्रश्न कठिन थे। **-अर्पित शुक्ला** छात्र इंटरमीडिएट।

लघु उत्तरीय प्रश्न तो ठीक रहे, लेकिन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में घुमावदार पूछे गए सवालों ने परेशानी बढ़ा दी। सभी प्रश्नों के उत्तर लिखे हैं। नंबर भी अच्छे ही आएंगे। कंप्यूटर विषय के अंतिम पेपर की तैयारी में लगेंगे। **-नैतिक वर्मा** छात्र इंटरमीडिएट।

हमारा इंटर का अंतिम पेपर था। फिजिक्स का पेपर होना था तो पहले से ही लग रहा था पेपर हार्ड ही आएगा। अच्छे से न्यूमेरिकल्स का रिवीजन किए थे, जिससे पेपर हल करने में काफी मदद मिली। **-अमन त्रिवेदी** छात्र इंटर।

2 मार्च को अर्ध रात्रि में होगा होलिका दहन, 3 को चंद्र ग्रहण

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः फाल्गुन पूर्णिमा, होलिका दहन और रंगोत्सव को लेकर राम जानकी मंदिर के पुजारी ने शास्त्रीय गणना के आधार पर जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष पर्व के दौरान चंद्र ग्रहण का प्रभाव होने के चलते तिथियों और मुहूर्त में बदलाव हुआ है, जिसके चलते होलिका दहन सोमवार 2 मार्च को आधी रात किया जाएगा, दूसरे दिन ग्रहण के चलते सूतक रहेगा। इसलिए रंग बुधवार 4 मार्च को खेला जाएगा।

हरिप्रसाद भट्ट।

पुजारी पंडित हरिप्रसाद भट्ट ने बताया कि होलिका दहन का शुभ मुहूर्त दो मार्च को प्रातः 7.24 बजे से भद्रा लग जाएगी। सायं 5.18 बजे से होलिका पूजन, होलिका दहन भद्रा दोष के बाद रात्रि 11.53 बजे से 12.50 बजे के मध्य होगा। 3 मार्च मंगलवार को चंद्र ग्रहण लगने के कारण मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे।

बताया कि सूतक काल मंगलवार को प्रातः 9 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। प्रातः 8.40 बजे तक ही भगवान का भोग एवं दर्शन कर सकते हैं। मंगलवार सायं 6.48 बजे मोक्ष होगा। चार मार्च बुधवार को रंगोत्सव होगा। ग्रहण के प्रभाव के चलते सूतक काल में रंग खेलना शास्त्र सम्मत नहीं है, इसलिए बुधवार को ही पूरे हर्षोल्लास के साथ रंग खेला जाना उचित है।

सूचना

मैंने अपने भाई दीपक उर्फ जगदीश गुप्ता उसकी पत्नी किरन गुप्ता, भाई राजा गुप्ता, आकाश गुप्ता, बहनोई ब्रजेश गुप्ता व बहन लक्ष्मी गुप्ता के दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर दिया है। उपरोक्त सभी लोग अपने कृत्यों, लेन-देन के स्वयं जिम्मेदार होंगे, मेरा वास्ता नहीं होगा। **राखी गुप्ता पत्नी रामनिवास गुप्ता पुत्री स्वर्गीय होरीलाल निवासी मोहल्ला ब्रह्मनान थाना व कस्बा शेरगढ़, बरेली।**

सूचना

मैं अपनी पुत्रवधू मनता देवी पत्नी डवेश्वर तथा पौत्र राजू व अंकित पुत्रगण डवेश्वर के गलत आचरण एवं व्यवहार के चलते उन्हें अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उनके किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। **करन पुत्र झम्मन ग्राम कलीनगला पो. सबदलपुर फरीदपुर (बरेली)**

सूचना

सूचित किया जाता है कि अनुराधा सिहं पत्नी JC-880397K Rank NB/SUB Name Raj Pal Singh के सर्विस रिकार्ड में मेरी जन्मतिथि भूलवश 12.11.1983 दर्ज हो गई है जबकि मेरी वास्तविक जन्मतिथि 15.11.1983 है। अनुराधा सिंह पत्नी राज पाल सिंह निवासी चांदपुर चुबकिया तह. बहेड़ी जिला बरेली- 243203

आवश्यकता है

प्राचार्य / असि. प्रो. एलएल.बी. व बी.ए. एलएल.बी. विधि, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी व इतिहास विषयों के लिए। इच्छुक अभ्यर्थी 7 दिन के अन्दर अपने सम्पूर्ण शैक्षिक अभिलेखों सहित बायोडाटा भेजें।
योग्यता व वेतन UGC मानकानुसार।
E-mail: lbslaw50@gmail.com
एल.वी. एस. कॉलेज ऑफ लॉ
नवाबगंज (बरेली) मो. नं. 9412360790

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पलिया चीनी मिल ने भेजी मिल बंदी की सूचना

पलिया कलां, अमृत विचारः बजाज शुगर मिल ने प्रथम मिल बंदी सूचना 2 मार्च 2026 सहकारी गन्ना विकास समिति को भेज दी है। चीनी मिल के यूनिट हेड ओ पी चौहान ने बताया कि क्षेत्र के कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना समाप्त हो गया है ,जिस कारण चीनी मिल को अब मांग के अनुसार गन्ना उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे मिल का पेराई कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने क्षेत्र के किसानों से अनुरोध किया है कि वे 2 मार्च तक अपना गन्ना चीनी मिल को आपूर्ति कर दे।

आवश्यकता है
- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

जिला अस्पताल में शुरू होगा डे केयर कैंसर सेंटर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कैंसर रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला अस्पताल में डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शीघ्र ही कैंसर मरीजों को यह विशेष सुविधा अपने ही जिले में उपलब्ध होने लगेगी।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरके कोली ने शुक्रवार को डे केयर कैंसर सेंटर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश पर इस सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए सीएमएस डॉ. संतोष गुप्ता ने भी एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के तहत एक टीम भेजी थी, जिसमें शामिल कार्यक्रम के एपिडेमियोलॉजिस्ट

डे केयर सेंटर में स्थापित किए गए बेड। ● अमृत विचार

डॉ. राकेश गुप्ता ने भी सेंटर की व्यवस्थाओं को देखा था।

उन्होंने बताया कि डे केयर कैंसर सेंटर प्रारंभिक रूप से छह बेड का होगा और यहां कैंसर रोगियों को उच्चीकृत आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अब कीमोथेरेपी व बायोप्सी कैंसर जांच जैसी सेवाएं भी इसी सेंटर पर मिलनी शुरू हो जाएगी, जिसकी तैयारियां शासन के निर्देश पर शुरू कर दी गई हैं। सीएमएस ने बताया कि यह डे केयर कैंसर सेंटर जनपद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा, जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को समय पर उपचार, कम खर्च और बेहतर सुविधा अपने ही जिले में मिल सकेगी। इसका लाभ जनपद की बड़ी आबादी को मिलेगा।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के तहत स्थापित किए जा रहे इस डे केयर कैंसर सेंटर को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए चिकित्सकों एवं

- **कीमोथेरेपी व बायोप्सी कैंसर जांच जैसी सुविधाएं भी इसी सेंटर पर मिलने लगेंगी**
- **सीएमएस ने तैयारियों का लिया जायजा, एपिडेमियोलॉजिस्ट ने भी देखी व्यवस्था**

पैरामेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ हो चुका है। शासन स्तर से डॉ. शिशिर पांडेय, डॉ विवेक यादव एवं डॉ. रचित मिश्रा को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही स्टाफ नर्स नीरज कुमार, सर्वेश कुमार एवं वर्षा सिंह को भी राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होते ही यह सेवा जनपद में शुरू कर दी जाएगी। डे केयर कैंसर सेंटर में कैंसर की प्रारंभिक जांच, कीमोथेरेपी, बेहोशी की दवा देकर की जाने वाली जांचें, बायोप्सी, छोटे ट्यूमर की सर्जरी के लिए तैयारी एवं संदर्भन, फॉलोअप सेवाएं, परामर्श, दर्द प्रबंधन, आवश्यक जांचें तथा अन्य सहायक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रधानाचार्य स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय प्रोफेसर डॉ. वाणी गुप्ता ने बताया कि डे कैंसर केयर सेंटर में शुरुआती चरण के कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी सहित आवश्यक परामर्श और देखभाल की सुविधा दी जाएगी अभी तक मरीजों को लखनऊ व दिल्ली का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती थी। नई व्यवस्था से न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि उनके परिजनों को भी सुविधा होगी। अस्पताल में आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था कर ली गई है। इस सेंटर के शुरू होने से जनपद की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा।

मधुमक्खी भगाने के लिए जलाई आग से लगी आग

केशवपुर, अमृत विचार: ब्लाक सदर के खेतौसा गांव में रामदास पुत्र गोकर्ण प्रसाद के कमरे में मधुमक्खी भगाने के लिये किये गए धुयें से लगी आग में दुकान और घर गृहस्थी का काफी सामान जलकर राख हो गया। आग से घर मे रखा सामान जलकर राख हो गया।

मां-बेटी ने खाया जहर, फिर फांसी लगाकर दी जान

दूसरी बेटी फर्श पर तड़पती मिली, बेटे की मौत से सदमे में था परिवार

संवाददाता, संसारपुर (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचारः थाना मैलानी की पुलिस चौकी संसारपुर क्षेत्र के गांव काकोरी में शुक्रवार सुबह पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद महिला और छोटी बेटी ने फांसी लगा ली, जिससे दोनों की मौत हो गई। बड़ी बेटी गंभीर हालत में तड़पती मिली, जिसका इलाज जिला अस्पताल लखीमपुर में चल रहा है।

गांव काकोरी निवासी विजेंद्र कुमार शर्मा शुक्रवार सुबह अपने पुत्र आशीष कुमार के साथ किसी कार्य से घर से बाहर गए थे। घर पर उनकी पत्नी फूलकुमारी (52),

फूल कुमारी।

मृतका निमिषा।

● **बड़ी बेटी का गंभीर हालत में जिला अस्पताल में चल रहा इलाज**

बड़ी बेटी कंचन (23) और छोटी बेटी निमिषा (20) मौजूद थीं। इसी दौरान तीनों ने घर में रखा कीटनाशक पदार्थ सेवन कर लिया। बताया जा रहा है कि इसके बाद फूल कुमारी और निमिषा ने कमरे में फांसी लगा ली, जबकि कंचन गंभीर अवस्था में जमीन पर पड़ी मिली। परिजन तीनों को तत्काल निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला ले गए, जहां चिकित्सकों ने फूल कुमारी और निमिषा को मृत घोषित कर दिया।

> तीन महिलाओं के आत्महत्या करने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी और अस्पताल भेजा, जहां दो को मृत घोषित कर दिया गया। जांच में पता चला है कि मृतका फूल कुमारी के बेटे की दो महीने पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इससे परिवार सदमे में था। इसके अलावा भी अन्य तथ्यों पर पुलिस जांच कर रही है।
>
> –अमित राय एएसपी।

कंचन की हालत नाजुक होने पर उसे एंबुलेंस से ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर किया गया। सूचना मिलते ही गोला कोतवाली व मैलानी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूछताछ के बाद दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते हैं कि परिवार पहले से ही सदमे में था। 4 दिसंबर 2025 को बड़े बेटे पवन की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से परिवार मानसिक तनाव में था। बहू के साथ पारिवारिक विवाद की बातें भी सामने आ रही हैं।

मां-बेटी की मौत से दहला काकोरी गांव, पसरा सन्नाटा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में मौजूद मैलानी और कोतवाली पुलिस।

रोते-बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचारः मैलानी थाना क्षेत्र के काकोरी गांव में मां-बेटी की मौत की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन इसके पीछे बीते दो महीनों से चला आ रहा पारिवारिक तनाव और गहरा सदमा प्रमुख कारण माना जा रहा है।

परिवार पर दुःखों का पहाड़ तब टूटा था, जब 4 दिसंबर को सड़क हादसे में घर के बड़े बेटे पवन की मौत हो गई थी। जवान बेटे की असमय मृत्यु से मां फूलकुमारी गहरे सदमे में थीं। ग्रामीणों के अनुसार, बेटे की मौत के बाद वह पहले की तरह सक्रिय नहीं रहीं और अक्सर चुपचाप रहती थीं। परिवार के अन्य सदस्य भी मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। बताया जा रहा है कि बेटे की मौत के बाद उसकी पत्नी बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहती थी, जिसे लेकर घर में कहासुनी होती रहती थी।

घटना से एक दिन पहले मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ था। परिजनों के मुताबिक, नाराजगी में बेटियों के मोबाइल फोन अलग रख दिए गए थे, जिससे घर का माहौल और तनावपूर्ण हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि बड़ी बेटी कंचन

● **फांसी लगने से हुई मां-बेटी की मौत, जहर की नहीं हुई पुष्टि**

की शादी तीन महीने बाद तय थी और घर में तैयारियों की चर्चा चल रही थी। लेकिन भीतर ही भीतर बढ़ते तनाव ने खुशियों पर पानी फेर दिया। किसी को अंदाजा नहीं था कि हालात इतना गंभीर रूप ले लेंगे। घटना वाले दिन फूलकुमारी दोनों बेटियों को लेकर सामने बने खाली मकान में चली गईं। वहां तीनों अचेत अवस्था में मिलीं।

अस्पताल ले जाने पर मां और एक बेटी को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बड़ी बेटी कंचन की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। गांव में मातम का माहौल है। एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत और एक की जिंदगी के लिए जारी संघर्ष ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में27 एलकेएच 17 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में मौजूद मैलानी और कोतवाली पुलिस। फांसी लगने से मौत होने की बात आई है। किसी जहरीले पदार्थ का सेवन करने की पुष्टि नहीं हुई है। चौकी प्रभारी संसारपुर जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पुलिस पारिवारिक कलह, मानसिक अवसाद और अन्य संभावित कारणों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

मैं, राम प्रकाश अग्रवाल, पुत्र स्वर्गीय श्री जगदीश सरन, निवासी 146/111 सिविललाइन्स, बरेली 243001, वर्तमान आयु लगभग 92 वर्ष, यह घोषित करता हूँ कि मैं अपने वयस्क जीवन के प्रारंभ से ही राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल के नाम से भी जाना, पुकारा एवं संबोधित किया जाता रहा हूँ।

मैंने वर्ष 1995 में पंजाब नेशनल बैंक, प्रीत विहार, दिल्ली 110092 में एक बचत बैंक खाता (वर्तमान खाता संख्या 1399000100190508) राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल के नाम से खुलवाया था, जब मैं अपनी पुत्री (नूपुर) एवं दामाद (अनिल कुमार गुप्ता), जो 59, 11वीं मंजिल, चित्रा विहार, दिल्ली 110092 के निवासी हैं, के साथ रह रहा था।

उक्त बैंक खाते का उपयोग मैंने विभिन्न कंपनियों (जैसे आईएसजीईसी हेवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, ग्रेफाइट इंडिया लिमिटेड आदि) के शेयर/स्टॉक्स में निवेश के लिए किया तथा उनसे प्राप्त लाभांश एवं ब्याज की राशि उसी खाते में जमा होती रही।

हालाँकि, मेरे दस्तावेज जैसे आधार कार्ड (संख्या 5946 9813 6216) एवं पैन कार्ड (संख्या AGOPA7628L), जो सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से जारी किए गए हैं, मेरे प्रथम नाम ''राम प्रकाश अग्रवाल'' के नाम से हैं।

अतः राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल एवं राम प्रकाश अग्रवाल दोनों नाम मेरे ही हैं और मैं दोनों नामों से एक ही व्यक्ति हूँ, सभी कानूनी एवं वित्तीय उद्देश्यों के लिए।

(राम/राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल)

कार्यालय ग्राम पंचायत टिसुआ वि.खं. भुता, बरेली

पत्रांक- 132/लेखा/निविदा/वर्ष 2025-26 दिनांक: 25.02.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम टिसुआ में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में प्रेमबाबू के घर से इन्द्रपाल के प्लाट तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य होना है। जिसकी अनुमानित लागत 3.96 लाख रूपये है। इच्छुक फर्म सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, रेता, प्रथम ईट, रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जाती है। समस्त निविदा दिनांक 05.03.2026 तक कार्यालय ग्राम पंचायत में सीधे अथवा डाक द्वारा जमा कर सकते हैं, जिन्हें उसी दिन शाम 4 बजे खोला जायेगा। जिस फर्म का टेंडर सबसे कम दर का होगा। ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा।

श्री बुद्धपाल (ग्राम प्रधान) **श्री राजीव कुमार (सचिव)**

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बजीरगंज (बदायू)

पत्रांक- कृ.उ.म.स./2026/309 दिनांक: 27.02.2026

कैन्टीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल बजीरगंज में स्थित एक नग कैन्टीन ठेके पर वित्तीय वर्ष 2026-27 दिनांक (01.04.2026 से 31.03.2028) हेतु नीलामी दिनांक 24.03.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति, बजीरगंज (बदायूं) में की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता रू. 12500.00 ''**सचिव कृषि उत्पादन मण्डी समिति बजीरगंज**'' के पक्ष में देय बैंक गारण्टी/एफ.डी.आर. आवेदन फॉर्म के साथ संलग्न कर दिनांक 23.03.2026 तक कार्यालय में जमा कर बोली में भाग ले सकते है। नीलामी की शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है।

सचिव **सभापति**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांकः 1251/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 12.02.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरो पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई–निविदा दिनांक 05.03.2026 से दिनांक 13.03..2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 13.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लगत: सिविल कार्य की लागत (रू0लाख में)	लगत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0लाख में)	लगत: कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	वित्तीय वर्ष 2025–26 में नवनिर्माण योजनान्तर्गत (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)								
1	जनपद बरेली में ग्राम बिथरी में आश्रम होते हुए शिव मन्दिर तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	248.80	16.00	264.80	15.24	2725.00	06 माह	ए (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-247090 दिनांक 26.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय सहायक अभियन्ता

प्रथम उपखण्ड, बनबसाहैड वर्क्स खण्ड,शारदा नहर, बरेली

''सार्वजनिक नीलामी सूचना''

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 के नियंत्रणाधीन हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के अन्तर्गत प्रथम उपखण्ड, बनबसा में स्थित विभागीय पार्किंग स्थल की नीलामी 02 वर्षो हेतु दिनांक 06.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे प्रथम उपखण्ड, बनबसा कार्यालय प्रांगण में की जायेगी ।

क्रमांक	नीलामी का विवरण	क्षेत्रफल	जमानत राशि
1.	कैनाल परिक्षेत्र में स्थित विभागीय पार्किंग स्थल	8250.00 वर्ग मी0	50,000.00

नीलामी की सक्षिप्त शर्ते

नीलामी में भाग लेने से पूर्व पार्किंग के सामने अंकित धनराशि की एफ0डी0आर0 बतौर जमानत जो कि अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के नाम बन्धक होगी, जमा करके टोकन प्राप्त करना होगा, केवल टोकन धारक ही नीलामी में भाग ले सकेगें।

प्रथम उपखण्ड, बनबसा के कार्यालय में दिनांक 06.03.2026 को अपराहन 12.00 बजे तक टोकन प्राप्त किये जा सकेगें इस समय के उपरान्त कोई टोकन नहीं दिया जायेगा ।

नीलामी में भाग लेने वाले प्रत्येक बोलीदाता को 10 रूपये का स्टाम्प पेपर पर नीलामी की शर्ते के स्वीकार होने की लिखित सहमति देनी होगी। जो कि विभाग में टोकन प्राप्त करते समय जमा करनी होगी।

नीलामी हेतु टोकन प्राप्त करने के लिए पहचान–पत्र भी प्रस्तुत करना होगा तथा कार्यालय प्रागंण में नीलामी प्रक्रिया के दौरान टोकन प्राप्त नीलामी लेने वाले व्यक्ति ही उपस्थित रह सकेगें।

सर्वोच्च बोली बोलने वाले को नीलामी बोली की समस्त धनराशि 07 दिवस के भीतर जमा करना होगा एवं उस पर देय समस्त कर तथा स्टाम्प पेपर 15 दिवस के अन्दर जमा करने होगे तभी नीलामी की स्वीकृति एवं कार्य शुरू कराये जाने की अनुमति दी जायेगी। ऐसा न करने पर उसके द्वारा जमा जमानत धनराशि राजकीय हित में जब्त कर ली जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली को बिना कारण बताये नीलामी को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

नीलामी की अवधि 02 वर्ष की होगी।

नीलामी क्रेता/ठेकेदार द्वारा पार्किंग में खड़े वाहनों से निम्नानुसार निर्धारित शुल्क की वसूली की जायेगी। निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क वसूल किये जाने पर नीलामी निरस्त कर दी जायेगी तथा नीलामी क्रेता द्वारा जमा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी।

क्र0सं0	वाहन का प्रकार	दर
1	चार पाहिया वाहन	25.00 (12 घन्टे की अवधि तक) 50.00 (24 घन्टे की अवधि के लिए)
2	बस	100.00 (24 घन्टे की अवधि के लिए)

नीलामी की अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

इस कार्य दिवस में अवकाश घोषित होने की दशा में नीलामी अगले कार्य दिवस में की जायेगी।

जिस व्यक्ति/ठेकेदार का सिंचाई विभाग में सम्पत्ति के संबंध में न्यायालय में कोई वाद विचाराधीन हो तो उस व्यक्ति/ठेकेदार को नीलामी में भाग लेने की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

किसी भी प्रकार का मतभेद होने पर अधिशासी अभियन्ता, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।

सहायक अभियन्ता
प्रथम उपखण्ड, बनबसा
हैड वर्क्स खण्ड,शारदा नहर, बरेली

UP-247061 दिनांक 26.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

तीन गोवंश बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

खीरी टाउन, अमृत विचारः एसओ निराला तिवारी ने बताया कि मोहल्ला जोशी टोला निवासी हसीन के घर में गोवंश को काटे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने घर को चारो ओर से घेर लिया और अंदर मौजूद लोगों को पकड़ कर उनसे पूछताछ की।

इसके बाद घर की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि तलाशी के दौरान किसी प्रकार के गोवंश के अवशेष बरामद नहीं हुए, लेकिन तीन गोवंश को बरामद किया गया है। मौके से हसीन और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

दूसरे दिन भी डॉग स्क्वायड के साथ टीम ली तलाशी

सर्च अभियान के दौरान लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

गांव में खोजी डॉग के साथ एसएसबी की टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी औरंगाबाद के गांव जहाननगर के लापता कालीचरण की तलाश दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार को सीओ मितौली के नेतृत्व में एसएसबी के प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड के साथ फोरेंसिक टीमों ने पूरे दिन आसपास के खेतों और संदिग्ध मकानों में सर्च अभियान चलाया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं आई।

गांव जहाननगर निवासी

● **एसएसबी के प्रशिक्षित डॉग के साथ खंगाल रहे खेत और संदिग्ध मकान**

कालीचरण (48) 12 फरवरी की रात संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने एक महिला पर घर बुलाने का आरोप लगाते हुए डीएम और एसपी को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच की मांग की थी। शुक्रवार को दूसरे दिन सीओ मितौली यादवेंद्र सिंह एसएसबी लखीमपुर के प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंचे और संदिग्ध स्थानों पर व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चलाया।

प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड की मदद से आसपास के खेतों, बागों, झाड़ियों और सुनसान स्थानों की बारीकी से जांच की गई। इसके साथ ही फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और संभावित साक्ष्यों को जुटाने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने गांव के आसपास के कई चिन्हित स्थलों को खंगाला। चौकी प्रभारी सुनील तिवारी पुलिस बल के साथ लगातार मौके पर डटे रहे। तलाशी के दौरान कालीचरण के परिजन भी मौजूद रहे और उन्होंने पुलिस को संभावित स्थानों की जानकारी दी। सीओ का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और हर पहलू की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

रंजिश में युवक पर बेल्ट व बांके से हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः गांव सरखनपुर निवासी कलीम ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब 5:30 बजे फतेपुर के पास रत्ता सराय स्थित शराब ठेके के निकट राज वर्मा व तीन अन्य अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि चारों लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज शुरू कर दी और बेल्ट से मारपीट की। इसी दौरान आरोपियों में से एक ने बांके से वार कर दिया, जो उसके सिर पर लगा। हमले में कलीम गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग निकले। घायल कलीम ने कोतवाली सदर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया घायल को जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रकरण की जांच एसआई संचित यादव को सौंपी गई है।

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बजीरगंज (बदायू)

पत्रांक- कृ.उ.म.स./सफाई/2026/308 दिनांक: 27.02.2026

सफाई निविदा आमंत्रण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल, बजीरगंज (बदायूं) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की दैनिक सफाई कार्य निविदायें Gem Portal के माध्यम से दिनांक 21.03.2026 के सायं 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 24.03.2026 को खोली जायेगी। साफ-सफाई के लिये नियम एवं शर्तो के अधीन इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था इस निविदा में भाग ले सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति/ फर्म / संस्था किसी भी कार्य दिवस में नियम/शर्तो एवं उपरोक्त के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी कार्यालय मण्डी समिति बजीरगंज (बदायूं) से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रभाव यादव
सचिव

राशि कृष्णा
उपजिलाधिकारी बिसौली/सभापति

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बरेली

पत्रांक : 3665-73/व्यवस्थापन/बरेली/2026-27 दिनांक : फरवरी 27, 2026

अति आवश्यक सूचना

आबकारी विभाग के समस्त फुटकर अनुज्ञापियों तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि :-

जिन दुकानों के अनुज्ञापियों द्वारा नवीनीकरण हेतु आवेदन किया गया है, उन्हें निर्देशित किया जाता है कि वे नवीनीकरण फीस तथा बेसिक लाईसेंस फीस/लाईसेंस फीस की 50 प्रतिशत धनराशि तीन बैंक कार्य दिवस के अन्दर दिनांक 05.03.2026 की सायं 05:00 बजे तक जमा कराना सुनिश्चित करें।

नवीनीकरण हेतु अनुमन्य दुकानों की सूची जनपद की एन.आई.सी. पोर्टल https://bareilly.nic.in ई-लाटरी पोर्टल https://exciseelotteryup.upsdc.gov.in पर तथा कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बरेली के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

अन्य विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बरेली के क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक से सम्पर्क किया जा सकता है।

(हुकुम सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी, बरेली

कार्यालय उपजिलाधिकारी तहसील फरीदपुर (बरेली)

पत्रांक : 247/उप.फ./कु.2025-26 दिनांक : 24.02.2026

कुटेशन सूचना

एतद् द्वारा समस्त पंजीकृत फर्मो व अन्य को सूचित किया जाता है कि तहसील फरीदपुर जिला बरेली को वर्ष 2025-2026 में प्राप्त धनराशि से निम्नांकित कार्यो हेतु मुहरबन्द कुटेशन दिनांक 09.03.2026 को समय अपरान्ह 12:00 बजे तक कार्यालय उपजिलाधिकारी तहसील फरीदपुर जिला बरेली में नजारत में लिपिक पटल पर आमंत्रित किये जाते है। प्राप्त कुटेशनों को उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे कार्यालय उपजिलाधिकारी तहसील फरीदपुर जिला बरेली कुटेशनदाताओं/ठेकेदारों की उपस्थिति में तहसीलदार/उपजिलाधिकारी तहसील फरीदपुर जिला बरेली के समक्ष खोला जायेगा। कुटेशनों को बिना कोई कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार तहसीलदार/उपजिलाधिकारी फरीदपुर, तहसील फरीदपुर जिला बरेली में निहित होगा। अन्य नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में मालूम की जा सकती है। कार्यो का विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि+ (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य अवधि
1.	तहसील परिसर के मीटिंग हॉल में पी.वी. सी. पैनल का कार्य पूर्वी व पश्चिमी साईड	82552.00	01 माह
2.	तहसील परिसर में मीटिंग हाल में पी.वी.सी. पैनल का कार्य उत्तरी व दक्षिणी साईड	83552.00	01 माह
3.	तहसील परिसर के प्रथम तल पर पुताई का कार्य	84150.00	01 माह
4.	तहसील परिसर के प्रथम तल पर पुट्टी का कार्य	54050.00	01 माह

उक्त कार्यो के विस्तृत आगणन कार्यालय में किसी भी दिन कार्य दिवस में देखे जा सकते है।

तहसीलदार
फरीदपुर (बरेली)

उपजिलाधिकारी
फरीदपुर (बरेली)

महिला को ईटों भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने रौंदा

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचारः हैदराबाद थाना क्षेत्र की अज़ान चौकी के स्थानीय कस्बे में होली के त्योहार के लिए बच्चों के कपड़े लेने जा रहे एक साइकिल सवार दम्पति को ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद गम्भीर घायल प्रेमा देवी को अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अज़ान चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस आने में देरी होने पर पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल महिला को ई रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव वनबघेल निवासी सुधीर कुमार अपनी पत्नी प्रेमा देवी (34) बेटे सत्यम (12) के साथ साइकिल से अजान कस्बे में होली को

● **अस्पताल ले जाते समय हुई मौत, बच्चों के कपड़े खरीदने आई थी महिला**

लेकर बच्चों के कपड़े लेने आया था। कस्बे में वह अपनी पत्नी बच्चे के साथ सड़क किनारे चल रहा था तभी पीछे से आ रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने साइकिल सवार दम्पति को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे साइकिल सवार महिला प्रेमा देवी सड़क पर जा गिरी। इस दौरान ट्रॉली का पहिया प्रेमा देवी के हाथ पैर पर चढ़ गया।

हादसे के बाद प्रेमा देवी को ट्रॉली के पहिए से लोगों ने बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची अजान चौकी पुलिस ने एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन एम्बुलेंस को देर से आता देख मार्केट के लोगों व पुलिस ने घायल प्रेमा देवी को ई-रिक्शा से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेजा, जहां डॉक्टरों ने प्रेमा देवी को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पति सुधीर कुमार व 12 बर्षीय बेटा बाल-बाल बच गया। ट्रैक्टर चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपने साथ चौकी ले गई। हादसे के बाद घायल प्रेमा देवी के पति व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह वाहन छोड़कर मौके से भाग गया। लोगों ने बताया कि दुर्घटना करने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली राजा ईंट भट्ठे की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस सम्बन्ध में अजान चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि घटना में घायल महिला की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई है। अग्रिम कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खेत में मिला अधेड़ का शव, मचा हड़कंप

धौरहरा, अमृत विचारः धौरहरा थाना क्षेत्र के गांव मैला कलुआपुर में गुरुवार की शाम से लापता एक अधेड़ का शव शुक्रवार सुबह खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

गांव मैला कलुआपुर निवासी मदनमोहन राजपूत (45) गुरुवार शाम घर से बिना बताए निकल गए थे। परिजनों के अनुसार देर रात तक उनके न लौटने पर चिंता बढ़ी और परिवार के लोगों ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। शुक्रवार सुबह गांव के बाहर एक खेत में उनका शव पड़ा मिला। खेत की ओर गए ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो उन्होंने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। मृतक के बेटे नीरज राजपूत ने बताया कि उनके पिता को नशे की लत थी। आशंका जताई जा रही है कि नशे की हालत में गिरने से उनकी मौत हुई हो। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। थाना प्रभारी रविन्द्र सोनकर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतक के नशे का आदी होने की जानकारी मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन से पुलिस करेगी निगरानी

कुकरा कसबे में ड्रोन कैमरे से हो रही निगरानी। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचारः थाना मैलानी क्षेत्र की पुलिस चौकी कुकरा में शुक्रवार को थाना प्रभारी ने पीस कमेटी की बैठक कर दोनों समुदाय के नागरिकों व धर्म गुरुओं के साथ समीक्षा की। सुझाव लेकर सभी संबंधितों को निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक मैलानी बृजेश कुमार मौर्य व नायब तहसीलदार ताहिर परवेज ने कहा कि रमजान का महीना चल रहा है। इसी माह में होली का पर्व है। सभी लोग त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मिलजुल कर मनाएं। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। चौकी प्रभारी कुकरा अवलीश कुमार पवार ने कहा कि होली पूर्व नियत स्थानों पर ही रखी जाएगी ,इसलिए कोई नया स्थान न बनाया जाए। कहा कि रंग के समय तक सभी व्यापारी मार्केट में दुकानें बंद रखेंगे। पुलिस ड्रोन कैमरों से भी निगरानी करेगी। बैठक के बाद पुलिस ने ड्रोन उड़ाकर निगरानी भी की।

न्यूज ब्रीफ

अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : सेवानिवृत वरिष्ठ आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी का मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में लगातार चौथी बार एक साल और कार्यकाल बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अवनीश अवस्थी भी सिंगापुर और जापान दौरे गए हुए थे और शुक्रवार को ही लौटे हैं। अवनीश अवस्थी फरवरी 2022 में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत होने के बाद ही उन्हें मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके बाद उनका कार्यकाल लगातार बढ़ता रहा है। अब तक उनका चार बार बढ़ चुका है। 1987 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी का जन्म 19 अगस्त 1962 में हुआ था। आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक हैं। वह गृह सचिव, सूचना विभाग के प्रमुख और यूपी एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के सीईओ भी रह चुके हैं।

हर्बल गुलाल संग 'लखपति दीदी' अभियान को रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला स्वावलंबन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से होली पर राज्यव्यापी विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिससे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं की आय बढ़ेगी। एसएचजी ग्रुप की दीदियां हर्बल गुलाल, पापड़, चिप्स, मिठाइयां, अगरबत्ती व अन्य हस्तशिल्प उत्पाद तैयार कर रही हैं। पलाश के फूल, चुकंदर और गेंदे से बना केमिकल-फ्री गुलाल "स्वस्थ होली–सुरक्षित होली" का संदेश दे रहा है। सभी जिलों में सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जा रहे हैं और ई–सरस समेत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था की जा रही है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण महिलाओं को "लखपति दीदी" लक्ष्य से जोड़ने की दिशा में अहम कदम है।

10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' संपन्न

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' के अंतिम दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अतिका वर्मा ने प्रथम, कशिश चौधरी ने द्वितीय और कुलदीप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रिया तिवारी और ऋचा मेहरोत्रा को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित कर उनकी रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रम युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसका उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को प्रदेश की समृद्ध विरासत और परंपराओं से जोड़कर उनमें गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कौशल विकास मिशन का छह संस्थाओं से एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करने की दिशा में लगातार पहल कर रही है। लखनऊ स्थित मिशन मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में नॉन–फाइनेंशियल एमओयू साइन किए गए। यह पहल व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई मिशन निदेशक ने बताया कि भारतेंदु नाट्य अकादमी के सहयोग से युवाओं को मंच कौशल और संवाद क्षमता का प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि ओरैकल द्वारा विकसित ऑनलाइन कोर्स मिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

आयकर विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाया तो लपेटे में आ सकते हैं कई दिग्गज नेता

- बसपा विधायक के यहां तीसरे दिन भी जारी रही आयकर टीम की कार्रवाई
- छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के आफिस में मिली संपत्ति का हिसाब लगाते रहे अफसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित कंपनी के आफिस पर आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही। पूरे दिन अधिकारी बरामद नकदी, जेवर और जमीन और प्लाटों के दस्तावेज, लूज शीट, रसीदें आदि के जरिए कथित टैक्स चोरी की हिसाब किताब लगाते रहे। उधर सूत्रों का दावा है कि मिले दस्तावेजों से साफ हो रहा है कि विधायक के बसपा के साथ ही भाजपा और सपा के नेताओं से भी संबंध थे। साथ ही विभागों के आला अफसरों से सांठगांठ कर टेंडर प्राप्त किए जाते थे। अब आशंका इस बात की है कि यदि आयकर विभाग की टीमों ने जांच में विस्तार किया तो कई दिग्गज नेता भी दायरे में आ सकते हैं।

बलिया के रसड़ा से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर बुधवार को सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। इसके साथ ही बलिया, सोनभद्र और कौशांबी समेत विधायक से जुड़ी कंपनियों और कई लोगों के यहां भी कार्रवाई जारी है। दावा है कि इस कार्रवाई में करीब 10 करोड़ की संपत्ति के साथ ही जेवर और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, लूज सीट, डायरां, हाथ से लिखे हिसाब, टेंडर भुगतान के कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। हालांकि आयकर विभाग ने इस बारे में को छापे की जड़ में उमाशंकर सिंह द्वारा बनाई गई सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी बताई जा रही है।

कंपनी की स्थापना उमाशंकर सिंह ने जनवरी 2009 में की थी। पहले वह खुद ही इसके निदेशक थे, लेकिन बाद में पत्नी को निदेशक बना दिया। छापे में साफ हुआ है कि छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईराम इंटर प्राइजेज बसपा, सपा और भाजपा सरकार में कई करोड़ों के ठेके लिए। सोनभद्र में खनन के मामले में कैग की रिपोर्ट में 60 करोड़ रुपये का घपला पकड़ा गया था। माना जा रहा है कि कैग की रिपोर्ट के आधार पर ही आयकर विभाग ने कार्रवाई की है।

आवास और आफिस में पसरा सन्नाटा

- विधायक उमाशंकर सिंह का आवास गोमती नगर के विपुल खंड में हैं। आवास से ही कुछ दूरी पर सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी का आफिस है। पहली बार जब बुधवार को छापा पड़ा था तो वहां पर समर्थकों और आसपास के लोगों की काफी भीड़ लगी रही, लेकिन दूसरे दिन भी कुछ लोग आते और जाते रहे। लेकिन तीसरे दिन शुक्रवार को आवास और आफिस पर सन्नाटा पसरा रहा। अंदर टीम जांच में जुटी है, वहीं बाहर महिला और पुरुष पुलिस कर्मी तैनात रहे।

फरवरी तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह

आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय, जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में बढ़ा राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अपने आवास पर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के फरवरी महीने के अं तक की कर एवं करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की। इसमें अब तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह किया जा चुका है। आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय के साथ जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में राजस्व बढ़ा है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। योगी ने होली के मद्देनजर पर अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के साथ लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और बेहतर बस सेवाओं की पर जोर दिया।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीकरण, परिवहन, ऊर्जा, भू-राजस्व व खनन विभागों द्वारा प्रस्तुत लक्ष्यों और उपलब्धियों का आकलन करते हुए कहा कि राजस्व वृद्धि प्रदेश में विकास कार्यों की गति को निर्धारित करती है। उन्होंने सभी विभागों को पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार-आधारित कार्यप्रणाली के साथ लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए कर-राजस्व का वार्षिक लक्ष्य 2.95 लाख करोड़ निर्धारित है, जिसके मुकाबले फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व में निरंतर वृद्धि से प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण योजनाओं, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। आबकारी विभाग का वार्षिक लक्ष्य 63,000 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 48,501 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13.2 प्रतिशत अधिक है। मार्च में करीब 9,050 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने होली पर्व को देखते हुए अवैध और जहरीली शराब के निर्माण व बिक्री पर शून्य सहनशीलता अपनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और रजिस्ट्री कार्यालयों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। परिवहन निगम की बसों की फिटनेस सुनिश्चित करने, नए रूट चिन्हित कर निजी क्षेत्र के सहयोग से बस सेवाएं शुरू करने और होली के दौरान कानून-व्यवस्था व आबकारी नियंत्रण को लेकर प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

जीएसटी–वैट से मजबूत योगदान

- राज्य कर (जीएसटी वैट) का वार्षिक लक्ष्य 1,75,725 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 1,03,770 करोड़ का संग्रह हुआ। इसमें जीएसटी से 75,195 करोड़ और वैट से 28,575 करोड़ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जीएसटी 2.0, एआई आधारित जोखिम विश्लेषण, ई–इनवॉइसिंग, ई–वे बिल की प्रभावी निगरानी और फर्जी आईटीसी पर नियंत्रण से कर अनुपालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों से अब तक 3,117 करोड़ की अतिरिक्त वसूली की गई है।

स्टाम्प व परिवहन में भी मजबूती

- स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने लक्ष्य 38,150 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 29,487 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की। परिवहन विभाग ने 14,000 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 11,005 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं, खनन विभाग ने लक्ष्य 6,000 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 3,597 करोड़ का संग्रह किया, जबकि मार्च में लगभग 600 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का अनुमान है।

76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा अपना भवन

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आंगनबाड़ी ढांचे को पूरी तरह सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के बचे सभी 76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को उनके स्वयं के भवनों में संचालित करने के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री–प्राइमरी शिक्षा की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए इनका वातावरण सुरक्षित, आकर्षक और शैक्षिक रूप से समृद्ध होना चाहिए। सीएम आवास पर हुई बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1.89 लाख से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से लगभग 76 हजार केंद्रों के पास अपना भवन नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन केंद्रों के भवन निर्माण में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) से सहयोग लिया जाए और आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल ईंट–पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी की मजबूत बुनियाद हैं। प्रस्तावित नए भवनों में आधुनिक और समावेशी सुविधाओं का समावेश किया जाएगा। इनमें सुरक्षित पेयजल व विद्युत व्यवस्था, बाल–मित्र शौचालय और लो–हाइट वॉश यूनिट, खेल आधारित गतिविधियों के लिए पर्याप्त प्ले एरिया, किचन शेड व हॉट–कुक्ड मील की व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पृथक कक्ष और रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और पोषण वाटिका जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाने को आज से लगेगी एचपीवी वैक्सीन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सर्वाइकल (गर्भाशय) कैंसर की रोकथाम के लिए आज से ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू हो रहा है। अभियान के तहत प्रदेश की लगभग 46 लाख किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 14 वर्ष की आयु की किशोरियों को गार्डासिल-4 वैक्सीन की सिंगल डोज निःशुल्क दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक राजधानी लखनऊ में इसका शुभारंभ करेंगे। यह अभियान राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका शनिवार को प्रधानमंत्री अजमेर से शुभारंभ करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ.अरूण कुमार अरूण के अनुसार यह टीका सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध रहेगा। अभियान तीन माह तक प्रतिदिन संचालित होगा, इसके बाद नियमित टीकाकरण दिवसों पर भी यह वैक्सीन लगाई जाएगी।

अब मतदाता बनने के लिए बचे मात्र तीन दिन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दावे और आपत्तियां अब केवल अब छह मार्च तक ही स्वीकार की जाएंगी। ऐसे में नए मतदाताओं और नाम संशोधन कराने वालों के पास आवेदन करने के लिए केवल तीन दिन ही बचे हैं। दस अप्रैल को एसआईआर के तहत तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

निर्वाचन विभाग के अनुसार जो युवा एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे यदि छह मार्च तक आवेदन कर देते हैं तो उनका नाम 10 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार के बाद रविवार अवकाश रहेगा, जबकि सोमवार, मंगलवार और बुधवार को होली का सार्वजनिक अवकाश घोषित है। ऐसे में व्यावहारिक रूप से शनिवार के बाद पांच और छह मार्च को ही बीएलओ से संपर्क कर फार्म जमा करने का अवसर मिलेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि जो लोग आनलाइन आवेदन करते हैं तो वह हो जाएंगे।

किसी का वोट एक से अधिक स्थान पर है तो स्वेच्छा से नाम कटवा लें

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को अलीगढ़ में एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम एक से अधिक स्थान पर है तो फार्म–7 भरकर स्वेच्छा से उसे कटवा लें। यह एक दण्डनीय अपराध है, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित मतदाता का होगा। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी सम्मानित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अलीगढ़ में विधान सभा क्षेत्र कोल के सन्त फिदेलिस स्कूल के सुनवाई केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

ओबीसी योजनाओं का लाभ देने के लिए तैयार होगी जिलेवार रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बैठक लेते आयोग के पदाधिकारी।

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ओबीसी कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ ओबीसी वर्ग को मिल रहा है या नहीं, इसकी जिलेवार समीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

आयोग के अध्यक्ष, शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने योजनाओं की समीक्षा करते हुए जोर दिया गया कि उनका लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इस दौरान नियुक्तियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को लेकर प्राप्त शिकायतों पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उत्थान से जुड़ी योजनाओं और आरक्षण संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा विभिन्न जातियों के सम्मेलन और निष्कासन से जुड़े प्रत्यावेदनों की भी समीक्षा की गई। आयोग ने स्पष्ट किया कि ओबीसी समाज के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आयोग ने भरोसा दिलाया कि वह पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा, ताकि पिछड़ा वर्ग के अधिकारों और हितों की रक्षा हो सके। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली समेत आयोग के सदस्य मौजूद रहे।

आयुध कारखाना के पूर्व सीजीएम पर आय से अधिक संपत्ति की एफआईआर

- सीबीआई की जांच में पाया गया आय से अधिक खर्च व पद के दुरुपयोग का मामला
- आयुध उपकरण कारखाना हरजतपुर फिरोजाबाद के मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीबीआई ने आयुध उपकरण कारखाना हजरतपुर फिरोजाबाद के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर आय से अधिक संपत्ति हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज की है। सीबीआई जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने व पद के दुरुपयोग कर अवैध कमाई की पुष्टि हुई।

मामले की जांच सीबीआई एसीबी गाजियाबाद के एएसपी अशोक कुमार को सौंपी गई है। सीबीआई के मुताबिक अमित सिंह 1 अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2025 के बीच आयुध उपकरण कारखाना, हजरतपुर, फिरोजाबाद में महाप्रबंधक व मुख्य महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच में करीब 55,58,471 रुपये (73.28 प्रतिशत) की अनुपातहीन संपत्ति का मामला सामने आया है।

अमित सिंह भारतीय आयुध कारखाना सेवा (बैच 1998) के अधिकारी हैं। उन्होंने 7 सितंबर 1998 को सेवा शुरू की थी। 30 जून 2022 को उन्होंने हजरतपुर स्थित आयुध उपकरण कारखाना में महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। यह कारखाना रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन संचालित ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड की विनिर्माण इकाइयों में शामिल है। जो भारतीय सशस्त्र बलों, गृह मंत्रालय की सेनाओं और विभिन्न राज्य पुलिस बलों के लिए पैराशूट, बैग, वर्दी सहित रक्षा उपकरणों का उत्पादन करता है।

2023 में बने थे मुख्य महाप्रबंधक

- जांच एजेंसियों के अनुसार ओईएफ हजरतपुर में अमित सिंह सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे। कारखाने के प्रशासन, संचालन, संसाधनों के उपयोग तथा मानव संसाधन प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी उनके पास थी। उन्हें वर्ष 2023–24 में मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया, लेकिन जिम्मेदारियां वहीं रहीं। 25 दिसंबर 2025 को उनका तबादला आयुध वस्त्र कारखाना, कानपुर कर दिया गया। वर्तमान में वे ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड प्रशिक्षण अकादमी, कानपुर में तैनात बताए जा रहे हैं।

कमाई से 55.58 लाख रुपये किया अधिक खर्च

- सीबीआई की जांच में सामने आया कि जांच अवधि से पूर्व यानी 1 अप्रैल 2022 से पहले अमित सिंह के पास ज्ञात स्रोतों से अर्जित करीब 18,82,871 रुपये की चल–अचल संपत्ति थी। इसमें उनके और उनकी पत्नी नीलम सिंह के बैंक खातों की प्रारंभिक राशि तथा वर्ष 2007 में बरेली में पत्नी के नाम खरीदे गए मकान का मूल्य शामिल है। जांच अवधि के अंत, 31 दिसंबर 2025 तक अमित सिंह और उनके परिवार के पास कुल 37,33,567 रुपये की संपत्ति पाई गई। इसमें वर्ष 2023 में लखनऊ में पत्नी के नाम फ्लैट का भुगतान, बरेली स्थित मकान का मूल्य, म्यूचुअल फंड निवेश और बैंक खातों में जमा राशि शामिल है। आरोपी अधिकारी को 75,57,303 रुपये का शुद्ध वेतन और 28,220 रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ। जिससे कुल ज्ञात आय 75,85,523 रुपये पायी गई। इस दौरान अमित सिंह ने परिवार पर कुल 1,12,93,298 रुपये खर्च किया।

सीपीआर देकर यात्री को बचाने वाले 13 कर्मचारी सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने कहा कि यदि पुलिस सतर्क और सक्रिय रहेगा तो अपराध रोकने में सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बरेली में यात्री को सीपीआर देकर बचाने वाले सिपाही हरिओम और कानपुर के सेंट्रल स्टेशन पर दो साल के चोरी हुई बच्ची को बचाने वाले समेत दर्जन भर से अधिक पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में बरेली जीआरपी में तैनात हरिओम, दो साल के बच्चे को केवल चार घंटे में तलाश कर परिजनों से मिलाने वाले कानपुर के डिप्टी एसपी दुष्यंत कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह, दारोगा मोहित कुमार, सिपाही सत्येन्द्र सिंह, शिवेन्द्र सिंह, दीपक यादव को सम्मानित किया गया। इसी तरह जीआरपी टूंडला के एसओ मोनू कुमार आर्य, एसआई सतेन्द्र कुमार, सिपाही मनोज कुमार के साथ ही जीआरपी कर्वी की महिला एसआई शालिनी सिंह भदौरिया, हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह और सिपाही हरिकेश मौर्य को भी सम्मान से नवाजा गया।

शासनादेश

सोलर फेंसिंग परियोजना के लिए किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि की मजबूती को मिले 30 .47 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि को मजबूती देने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुंदेलखंड पैकेज के अंतर्गत कृषि विभाग की एकीकृत कृषि विकास योजना (सोलर फेंसिंग) के लिए 30.47 करोड़ रुपये की शेष धनराशि स्वीकृत करते हुए शासनादेश जारी किया गया है। यह धनराशि पूर्व में स्वीकृत कुल 74.53 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के सापेक्ष बची हुई राशि के रूप में जारी की गई है।

शासनादेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए प्रथम किस्त के रूप में 50 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, जिसे विभाग द्वारा व्यय न करते हुए समर्पित कर दिया गया था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में 44.06 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई, जिसका पूर्ण उपयोग करते हुए कृषि विभाग ने उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया। अब परियोजना के शेष कार्यों के लिए 30.47 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सोलर फेंसिंग से किसानों को राहत

- बुंदेलखंड क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सोलर फेंसिंग परियोजना को बेहद अहम माना जा रहा है। इस योजना के तहत खेतों की सुरक्षा के लिए सौर ऊर्जा आधारित बाड़ लगाई जाएगी, जिससे किसानों की फसल सुरक्षित रहेगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र में टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।

वित्तीय अनुशासन और सख्त शर्तें

- शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों में ही रखा जाएगा और यदि कोई ब्याज अर्जित होता है तो उसे राजकोष में जमा कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही परियोजना से संबंधित वित्तीय और भौतिक प्रगति की मासिक रिपोर्ट प्रत्येक माह की 7 तारीख तक नियोजन विभाग को भेजनी होगी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के लिए 98.28 करोड़ जारी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना के निर्माण से जुड़े ऋण के मूलधन की अदायगी के लिए 98 .28 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इसे यूपीडा को निर्धारित शर्तों के अधीन अवमुक्त किया जाएगा। यह राशि वित्तीय वर्ष 2025–26 में लिए गए ऋण की अदायगी हेतु जनवरी से मार्च 2026 की अवधि के लिए स्वीकृत की गई है। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि जारी की गई धनराशि सीधे उसी बैंक खाते में जमा कराई जाएगी, जहां से संबंधित वित्तीय संस्थाओं का ऋण लिया गया था। इसे किसी अन्य खाते में रखने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही धन के उपयोग को लेकर सख्त वित्तीय नियमों और बजट मैनुअल का अनुपालन अनिवार्य किया गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र और कार्य का सत्यापित लेखा निर्धारित समयावधि में महालेखाकार कार्यालय और शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जिम्मेदारी यूपीडा की होगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास का प्रमुख आधार मानी जा रही है। ऋण के मूलधन की समय पर अदायगी से परियोजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी और भविष्य की अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए निवेशकों का भरोसा और मजबूत होगा।

टमाटर, भिंडी, कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल

- उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद ने जारी किया मौसम आधारित कृषि परामर्श

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि जायद फसलों, टमाटर, भिंडी, लोबिया व कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। बसंतकालीन गन्ने की उन्नत किस्मों के प्रयोग पर जोर देते हुए उन्होंने लाल सड़न रोग से प्रभावित 0238 किस्म न बोने की हिदायत दी गई है। गन्ने के साथ उर्द, मूंग या लोबिया की अंतःफसल से आय बढ़ाने की सलाह भी दी गई।

परिषद के महानिदेशक, सभाकक्ष में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025-26 की 24वीं बैठक संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमानों के आधार पर प्रदेश के कृषकों को आगामी दो सप्ताह के लिए कृषि प्रबंधन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव और परामर्श जारी किए गए हैं। अनुमान है कि प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा और तापमान में क्रमिक वृद्धि होगी।

विशेषज्ञों ने रबी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए सायंकाल हल्की सिंचाई की सलाह दी है। देर से बोए गए गेहूं में दाना भरने की अवस्था पर पोटैशियम नाइट्रेट का पर्णीय छिड़काव तथा गेरूई व पत्ती धब्बा रोग नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल के प्रयोग की संस्तुति की गई है।

चने में फलीबेधक कीट और अरहर में फल मक्खी से बचाव के लिए उचित कीटनाशक उपयोग की सलाह दी गई है। उद्यानिकी में आम के बौर को कीट व खर्रा रोग से बचाने के उपाय बताए गए। पशुपालकों को एफएमडी टीकाकरण और मत्स्य पालकों को कॉमन कार्प व पंगेशियस बीज संचय की सलाह दी गई है। विस्तृत परामर्श उपकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

धर्म नाम है न्याय का और न्याय नाम है पक्षपात को छोड़ना।
–स्वामी दयानंद सरस्वती, आर्य समाज के संस्थापक

बहुआयामी दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इजराइल दौरा भारत की पश्चिम एशिया नीति के युगांतरकारी चरण का स्पष्ट संकेत है। प्रधानमंत्री ने न केवल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के 'जीरो टॉलरेंस' के रुख को दोहराया, बल्कि गाज़ा शांति प्रस्ताव का समर्थन कर परिपक्व कूटनीति का परिचय दिया। 'मानवता को संघर्ष का शिकार न बनने देने' का उनका आह्वान यह दर्शाता है कि भारत ऐसे मामलों में अब केवल मूक दर्शक नहीं हैं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के बारे में सक्रिय हितधारक की भूमिका निभा रहा है। इजराइली नेतृत्व के साथ हुई वार्ताओं के दौरान साफ हुआ कि भारत-इजराइल रक्षा संबंध अब केवल 'क्रेता-विक्रेता' तक सीमित नहीं हैं; मिसाइल, ड्रोन और साइबर सुरक्षा में सहयोग अब सह-उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण की दिशा में बढ़ रहा है। यह बदलाव 'मेक इन इंडिया' अभियान को सशक्त करेगा ही साथ ही सामरिक दृष्टि से भारत की आयात-निर्भरता को भी घटाएगा, हालांकि भारत इजराइल के इस बढ़ते रिश्ते के बीच अरब देशों और विशेषकर खाड़ी क्षेत्र के साथ संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। भारत ने बीते वर्षों में यह सिद्ध किया है कि वह इजराइल और अरब जगत, दोनों के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की क्षमता रखता है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जिसे 'आईमैक प्लस' के रूप में देखा जा रहा है, हमारे लिए यूरोप तक पहुंचने का एक क्रांतिकारी मार्ग है। यह गलियारा मात्र माल ढुलाई का रास्ता नहीं, बल्कि भविष्य की 'डिजिटल और ग्रीन हाईवे' है। प्रस्तावित फाइबर-ऑप्टिक केबल भारत को यूरोप से सीधे जोड़ेंगी, जिससे डेटा ट्रांसफर सस्ता होगा और फिनटेक एवं एआई जैसे उद्योगों को भारी लाभ होगा। साथ ही, ग्रीन हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा की साझेदारी भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को पुख्ता करेगी। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए अनिवार्य 'रेयर अर्थ मेटल्स' की आपूर्ति के लिए चीन पर निर्भरता कम करना भारत की बड़ी रणनीतिक जीत होगी। यदि मिस्र और अफ्रीकी नेटवर्क इस गलियारे से जुड़ते हैं, तो भारत की पहुंच स्वेज नहर से परे एक विशाल आर्थिक पट्टी तक हो जाएगी। यह आर्थिक, रणनीतिक मार्ग सस्ता और तेज तो है, पर जटिल भी है। संभव है भविष्य में कस्टम प्रक्रियाओं और रेल-नेटवर्क का पूर्ण डिजिटलीकरण, खाड़ी से भूमध्यसागर तक निर्बाध रेल संपर्क तथा कॉरिडोर की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकने वाली इस क्षेत्र की राजनीतिक अस्थिरता तथा तनाव पर नियंत्रण करने के लिये एक मजबूत सुरक्षा-ढांचा बन सके और यह रास्ता निरापद, आसान तथा सहज, लाभकारी हो सके।

इजराइल के साथ संभावित मुक्त व्यापार समझौता उच्च-तकनीक और कृषि में निवेश के नए द्वार खोलेगा, रोजगार के तमाम नये अवसर सृजित करेगा, बशर्ते घरेलू उद्योगों के हितों का ध्यान रखा जाए। कुल मिलाकर यह दौरा केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं, बल्कि भारत की 'कनेक्टिविटी-डिप्लोमेसी' का नया चेहरा है। इससे तेज व्यापार और तकनीकी बढ़त की पूरी संभावना तो है, लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता और अधूरी अवसंरचना जैसे जोखिम भी उतने ही वास्तविक हैं।

प्रसंगवश

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है- खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएं अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर 'सब कुछ संभालने' की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की मांग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है।

'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहां महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है, जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है। बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएं प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएं रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं, जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है।

कृति जैन
लेखिका

महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएं लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ी महिलाएं अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है, इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। 'तुम बदल गई हो' जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं, पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है और यहीं इसकी शक्ति छिपी है।

इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है, क्योंकि मां हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है। फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी मां के पुराने सांचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

ज्यादा वेतन वाले कर्मियों में एआई का ज्यादा खौफ

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज विस्तार ने रोजगार की दुनिया में एक नई बहस को जन्म दिया है। हाल में यह तथ्य उभरकर आया कि कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन पाने वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पहली नजर में यह निष्कर्ष चौंकाता है, क्योंकि आम धारणा यह रही है कि तकनीकी बदलाव का सबसे अधिक असर निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, परंतु वर्तमान दौर में एआई जिस तरह कामकाज की प्रकृति को बदल रही है, उससे यह समझ में आता है कि उच्च आय वर्ग की चिंता के पीछे ठोस कारण मौजूद हैं।

सबसे पहला कारण यह है कि एआई अब केवल साधारण और दोहराए जाने वाले कामों तक सीमित नहीं है। पहले मशीनों और सॉफ्टवेयर से मुख्य रूप से उत्पादन, डेटा एंट्री या ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में बदलाव की आशंका जताई जाती थी, लेकिन अब एआई वित्तीय विश्लेषण, कानूनी दस्तावेज तैयार करने, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, मेडिकल रिपोर्ट की व्याख्या, डिजाइनिंग और यहां तक कि संपादकीय सामग्री का प्रारूप तैयार करने जैसे काम भी करने लगा है। ये वे क्षेत्र हैं, जहां आम तौर पर अधिक वेतन पाने वाले पेशेवर कार्यरत होते हैं। जब तकनीक जटिल कार्यों को तेजी और सटीकता से करने लगे, तो इन पदों पर काम कर रहे लोगों में असुरक्षा की भावना स्वाभाविक रूप से बढ़ती है।

एआई नौकरीपेशा लोगों के लिए खौफ का सबब बनता जा रहा है। कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

दूसरा बड़ा कारण कंपनियों पर बढ़ता लागत दबाव है। किसी भी संस्था में उच्च वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर कुल खर्च अधिक होता है। यदि एआई आधारित प्रणालियां कम लागत में समान या बेहतर परिणाम दे सकती हैं, तो प्रबंधन के सामने खर्च घटाने का विकल्प खुल जाता है। ऐसे में वरिष्ठ और महंगे पदों की संख्या घटाने या उनकी जिम्मेदारियां सीमित करने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। यह संभावना ही उच्च आय वर्ग के कर्मचारियों को असहज कर देती है।

तीसरा कारण बदलती कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया से जुड़ा है। आज कंपनियां डेटा आधारित निर्णयों पर अधिक भरोसा कर रही हैं। एआई बाजार की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकती है, जोखिम का अनुमान लगा सकती है और रणनीतिक सुझाव दे सकती है। पहले वरिष्ठ अधिकारियों का अनुभव और अंतर्ज्ञान महत्वपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब अल्गोरिदम आधारित विश्लेषण को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे कई पेशेवरों को लगता है कि उनकी पारंपरिक विशेषज्ञता का महत्व कम हो रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है।

चौथा पहलू कौशल उन्नयन की चुनौती है। तकनीकी बदलाव की रफ्तार बहुत तेज है। उच्च आय वाले अधिकांश काम ज्ञान और डिजिटल दक्षता पर आधारित हैं। ऐसे में कर्मचारियों को लगातार नए उपकरण, नई प्रणालियां और नए सॉफ्टवेयर सीखने पड़ रहे हैं। जो लोग इस गति से तालमेल नहीं बैठा पाते, उन्हें पीछे छूटने का डर सताता है। इसके विपरीत, निम्न आय वर्ग के कई काम अभी भी मानवीय श्रम और भौतिक उपस्थिति पर आधारित हैं, जिनमें एआई का पूर्ण विकल्प बनना फिलहाल आसान नहीं है। इस कारण उच्च आय वर्ग को तात्कालिक खतरा अधिक महसूस होता है।

पांचवां कारण सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़ा है। अधिक वेतन वाले कर्मचारियों की जीवनशैली अपेक्षाकृत महंगी होती है। घर का ऋण, बच्चों की शिक्षा, बीमा, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे पहलू उनके आर्थिक ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि नौकरी पर संकट की आशंका उत्पन्न होती है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। आय में थोड़ी सी कमी भी उनकी दीर्घकालिक योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए उनका डर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक भी होता है।

छठा कारण करियर की स्थिरता में आई अनिश्चितता है। पहले यह माना जाता था कि अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर करियर क्रमशः आगे बढ़ता रहेगा। अब एआई और डिजिटल तकनीक के कारण कौशल की मांग तेजी से बदल रही है। कई बार युवा और तकनीकी रूप से अधिक दक्ष कर्मचारी कम समय में बेहतर अवसर पा लेते हैं। इससे अनुभवी पेशेवरों को प्रतिस्पर्धा बढ़ती हुई दिखती है। उन्हें लगता है कि वर्षों का अनुभव अचानक कम मूल्यवान हो सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि एआई का प्रभाव केवल नौकरी खत्म करने तक सीमित नहीं है, बल्कि काम के स्वरूप को बदलने तक है। कई कंपनियां कर्मचारियों की संख्या घटाने के बजाय भूमिकाओं को पुनर्गठित कर रही हैं। ऐसे में कुछ पद समाप्त होते हैं, तो नए प्रकार के पद भी बनते हैं, लेकिन इस परिवर्तन के दौर में अस्थिरता स्वाभाविक है। अधिक आय वर्ग के लोग, जो पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे, अब खुद को जोखिम में देख रहे हैं।

यह स्थिति पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर तकनीकी क्रांति ने नई संभावनाएं भी पैदा की हैं। औद्योगिक क्रांति से लेकर सूचना क्रांति तक, बदलाव के साथ नए रोजगार भी सामने आए। एआई भी डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल रणनीति और मानव मशीन सहयोग जैसे नए क्षेत्रों में अवसर पैदा कर रही है। जो पेशेवर अपनी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता को तकनीक के साथ जोड़ते हैं, वे अधिक प्रभावी बन सकते हैं।

सरकारों और कंपनियों की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण है। यदि पुनः कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए, तो इस बदलाव का असर संतुलित किया जा सकता है। कर्मचारियों को यह भरोसा देना जरूरी है कि तकनीक उनका स्थान लेने नहीं, बल्कि उनके कार्य को बेहतर बनाने के लिए है। पारदर्शी नीति और संवाद से भी भय कम किया जा सकता है।

आमने सामने

किंग महेंद्र से जेडीयू सालों तक पैसा लेता रही। A2BS इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसका टर्न ओवर 27 करोड़ है, उस कंपनी ने जेडीयू को 24 करोड़ रुपये दिए। जिस कंपनी का ऐसेट 10 हजार नहीं है, उससे करोड़ों रुपये जेडीयू ने चंदा लिया। सरकार हिरन का चोला पहनकर भेड़िया के रूप में है।

–सुनील सिंह
आरजेडी एमएलसी, बिहार

आरजेडी ने शराब कंपनियों से पैसा लिया। पश्चिम बंगाल की कंपनी से चंदा लिया। इलेक्टोरल बॉन्ड लेना गुनाह नहीं है, लेकिन आरजेडी ने बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब कंपनियों से पैसा लिया। ये लोग कायर हैं।

–नीरज कुमार
जेडीयू के प्रवक्ता, बिहार

रेवड़ी कल्चर: शीर्ष अदालत की टिप्पणी व चिंता

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

मुफ्त की रेवड़ी पर बीती 19 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़ी फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए गंभीर सवाल उठाए। न्यायालय ने पूछा कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है? पीठ ने कहा कि ऐसी नीतियों से लोगों में काम करने की इच्छा खत्म हो रही है और देश का 'वर्क कल्चर' खराब हो रहा है।

रेवड़ी संस्कृति देश की राजनीति के केंद्र में आ चुकी है। फ्रीबीज की शुरुआत सन् 1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याह्न भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की दो रुपये किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है।

न्यायालय ने राज्यों से पूछा है कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है?

दक्षिण भारत से शुरू हुई इस प्रथा को अरविंद केजरीवाल ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसका बाद में दूसरे दलों ने अनुसरण किया। एक ओर अर्थशास्त्री और नीति विशेषज्ञ इस प्रथा की आलोचना करते हैं, तो दूसरी ओर कई नेता मतदाताओं के लिए मुफ्त चीजों की वकालत करते हैं। चुनाव में मुफ्त सुविधाओं के वादे और चुनाव अक्सर इस मायने में जुड़े होते हैं कि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्रों में इसका वादा करते हैं और सत्ताधारी दल अक्सर चुनाव से ठीक पहले उन्हें बांट देते हैं।

दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह जीवन की अच्छी गुणवत्ता से समझौता है, क्योंकि मुफ्त उपहारों की संस्कृति स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, अनुसंधान एवं विकास आदि जैसी अन्य जरूरी आवश्यकताओं पर कम पूंजीगत व्यय को दर्शाती है। साथ ही, यह बजटीय संकट को भी जन्म देती है। 2019 में, दिल्ली स्थित एक गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स द्वारा भारत के 543 संसदीय क्षेत्रों में एक सर्वेक्षण किया गया था। उस सर्वेक्षण के अनुसार, 42 फीसद से अधिक मतदाता किसी विशेष उम्मीदवार को वोट देने के पीछे उम्मीदवार की कल्याणकारी योजनाओं के बजाय नकदी, शराब और मुफ्त उपहारों के वितरण को एक महत्वपूर्ण कारण मानते हैं।

ताजा मामले में न्यायालय ने चिंता जताई कि अधिकांश राज्य पहले से ही 'रेवेन्यू डेफिसिट' में हैं, फिर भी वे मुफ्त बिजली, राशन और नकदी बांट रहे हैं। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि इस कारण बुनियादी ढांचे यानी सड़क, स्कूल, अस्पताल के विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचता। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना भेदभाव के सबको मुफ्त सुविधाएं देना तुष्टिकरण की राजनीति है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि आखिर 'रेवड़ियां' बांटने का बोझ टैक्स देने वाले लोगों पर ही पड़ेगा। यदि 'रेवड़ियां' मिलती रहेंगी, तो काम कौन करेगा? आखिर हम यह कैसी संस्कृति बना रहे हैं? सरकारों को 'मुफ्तखोरी' के बजाय रोजगार-सृजन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। यदि कोई शिक्षा और बुनियादी जिंदगी का खर्च वहन नहीं कर सकता, तो ऐसे लोगों को सुविधा देना सरकार का दायित्व है, लेकिन 'मुफ्त रेवड़ियां' उनकी जेब में जा रही हैं, जो लोग मजे कर रहे हैं। क्या सरकारों को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए?

बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने मौखिक टिप्पणी कर दी और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता कह रहे हैं कि वे शीर्ष अदालत की बात मानने को बाध्य नहीं हैं। ये 'रेवड़ियां' नहीं हैं, बल्कि कल्याणकारी योजनाएं हैं। हम कल्याणकारी लोकतंत्र हैं और जनता की मदद करना हमारा फर्ज है। सर्वोच्च अदालत के चिंता व्यक्त करने से क्या होगा? सर्वोच्च अदालत को संविधान ने विशेषाधिकार भी दिए हैं और उनका इस्तेमाल कर अदालत ने फैसले भी सुनाए हैं, तो मुफ्तखोरी पर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते? अदालत सरकारों को स्पष्ट निर्देश दे कि चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा कब करें? 'रेवड़ियों' को भी परिभाषित करें। 11 अगस्त 2022 को 'रेवड़ी कल्चर' पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह मुद्दा समाज और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि फ्रीबीज की वजह से इकोनॉमी पैसे गंवा रही है। हम इस बात से सहमत हैं कि फ्रीबीज और वेलफेयर के बीच अंतर है।

जमीनी हकीकत यह है कि देश के राज्यों पर कुल 104 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। देश पर भी 200.50 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कुछ विशेषज्ञ इसे 225 लाख करोड़ के करीब मानते हैं। इसके बावजूद रेवड़ियां बांटी जा रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

पाउलो की खामोश क्रांति

पाउलो फ्रेरे को गिरफ्तार किया गया, निर्वासित किया गया और उन्हें राष्ट्रीय खतरा घोषित किया गया, क्योंकि उन्होंने गरीब वयस्कों को इस तरह पढ़ना सिखाया कि उन्हें चुपचाप शासित करना असंभव हो गया। पाउलो फ्रेरे शुरू में क्रांतिकारी नहीं थे। वे एक शिक्षक के रूप में शुरू हुए, जिन्होंने भूख को अपनी आंखों के सामने सीखने की क्षमता को मिटाते देखा। 1950 के दशक के ब्राजील में उन्होंने देखा कि वयस्कों को अशिक्षित होने के लिए दोषी ठहराया जाता है, जबकि वे ऐसे तंत्र में जी रहे थे, जो उन्हें चुप रखने के लिए डिज़ाइन किया गया था। फ्रेरे ने कुछ खतरनाक बात नोटिस की। लोग स्कूल में असफल नहीं हो रहे थे। स्कूल उन्हें जानबूझकर असफल कर रहा था।

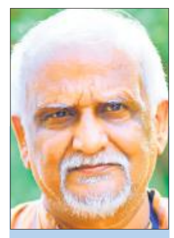

अफलातून अफलू
लेखक

इसलिए उन्होंने नियम बदल दिए। अलग-अलग अक्षरों को रटवाने के बजाय, फ्रेरे ने दैनिक अनुभव के माध्यम से पढ़ना सिखाया। शब्द उनके रोज़मर्रा के जीवन से आए। ज़मीन, काम, किराया, भूख, सत्ता। जैसे-जैसे वयस्क पढ़ना सीखते गए, वे उन ताकतों को नाम देना भी सीख गए, जो उनकी ज़िंदगी को आकार दे रही थी। साक्षरता जागरूकता बन गई। जागरूकता एजेंसी (स्वायत्तता) बन गई।

1963 में, फ्रेरे ने विधि से मात्र 45 दिनों में 300 गन्ना मजदूरों को पढ़ना सिखाया गया। ब्राज़ील सरकार ने इस कार्यक्रम का शुरू में समर्थन किया, यह मानते हुए कि साक्षरता देश को आधुनिक बनाएगी। उन्होंने गलत आकलन किया। नव-साक्षर नागरिक ऐसे सवाल पूछने लगे, जो मतपत्रों को खतरनाक बना देते हैं। ज़मीन किसकी है? चुप्पी से किसका फ़ायदा होता है? ज्ञान क्या मायने रखता है, यह किसका फैसला है?

1964 के तख्तापलट के बाद फ्रेरे को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें विध्वंसक घोषित कर जेल में डाल दिया गया। लोगों को आलोचनात्मक रूप से पढ़ना सिखाना अब वैचारिक युद्ध के रूप में पेश किया जाने लगा। उन्हें रिहा किया गया, लेकिन निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया गया। वे ब्राज़ील छोड़कर केवल कुछ नोट्स और एक ऐसे विचार के साथ गए जो तानाशाही को डराने के लिए काफी था।

चिली में, फिर अफ्रीका और यूरोप में, फ्रेरे ने जो बाद में Pedagogy of the Oppressed बना, उसे परिष्कृत किया। उन्होंने शिक्षा को जमा करने और आज्ञाकारिता के रूप में खारिज कर दिया। शिक्षा मुक्ति के रूप में या फिर कुछ भी नहीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोशल मीडिया और खबरों की सत्यता का बढ़ता संकट

कलम और कागज से शुरू हुई यात्रा आज कीबोर्ड, कैमरा और कोड तक पहुंच चुकी है। माध्यम बदलते रहेंगे, प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे, लेकिन यदि पत्रकारिता अपनी आत्मा सत्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी को सुरक्षित रखेगी, तो वह लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज़ बनी रहेगी। आने वाला समय उसी पत्रकारिता का होगा, जो तेज भी हो, सटीक भी, आधुनिक भी हो और विश्वसनीय भी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में फेक न्यूज पर लगाम कसने के लिए नए नियम जारी किए हैं। डीपफेक और भ्रामक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंटेंट के लिए केंद्र ने सख्त नियम बनाए हैं। आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम 2021 में संशोधन करते हुए सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अब आपत्तिजनक सामग्री तीन घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। यह संशोधित नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू हो चुके हैं। अब अगर कोई फोटो, वीडियो या ऑडियो एआई की मदद से बनाया गया है, तो उस पर लेबल लगाना जरूरी कर दिया गया है। केंद्र के इस नियम से अब सोशल मीडिया पर फेक न्यूज पर लगाम लग सकेगी। नए नियम बता रहे हैं कि करीब ढाई सौ साल में कई बदलाव के बाद फेक न्यूज ने पत्रकारिता के समक्ष चुनौती खड़ी कर दी है।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

असल में दशकों से पत्रकारिता विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। यह विश्वास आज के समय में डगमगाने लगा है। जब पत्रकारिता का शुरूआत हुई, तो विश्वसनीयता ही उसका सबसे बड़ा उद्देश्य था। पत्रकारिता केवल खबर लिखने या पढ़ने का माध्यम नहीं है, यह समाज की धड़कनों को शब्द देने की कला है। यह वह आईना है, जिसमें सत्ता, व्यवस्था और समाज तीनों का चेहरा दिखाई देता है। समय के साथ पत्रकारिता ने कई दौर देखे हैं। पहले पत्रकारिता मिशन हुआ करती थी। फिर प्रोफेशन में तब्दील हो गई। कलम और कागज से शुरू हुआ यह सफर आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक पहुंच चुका है। इन बदलावों ने जहां पत्रकारिता को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया है, वहीं नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।

इस यात्रा में साधन बदले, माध्यम बदले, लेकिन मूल उद्देश्य कभी नहीं बदला। आज भी सत्य की खोज और जनहित ही पत्रकारिता का उद्देश है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल कार्य सत्ता और समाज के बीच सेतु बनना, जनमत को दिशा देना और सच को सामने लाना है। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह सत्ता से सवाल करती है, जनता की आवाज़ को मंच देती है और व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है।

भारत में पत्रकारिता की शुरुआत 1780 से मानी जाती है। इस साल शुरू हुआ बंगाल गजट एक अंग्रेजी का साप्ताहिक अखबार था। साथ ही ब्रिटिश शासन के दौर में निकला और उसने सत्ता की आलोचना करने का साहस दिखाया। उस समय समाचार संकलन की प्रक्रिया बेहद कठिन थी। संवाददाता घटनास्थल तक स्वयं पहुंचते, लोगों से बातचीत करते और चिट्ठियों या तार के माध्यम से सूचनाएं संपादकीय कार्यालय तक भेजते थे। छपाई तकनीक सीमित थी, वितरण व्यवस्था धीमी थी, फिर भी खबरों की विश्वसनीयता और तथ्यपरकता सर्वोच्च मानी जाती थी। एक खबर को प्रकाशित करने से पहले उसके कई स्तरों पर सत्यापन की परंपरा थी। आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता को बनाए रखने की है। सोशल मीडिया के अल्गोरिद्म अक्सर वही सामग्री आगे बढ़ाते हैं, जो भावनात्मक या विवादास्पद हो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

दो दशक पहले तक उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की जनता के लिए आंखों के इलाज का पहला नाम था- 'सीतापुर आई हॉस्पिटल'। आज भले ही यह चिकित्सालय सुर्खियों से दूर हो गया हो, पर गुमनामी में भी अपनी मूल प्रतिबद्धता सेवा और उपचार को पूरी निष्ठा से निभा रहा है। 32 शाखाओं वाले इस एशिया के प्रसिद्ध संस्थान का पांच अस्पतालों तक सिमट जाना एक युग का परिवर्तन जरूर है, लेकिन इन दुर्दिनों ने ही यूपी में कॉरपोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों की नींव भी तैयार की। वर्तमान ट्रस्ट प्रबंधन का दावा है कि आने वाले वर्षों में यह अस्पताल फिर अपनी वही विश्वस्तरीय पहचान हासिल करेगा।

- पद्माकर पांडेय एवं फोटोग्राफर शुभांकर चक्रवर्ती

मरीजों को रोशनी दे रहा 'सीतापुर आई हास्पिटल'

इतिहास

राजधानी से करीब 80 किमी दूर सीतापुर में वर्ष 1926 में फूस की झोपड़ी से शुरू हुई यह सेवा-यात्रा संस्थापक पद्मश्री एवं पद्मभूषण डॉ. महेश प्रसाद मेहरे की दूरदर्शिता का परिणाम है। आर्थिक लाभ की चाह से दूर, उन्होंने 1945 में महारानी एलिजाबेथ से प्राप्त दान से 11.22 एकड़ भूमि पर अस्पताल की औपचारिक नींव रखी। इसके बाद उन्होंने दूरदराज के गरीब मरीजों तक इलाज पहुंचाने के लिए प्रदेश में 32 शाखा अस्पताल खोले।

नेशनल-एशियन पहचान

500 बेड वाले मुख्य अस्पताल में रोजाना सैकड़ों नेत्र सर्जरी होती थीं। मोतियाबिंद, कार्निया प्रत्यारोपण, ग्लूकोमा, रेटिना सर्जरी, सबका उपचार यहां सहज और सुलभ था। इसी कारण एशिया में इसका बड़ा नाम हुआ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन तक इस संस्थान का भ्रमण कर चुके हैं।

अस्पताल का स्वर्णिम काल और दुर्दिन

2009 में बतौर चीफ मेडिकल ऑफिसर नियुक्त होने वाली कर्नल डॉ. मधु भदौरिया का कहना है कि जब उन्हें की जिम्मेदारी दी गई थी, प्रशासनिक अधिकारी उनके पति आर एस भदौरिया को नियुक्त किया गया था। उस दौरान अस्पताल समेत पूरा ट्रस्ट तमाम झंझावतों से जूझ रहा था, अस्पतालों में व्यवस्थाएं चरमरा चुकी थीं। नए संसाधन जुटे नहीं, पुराने संसाधन निष्क्रिय होने लगे, आर्थिक बोझ बढ़ता गया। यही वजह है कि सीतापुर में तमिलनाडु के मदुरै के अरविंद आई केयर सिस्टम के साथ मिलकर नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में काम करने का एमओयू भी किया गया था।

अत्याधुनिक इलाज बहुत सस्ते में

कॉर्पोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों में महंगे इलाज के सापेक्ष सीतापुर आई हॉस्पिटल में अत्यंत कम शुल्क में अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है। इस संबंध में केजीएमयू की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सीतापुर आई हॉस्पिटल के शिक्षण कार्य प्रभारी डॉ .विनीता सिंह का कहना है कि अस्पताल सभी अत्याधुनिक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जो कार्पोरेट सेंक्टर के अस्पतालों में महंगे दामों में उपलब्ध हैं। यहां पर मात्र 150 रुपये के शुल्क पर मरीज के आंखों की जांच के साथ परामर्श मिलता है। अतिरिक्त इलाज कॉर्पोरेट सेक्टर के शुल्क से करीब 50 फीसदी कम होता है, इसके अलावा दवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं।

नेत्र शिक्षा का मजबूत ढांचा

- एमएस ऑप्थल्मोलॉजी- 15 सीटें (हर साल नीट के जरिए)
- कुल 45 पीजी रेजीडेंट प्रशिक्षण ले रहे
- बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) - 40 सीटें
- डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक असिस्टेंट - 30 सीटें
- डीओए, एमसीओपी तथा लो विजन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ओटी असिस्टेंस व मिड-लेवल ऑप्थल्मिक तकनीशियन तैयार किए जाते हैं

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम

लखनऊ के चौपड़ परिसर स्थित अस्पताल में 5 विशेषज्ञ डॉक्टर और 30 पैरामेडिकल स्टाफ सेवाएं दे रहे हैं। सुबह 9 बजे से पंजीकरण के साथ शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक ओपीडी सेवाएं चलती है। रोजाना 100 से 150 मरीज दिखाने आते हैं।

अस्पताल के विशेषज्ञों में

- डॉ. विनीता सिंह - बाल नेत्र रोग
- डॉ. ज्योति भट्ट - ग्लूकोमा/कैट्रेक्ट
- डॉ. अश्वनी सिंह - कार्निया और रेफ्रेक्टिव
- डॉ. शरीन मिश्रा पाण्डेय - रेटिना
- डॉ. गुरसिमरन कौर- एंटिरियर सेगमेंट

नेत्र शिक्षा का बड़ा केंद्र

1964 में स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी ने इस संस्थान को नेत्र विशेषज्ञों की पाठशाला बना दिया। इसका शिलान्यास तत्कालीन राष्ट्रपति राधाकृष्णन और उद्घाटन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। वर्ष 1981 में भारत सरकार ने इसे रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी का दर्जा दिया। साल 1974 में संस्थापक की मृत्युपरांत उनके पुत्र और ट्रस्ट सचिव डॉ. मिथलेश कुमार (एमके) मेहरे ने 2011 तक कमान संभाली। इस दौरान इस अस्पताल और ट्रस्ट को हथियाने के षड़्यंत्र भी रचे गए। वर्ष 1994 में राजनैतिक हस्तक्षेप से संस्थान में वरिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल भी हुई, ट्रस्ट के समक्ष मुश्किलें इस कदर खड़ी कर दी गई थी कि संस्थान की सुरक्षा के लिए तत्कालीन ट्रस्ट प्रशासन को बाहुबलियों का सहयोग लेना पड़ा, जिसमें आर्थिक व्यय अत्यधिक था। हालांकि आर्थिक चुनौतियां आदि इस संस्थान के पतन के कारण बने। वर्ष 2002 में कार्यकारी प्रशासनिक अधिकारी डॉ. ए. के. पॉल के निधन और बाद में व्यवस्थागत कमजोरियों के बीच अस्पताल लगातार लड़खड़ाता गया। हालांकि वर्ष 2009-10 में ट्रस्ट ने जिम्मेदारी कर्नल डॉ. मधु भदौरिया और प्रशासनिक प्रबंधन आर. एस. भदौरिया को सौंपी, जिसके बाद पुनरोद्धार की प्रक्रिया शुरू हुई।

मिल रहा है गंभीर बीमारियों का अत्याधुनिक इलाज

संस्थापक डॉ. मेहरे द्वारा 1949 में बनाए गए ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित सीतापुर नेत्र चिकित्सालय में वर्तमान नामित ट्रस्टी (कर्नल) डॉ. मधु भदौरिया का कहना है कि वर्तमान में सीतापुर अस्पताल समेत प्रदेश में पांच अस्पताल संचालित हो रहे हैं, प्रयागराज स्थित अस्पताल वर्तमान में राज्य सरकार से लौटकर पुन: ट्रस्ट के पास वापस आ चुका है, जिसे मरीजों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2008-09 में जो अस्पताल बंद हो गया था, उस अस्पताल में एक साल में 50 हजार से ज्यादा सर्जरी हो रही हैं, जो कि साल दर साल आकंड़ा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजधानी लखनऊ समेत अन्य शाखा अस्पतालो में डे केयर की सुविधा के साथ नेत्र संबंधी समस्त चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। राजधानी में हजरतगंज स्थित चौपड़ हास्पिटल परिसर में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीमारियों में बताया कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन के साथ ही, रेटिना ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ऑप्थलमोलॉजी, आई बैंक, कार्निया प्रत्यारोपण और ग्लूकोमा तक का अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है।

45 रेजीडेंट्स करते हैं एमएस

सीतापुर आई हॉस्पिटल के कॉलेज में एमएस ऑप्थल्मोलॉजी पीजी की 15 सीटें हैं, जिन पर हर साल नीट काउंसिलिंग के द्वारा दाखिला मिलता है। इस प्रकार तीन साल के करीब 45 पीजी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण के साथ चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा चार वर्षीय बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) की 40 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक एसिस्टेंट की 30 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। इसके आलवा डीओए और एमसीओपी पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिसमें मिड लेवल आप्थैलमिक टेक्नी शियन का प्रशिक्षण दिया जाता है, मरीजों को ओटी में तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। लो विजन ट्रेनिंग प्रोग्राम भी सिखाया जाता है।

लो विजन विभाग : रोशनी खोने वालों को जीवन का सहारा

जब उम्र या बीमारी से आंखों की रोशनी बहुत कम रह जाती है, तो लो विजन विभाग मौजूद विशेष उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्मार्टफोन आधारित तकनीक से मरीजों को फिर से चलने-फिरने और दैनिक काम करने योग्य बनाता है।

उपलब्ध सेवाएं -

- मोतियाबिंद सर्जरी, ग्लूकोमा उपचार, रेटिना सर्जरी, कॉर्निया सर्जरी, बाल नेत्र रोग, न्यूरो-ऑफ्थल्मोलॉजी, ओकुलोप्लास्टी, नेत्र पुनर्वास सेवाएं।

अनुभूति

लंबे चौधरी और होली की मस्ती

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

बात उन दिनों की है जब मैं अपने जनपद बदायूं के एस.के. इंटर कॉलेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ रहा था। कॉलेज में होली की छुट्टियां हो गई थीं और मैं होली मनाने गांव आ गया था। उन दिनों होली कम से कम एक सप्ताह की होती थी।

गांव में एक थे लंबे चौधरी। उनका असली नाम क्या था किसी को नहीं मालूम, सब उन्हें लंबे चौधरी के नाम से ही जानते थे। लंबी चौड़ी कद काठी, गठा हुआ शरीर और रूआबदार चेहरा। निपट अनपढ़ थे। मगर उनकी स्मरण शक्ति बड़ी गजब की थी। हम लोग गांव के रिश्ते से उन्हें बाबा कहते थे, मगर लंबे चौधरी हम लोगों से भी हंसी मजाक और ठिठोली करने से नहीं चूकते थे। एक बार हम लोगों ने होली पर लंबे चौधरी को उनकी हंसी मजाक का जवाब उन्हीं के अंदाज में देने की योजना बनाई। लंबे चौधरी को छेड़ने का मतलब था, सांप के बिल में हाथ डालना। मगर हम लोग अपने निर्णय पर अडिग थे। हमारी योजना तब और आसान हो गई। जब लंबे चौधरी के हम लोगों के हम उम्र चार-पांच भतीजे हमारी योजना में शामिल हो गए।

होली के चार-पांच दिन बाकी रह गए थे। गांव में होली का उल्लास पूरे जोरों पर था। रात को काफी देर तक बड़ी चौपाल पर ढोल-नगाड़े के साथ होली के गीत होते रहते और आधी रात के बाद शुरू होता गांव की होली को ऊंचा और बड़ा करने का अभियान। सब दूर-दूर से सूखी लकड़ी पेड़ों की टहनी, पुराने ठूंठ लेकर आते और होली पर डालते।

एक रात जब सब लोग होली बढ़ाने के अभियान के लिए चले गए, तो योजना के अनुसार हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, मगर हम लोग यह देखकर हैरान रह गए कि लंबे चौधरी जाग रहे थे। लगातार तीन दिन तक हम लोग आधी रात के बाद लंबे चौधरी की चौपाल पर जाते रहे मगर हमें सफलता हाथ नहीं लगी। अगली रात को जब हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, तो हम सब की बांछें खिल गईं। वे गहरी नींद में सो रहे थे और उनके खर्राटे दूर-दूर तक गूंज रहे थे। ईश्वर शायद आज हम लोगों पर कुछ अधिक ही मेहरबान था। लंबे चौधरी चौपाल पर बिल्कुल अकेले थे।

अपनी योजना के अनुसार हम लोगों ने रस्सी से लंबे चौधरी को चारपाई से अच्छी तरह से बांध दिया और फिर हममें से चार लड़के लाठियां डालकर चारपाई को कंधों पर रखकर होली की तरफ चल दिए। किसी खतरे की सूचना देने के लिए दो-तीन लड़के हमसे कुछ दूरी पर आगे-आगे चल रहे थे और दो-तीन पीछे-पीछे। यह एक संयोग ही था कि हमें किसी ने नहीं देखा और बिना किसी रुकावट के हम लोग होली के पास पहुंच गए। हमने लंबे चौधरी को चारपाई सहित होली पर रख दिया और फिर चुपचाप अपने-अपने घरों को लौट गए।

सुबह जब गांव के लोग जागे तो सबने होली पर एक अजब नजारा देखा। होली के ढेर पर चारपाई से बंधे लंबे चौधरी खर्राटे भर कर सो रहे थे। धीरे-धीरे होली के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोग आपस में कानाफूसी कर रहे थे। लोगों की आवाजें सुनकर लंबे चौधरी जाग गए। उन्होंने चारपाई से उठने की कोशिश की मगर चारपाई से अच्छी तरह से बंधे होने के कारण वे उठ नहीं पाए। उन दिनों गांवों में यह मान्यता थी कि होली के ढेर पर एक बार जो चीज रख दी गई उसे वापस नहीं उठाया जा सकता। अब लंबे चौधरी के साथ क्या किया जाए, सब इसी के बारे में बातचीत कर रहे थे। धीरे-धीरे पूरा गांव वहां जमा हो गया था। हम लोग भी एक तरफ खड़े यह नजारा देख रहे थे। इस समस्या पर विचार करने के लिए गांव के कुछ बुजुर्गों की एक पंचायत बैठी। काफी देर के विचार-विमर्श के बाद उन लोगों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि लंबे चौधरी के भाई लंबे चौधरी के वजन से दोगुनी लकड़ी होली के ढेर पर रखें तभी लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सकता है।

अब इतनी सूखी लकड़ी कहां से आए यह समस्या चौधरी के भाईयों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। उन लोगों ने अपनी एक पुरानी बैलगाड़ी को कई घंटे की मेहनत के बाद कुल्हाड़ियों से चीरकर होली के ढेर पर रखा तब कहीं जाकर लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सका। लंबे चौधरी की यह हालत देखकर लोग मन ही मन मुस्कुरा रहे थे। औरतें घूंघट मुंह में दबाकर हंस रही थीं। लंबे चौधरी किसी नाग की तरह फुफकार रहे थे और धारा प्रवाह गालियां दे रहे। उनकी गालियां भी हम लोगों को होली के प्रसाद की तरह लग रही थीं।

जॉब का पहला दिन

भावनाएं, अनुभव और एक नई शुरुआत

जीवन में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो समय बीत जाने के बाद भी स्मृतियों में सदैव ताजे बने रहते हैं। नौकरी का पहला दिन भी ऐसा ही एक अविस्मरणीय अनुभव है। यह केवल रोजगार की शुरुआत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास की दिशा में उठाया गया पहला सशक्त कदम होता है। उस दिन मन में उत्साह, जिज्ञासा, हल्की घबराहट, भविष्य के सपने और स्वयं को सिद्ध करने का संकल्प सभी भावनाएं एक साथ उमड़ती हैं।

प्रो. हिमांशु शेखर सिंह
अयोध्या

मेरे जीवन में यह महत्वपूर्ण अवसर तब आया, जब मैं 10 जनवरी 1994 को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में अपने प्रथम कार्य दिवस हेतु पहुंचा। प्रारंभिक रूप से 8 जनवरी को भी मैं बड़े उत्साह से वहां गया था, पर द्वितीय शनिवार होने के कारण कार्यालय बंद मिला और कार्यभार ग्रहण नहीं कर सका। हल्की निराशा के बावजूद मन में दृढ़ विश्वास था कि शीघ्र ही नई यात्रा प्रारंभ होगी। दो दिन बाद पुनः पहुंचा तो मन में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का भाव अधिक प्रबल था। विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही ऐसा लगा मानो जीवन का एक नया अध्याय खुल रहा हो।

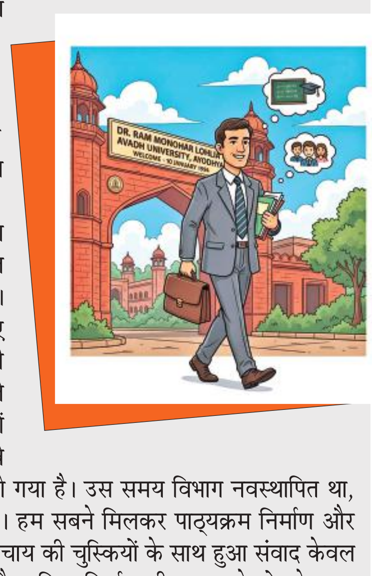

विभागाध्यक्ष प्रो. एस. सी. सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षकों ने अत्यंत आत्मीयता से स्वागत किया। उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार मेरे लिए प्रेरणास्रोत बना। नियुक्ति संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए जब मैंने संबंधित कार्यालयों में पत्र जमा किए, तो लगा कि लंबे समय से प्रतीक्षित लक्ष्य साकार हो गया है। उस समय विभाग नवस्थापित था, इसलिए कक्षाएं प्रारंभ नहीं हुई थीं। हम सबने मिलकर पाठ्यक्रम निर्माण और शैक्षणिक योजनाओं पर चर्चा की। चाय की चुस्कियों के साथ हुआ संवाद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि सहयोग और भविष्य निर्माण की भावना से ओतप्रोत था। पहली नौकरी व्यक्ति को विद्यार्थी से जिम्मेदार पेशेवर की भूमिका में परिवर्तित कर देती है। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं- क्या मैं अपेक्षाओं पर खरा उतर पाऊंगा?

कार्य का वातावरण कैसा होगा? किंतु यही प्रश्न आत्मविश्वास को भी जन्म देते हैं। विशेषकर शिक्षण क्षेत्र में पहली बार कक्षा में प्रवेश करना अत्यंत भावनात्मक अनुभव होता है। विद्यार्थियों का आदरपूर्ण अभिवादन यह एहसास कराता है कि शिक्षण केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य गढ़ने की प्रक्रिया है। समय के साथ अनुभव बढ़ता गया और प्रारंभिक संकोच आत्मविश्वास में बदलता गया। 33 वर्षों की इस यात्रा ने मुझे सिखाया कि सफलता का आधार केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण है।

चुनौतियां हर क्षेत्र में आती हैं, पर वही हमें परिपक्व और सशक्त बनाती हैं। एक शिक्षक के रूप में मैंने अनुभव किया कि ज्ञान बांटने से स्वयं का ज्ञान भी समृद्ध होता है और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही वास्तविक संतोष देता है। नए शिक्षकों के लिए मेरा संदेश है कि शिक्षण को केवल नौकरी न समझें, बल्कि इसे समाज निर्माण का पवित्र दायित्व मानें। निरंतर अध्ययन, विनम्रता, नई तकनीकों को अपनाने की तत्परता और विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता ये गुण एक आदर्श शिक्षक की पहचान हैं। यदि व्यक्ति अपने मूल्यों, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को बनाए रखे, तो हर दिन नई सीख और नई उपलब्धि लेकर आता है। अंततः निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और समर्पण ही जीवन में आगे बढ़ने के सच्चे मूल मंत्र हैं।

कुमाऊंनी होली : नाद, राग और स्वर की जीवित विरासत

कुमाऊं की होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शास्त्रीय संगीत की भाव-समृद्ध परंपरा का जीवंत उत्सव है। यहां होली नाद, राग और स्वर के विशिष्ट संयोजन से सजी होती है। जिन्होंने भी इस परंपरा को अपने ज्ञान, साधना और सुरों की तपस्या से आगे बढ़ाया, उनकी समझ और गायकी की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। कुमाऊंनी होली में शास्त्रीय संगीत का अनुशासन भी है और लोकजीवन की सहजता भी, यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

एक समय था जब गांवों में होली का इंतजार बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को रहता था। बड़े ढोल की थाप पर गोल घेरे में खड़े होकर होली गाई जाती थी। कम से कम बीस-पच्चीस होलियारों की टोली, ढोल की गूंज और बीच-बीच में मिलने वाले गुड़ या आलू के गुटके, बच्चों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था, जो लोग रोजगार के लिए बाहर गए होते, वे भी होली पर अपने घर जरूर लौटते थे। उनकी उपस्थिति से गांव में रौनक बढ़ जाती और बच्चों को होलियारों की टोली में शामिल होने का अवसर मिलता, लेकिन समय बदला, पलायन बढ़ा और त्योहारों पर घर लौटने की परंपरा कम होती गई। गांव खाली होने लगे और होली गायन की धारा भी मंद होने लगी। अब इस परंपरा को बचाए रखने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है।

मुझे याद है जब गांव का होली में प्रयोग होने वाला बड़ा ढोल खराब हो गया था और उसे उपयोग में नहीं लाया जा सका। मान्यता थी कि एक बार होली छोड़ दी तो फिर वह दोबारा नहीं हो सकती इसलिए तब हमने एक कनस्तर को ही ढोल बना लिया और पूरे गांव में होली गाई। वह साधन भले ही साधारण था, पर उत्साह और परंपरा के प्रति समर्पण असाधारण था।

बैठकी और खड़ी होली : अनुशासन और उल्लास

कुमाऊं में मुख्यत: दो प्रकार की होली प्रचलित है बैठकी और खड़ी होली। बैठकी होली में शास्त्रीय रागों का आधार स्पष्ट दिखाई देता है। यह विशेष रूप से अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, नैनीताल और चंपावत में अपने पूरे सौंदर्य के साथ जीवित है। खड़ी होली खुले स्थान पर गोल घेरे में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते हुए गाई जाती है। इसमें सामूहिकता और उत्सवधर्मिता का अद्भुत संगम होता है।

स्त्रियों की होलियां और मर्यादा का संगीत

पहाड़ों में महिलाओं की होलियां और स्वांग भी अत्यंत रोचक होता है। वे तात्कालिक रचनाएं करती हैं, श्रृंगार और हंसी-ठिठोली के रंग बिखेरती हैं, पर मर्यादा का ध्यान बनाए रखती हैं। शिव के मन माहि बसे काशी, जल कैसे भरूं जमुना गहरी जैसी होलियां आज भी लोकप्रिय हैं।

चंपावत : होली परंपरा का अग्रणी जनपद

वर्तमान समय में यदि पुरानी परंपरा से कुमाऊंनी होली की जीवंतता की बात करें, तो चंपावत जनपद अग्रणी माना जाता है। कभी चंद्रवंशी शासकों की राजधानी रही यह चंपा नगरी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ अपनी सांगीतिक परंपराओं के लिए भी जानी जाती है। हालांकि यहां की होली में बरसाना की लठमार होली की तरह को विशेषता तो नहीं, पर अपनी सौम्यता और सामूहिक नृत्य-गायन और होलियारों विशेष कदम और ढोल की थाप के कारण यह विशिष्ट पहचान रखती है। यहां महिलाएं और पुरुष समान रूप से दिन में गोल घेरे में खड़े होकर होली गाते हैं। होली में विजयसार की लकड़ी से बने ढोलों का प्रयोग होता है, जिनकी कीमत आज बीस हजार से 30 हजार रुपये तक हो सकती है।

परंपरा की चुनौती और हमारी जिम्मेदारी

आज पलायन, आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के कारण यह परंपरा धीरे-धीरे सिमट रही है। शराब जैसी कुप्रथाएं भी कहीं-कहीं इस पावन उत्सव की गरिमा को प्रभावित करती हैं। फिर भी आशा की किरण जीवित है, जब तक युवाओं में अपने लोक-संगीत और संस्कृति के प्रति प्रेम रहेगा, कुमाऊंनी होली का नाद गूंजता रहेगा। कुमाऊं की होली केवल गीत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित होती आ रही सांस्कृतिक चेतना है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी ढोल की थाप पर उसी उल्लास से गा सकें 'बलमा घर आए फागुन में...'

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,287 .19	25,178 .65
बढ़त /गिरावट	961.42	317 .90
प्रतिशत में	1.173	1.25

सोना 1,64,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,000 प्रति किलो

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2550, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13kg 2110, जय जवान 2040, सचिन 2080, सूरज 2065, अवसर 1930, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1930, क्लासिक (kg) 2280, मोर 2260, चक्र टिन 2315, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2505 **किराना**–महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000–21000, धनिया 11000–12000, अजवायान 14000–20000, मेथी 7000–8000 सौंफ 10000–20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 800–1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350–400, मखाना 950–1100 **चावल**– (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किलो,5किलो) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200 **दाल दलहन** –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100 **चीनी**– पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260 **बरेली सर्राफा** –(प्रति 10 ग्राम) गोल्ड (पक्के जेवर) 160000, गोल्ड (गिन्नी जेवर) 156000, सिल्वर (पक्की) 2650 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

एफडीआई 18 % बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल–दिसंबर अवधि में देश के भीतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 47 .87 अरब यूएस डॉलर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024–25 की समान अवधि में देश के भीतर 40 .67 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पुनर्निवेशित आय सहित कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल–दिसंबर 2025–26 के दौरान 73 .31 अरब डॉलर रहा।

देखो मेरी दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली पर्यटन की अत्याधुनिक डबल डेकर इलेक्ट्रिक टूरिस्ट बस सेवा 'देखो मेरी दिल्ली' को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। फोटो : एजेंसी

16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित सम्मेलन में बोले मोंटेक सिंह अहलूवालिया

बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य

हैदराबाद, एजेंसी

अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा है कि राज्य सरकारें अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए उन बड़े खेतों पर कर लगा सकती हैं जो विविधीकरण से उच्च आय अर्जित कर रहे हैं। यहां बुधवार को 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित एक सम्मेलन में पूर्ववर्ती योजना आयोग के वाइस चेयरमैन रह चुके अहलूवालिया ने कहा कि राज्य विविधीकृत कृषि पर कराधान से प्राप्त राजस्व पूरी तरह अपने पास रख सकते हैं। इसे केंद्र के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

- कहा-वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए ज्यादा इनकम वालों पर टैक्स लगा सकती हैं सरकारें

उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि संपूर्ण कृषि पर केंद्र कर नहीं लगा सकता और केवल राज्य ही कर लगा सकते हैं। क्या यह मान लिया जाए कि कृषि को हमेशा के लिए आयकर से मुक्त रखा जाना चाहिए, चाहे खेत का आकार कुछ भी हो? इसका बचाव करना बहुत कठिन है। अहलूवालिया ने कहा, ''यदि आपके पास विविध तरह के मध्यम आकार के खेत हैं तो वे निश्चित रूप से पर्याप्त उच्च आय उत्पन्न कर सकते हैं। आयकर की श्रेणी में आ सकते हैं। वह कर 100 प्रतिशत राज्यों को जाएगा। उसे केंद्र द्वारा नहीं लिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि संविधान में ऐसा कुछ नहीं है जो किसी राज्य सरकार को नीचे के स्तरों पर संसाधनों का हस्तांतरण करने से रोकता हो, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि प्रायः दबाव केंद्र सरकार की ओर निर्देशित किया जाता है। अहलूवालिया ने कहा कि यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक निर्णय के रूप में सरकार के तीसरे स्तर यानी स्थानीय निकायों को धन हस्तांतरित और विकेंद्रीकृत करने का निर्णय लेता है, तो उसे केंद्र की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

अर्थशास्त्री ने यह भी कहा कि कि अधिकांश देशों में मानव पूंजी...जिसमें बाल स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, शिक्षा और संबंधित क्षेत्र शामिल है...राष्ट्रीय स्तर की तुलना में सरकार के निचले स्तरों से अधिक जुड़ी हुई है। उन्होंने भारतीय राज्यों में मौजूद असमानताओं का जिक्र करते हुए कहा कि दक्षिणी राज्यों ने उल्लेखनीय रूप से कम प्रजनन दर के कारण जनसंख्या वृद्धि में काफी कमी हासिल की है।

हालात बदले तो डील भी बदलेगी: गोयल

टैरिफ मुद्दे पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर बदलते हालात पर सरकार की नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है। हालात लगातार बदल रहे हैं और सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। यह बात उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राइजिंग भारत समिट 2026 को सम्बोधित करते हुए कही। एक प्रश्न के उत्तर में गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में हैं और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है।

उद्योग मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में

सहयोग के नए अवसर खुलें।

व्यापार समझौते में भारत की स्थिति क्या है? पूछने पर गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बदलने पर व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) की शर्त रखी गई है।

टैरिफ दरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि अगर शुल्क दर 18 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत होती है, तो निर्यात को बिना बाधा जारी रखने में मदद मिलेगी।

गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। उनके अनुसार, अगर भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर मिलती है, तो यह निर्यात के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत को निर्यात में बड़ा नुकसान झेलना पड़ता था, जबकि इसे कम स्तर पर लाना भारत के लिए महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या शुल्क में बदलाव भारत के लिए कोई फायदा देता है, तो मंत्री ने कहा कि यह घरेलू कंपनियों को बिना रुकावट निर्यात जारी रखने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, "ध्यान रखें, कोई भी व्यापार समझौता या अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। इसका मतलब केवल यह नहीं कि शुल्क कितना है, बल्कि यह भी देखा जाता है कि इससे आप अपनी प्रतिस्पर्धा में कितनी बढ़त पा सकते हैं। और निश्चित रूप से, जब शुल्क 50 प्रतिशत था, हमारी कंपनियों को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।"

अमेरिकी सेब पर शुल्क रियायत के खिलाफ सेब उत्पादक करेंगे प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादक अमेरिकी सेब पर प्रस्तावित शुल्क रियायत के खिलाफ अगले महीने दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है। अमेरिका से आने वाले सेब भारतीय बाजार में बिना किसी आयात शुल्क के प्रवेश करेंगे। उत्पादकों को आशंका है कि अमेरिका से सेबों की बाढ़ भारतीय बाजार में आ जाएगी और इससे घरेलू किसानों को बड़ा झटका लगेगा। कुलगाम के विधायक एवं श्रमिक संघ नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने यहां पत्रकारों से कहा, 'हमने कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों को शामिल करते हुए ''एप्पल फार्मर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया'' (एएफएफआई) का गठन किया है। हमने मार्च में (व्यापार समझौते के खिलाफ) दिल्ली में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।' तारिगामी ने कहा कि एएफएफआई ने संयुक्त किसान मोर्चा से देश के सेब किसानों के समर्थन में एकजुटता दिखाने की अपील की है, जो अपनी आजीविका पर हमले का सामना कर रहे हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर तारिगामी ने कहा कि यह 'व्यवहारिक रूप से अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण है।' उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि इस व्यापार समझौते में अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने पर प्रतिबंधित किया है। यदि हमारे देश को कुछ खरीदना है तो हमें अमेरिका की इच्छाओं पर विचार करना होगा। ऐसे में हम व्यापार संबंधी अपने निर्णयों में संप्रभु नहीं रहेंगे।' कुलगाम के विधायक ने कहा कि सेब उद्योग, कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा, 'जम्मू में छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, लेकिन यहां अधिक नहीं हैं। हमारे पास हस्तशिल्प था लेकिन वह भी गिरावट के दौर में है। हमारी अंतिम उम्मीद सेब है लेकिन अब हम अमेरिकी सेब से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।'

सरकारी लेनदेन वाले बैंकों के लिए नियमावली जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

लेखा महानियंत्रक टी.सी.ए. कल्याणी ने सरकारी लेनदेन करने वाले बैंकों के संचालन और दक्षता को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में सरकारी बैंक डैशबोर्ड और सरकारी बैंक नियमावली का शुभारंभ किया।

सरकारी बैंक नियमावली बैंकों को सरकारी लेनदेन की प्रक्रिया के संबंध में एक व्यापक और मानक ढांचा प्रदान करती है। इसमें परिचालन प्रक्रियाओं, रिपोर्टिंग दायित्वों, मिलान की समय-सीमा और अनुपालन आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से बताया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इसका उद्देश्य अस्पष्टता और परिचालन जोखिम को कम करना तथा सभी हितधारकों के बीच जवाबदेही को मजबूत करना है।

सरकारी बैंक डैशबोर्ड सरकारी कामकाज से संबंधित महत्वपूर्ण बैंकिंग कार्यों की वास्तविक समय में डेटा-आधारित निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। यह

प्रेषण की समय-सीमा, स्क्रॉल अनुपालन, मिलान स्थिति, लेनदेन की सफलता की दर और सेवा-स्तर के मानकों के पालन पर नजर रखता है। श्रीमती कल्याणी ने कहा कि ये सुधार सार्वजनिक धन की सुरक्षा में साझा जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि सुधारों के अगले चरण में गहन डिजिटल एकीकरण, मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों, उन्नत विश्लेषणात्मक क्षमताओं और संस्थागत क्षमता निर्माण पर फोकस किया जायेगा जिससे सरकारी बैंकिंग संचालन के पारितंत्र का और आधुनिकीकरण किया जा सकेगा।

विमान में खतरनाक वस्तुएं ले जाने के नए नियम

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन मंत्रालय ने विमान में खतरनाक वस्तुओं को ले जाने के बारे में संशोधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इनमें ऐसी वस्तुओं की साज-संभाल के लिए प्रमाणन-आधारित और जवाबदेही-आधारित व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। खतरनाक वस्तुओं से आशय उन वस्तुओं या पदार्थों से है जो स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।

नियमों में खतरनाक वस्तु की आवाजाही की जानकारी देने संबंधी ढांचे को कड़ा किया गया है। ये नियम अघोषित या गलत जानकारी देकर खतरनाक वस्तुओं को विमान में लेकर जाने से जुड़े

हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इन वस्तुओं के प्रबंधन में चूक के मामलों में जांच के आदेश देने का अधिकार मिला है।'विमान (खतरनाक वस्तुओं का परिवहन) नियम, 2026' को हितधारकों से परामर्श के बाद 17 फरवरी को अधिसूचित किया गया।

विमानन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खतरनाक वस्तुओं के परिवहन से संबंधित

- स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली वस्तुएं शामिल

2003 के नियम पूर्ववर्ती विमान अधिनियम के तहत बनाए गए थे और मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के मानकों के अनुरूप परिचालन अनुपालन विनियमों के रूप में कार्य करते थे।

इस अधिकारी ने 'एजेंसी' से कहा कि नए नियमों में सुस्पष्ट निगरानी चक्र, औपचारिक स्वीकृतियां तथा व्यवस्थित प्रवर्तन शक्तियां शामिल हैं। अन्य प्रावधानों के तहत भारतीय एयरलाइंस को खतरनाक वस्तुओं के परिवहन के लिए डीजीसीए से प्रमाणन लेना जरूरी होगा।

साथ ही, विदेशी विमानन कंपनियों को भारत से और भारत के लिए खतरनाक वस्तु ले जाने के लिए पूर्व-अनुमति लेनी होगी।

नियमों के मुताबिक, कोई भी प्रेषक या उसका एजेंट हवाई परिवहन के लिए किसी भी खतरनाक वस्तु के पैकेज या 'ओवरपैक' की पेशकश तब तक नहीं करेगा जब तक यह सुनिश्चित न कर ले कि ऐसी खतरनाक वस्तुएं हवाई परिवहन के लिए निषिद्ध नहीं हैं और उन्हें तकनीकी निर्देशों में निर्दिष्ट शर्तों के अनुरूप सही ढंग से चिह्नित, वर्गीकृत, पैक और लेबल नहीं किया गया है।

'ओवरपैक' में किसी प्रेषक कंपनी द्वारा एक या अधिक पैकेज को एक साथ रखा जाता है, ताकि उन्हें संभाल पाना और रखना आसान हो।

अब देश में ही बनेगा एमॉर्फस स्टील आंध्र में लगा प्लांट

दिल्ली। बिजली के ट्रांसफॉर्मरों में इस्तेमाल होने वाला एमॉर्फस स्टील अब देश में ही बनेगा। इसके लिए जापानी कंपनी प्रोटेरियल की भारतीय इकाई प्रोटेरियल इंडिया ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में जनवरी में फैक्ट्री लगाने का काम शुरू किया है और इस साल अक्टूबर तक उत्पादन आरंभ होने की उम्मीद है। बता दें कि भारत अब तक इसका आयात करता रहा है।

प्रोटेरियल इंडिया ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़े बाजार को देखते हुए कंपनी ने भारत में अपना तीसरा संयंत्र लगाने का फैसला किया है।

1.64 लाख पहुंचा सोने का भाव, चांदी गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी

मिले-जुले वैश्विक संकेतों और आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली से शुक्रवार को सोने की कीमतों उछाल आया। सोना 1800 रुपये बढ़कर 1,64,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बृहस्पतिवार को 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमत बढ़ी। बाजार में बढ़ते अमेरिकी

व्यापार संरक्षणवाद और स्थिर डॉलर के मुकाबले पश्चिम एशिया में लगातार तनाव का असर है।' उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक टकराव और शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता ने सुरक्षित निवेश की मांग जारी रही। सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में दूसरे दिन भी गिरावट जारी रही। चांदी यह 2,70,500 रुपये प्रति किलोग्राम के पिछले बंद भाव से 2,500 रुपये टूटकर 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम (कर सहित) पर आ गयी।

आर्थिक वृद्धिदर 7.4 % रहने का अनुमान

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 0.20 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.0-7.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था का आकार आसानी से 4,000 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। जनवरी में संसद में पेश आर्थिक समीक्षा में अगले वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। नागेश्वरन ने राष्ट्रीय आय की नई श्रृंखला जारी किए जाने के मौके पर संवाददाताओं से कहा, "नई श्रृंखला के आधार पर हम वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को पहले के 6.8-7.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.0-7.4 प्रतिशत कर रहे हैं।

जानकारी

जानें कैपिटल गेन टैक्स से जुड़ी हर जरूरी बात

प्रॉपर्टी, शेयर या सोना बेचने पर कितना टैक्स लगेगा

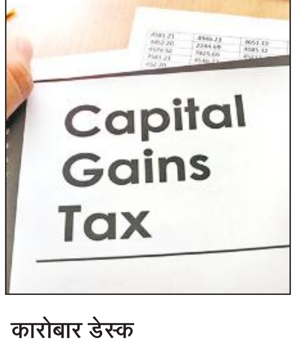

कारोबार डेस्क

भारत में कैपिटल गेन टैक्स (पूंजीगत लाभ कर) और उससे मिलने वाली छूट (एग्जेंप्शन्स) के नियमों को समझना किसी भी निवेशक या संपत्ति के मालिक के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बजट 2024 के बाद इन नियमों में काफी बदलाव आए हैं। यहाँ विस्तार से इसकी जानकारी दी गई है

1. कैपिटल गेन क्या है?

जब आप किसी ''कैपिटल एसेट'' (जैसे जमीन, मकान, शेयर, म्यूचुअल फंड, सोना, बॉन्ड आदि) को उसकी खरीद की कीमत से अधिक दाम पर बेचते हैं, तो होने वाले मुनाफे को कैपिटल गेन कहा जाता है। इस लाभ पर जो टैक्स सरकार को दिया जाता है, उसे कैपिटल गेन टैक्स कहते हैं।

इसे दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है :

- **शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) :** कम समय के लिए संपत्ति रखने पर।
- **लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) :** लंबे समय तक संपत्ति रखने के बाद बेचने पर।

2. होल्डिंग पीरियड और टैक्स की दरें (बजट 2024 के बाद)

संपत्ति को कितने समय तक रखने पर उसे ''लॉन्ग-टर्म'' माना जाएगा, यह एसेट के प्रकार पर निर्भर करता है :

2.1) लिस्टेड शेयर और इक्विटी म्यूचुअल फंड

समय सीमा : 12 महीने (1 साल)।

- एसटीसीजी (1 साल से कम) : अब 20% की दर से टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी (1 साल से अधिक) : अब 12 .5% की दर से टैक्स लगता है।
- छूट : एक वित्तीय वर्ष में 1.25 लाख तक का लॉन्ग-टर्म मुनाफा टैक्स-फ्री होता है।

2.2) अचल संपत्ति (रियल एस्टेट- घर या जमीन)

समय सीमा : 24 महीने (2 साल)।

- एसटीसीजी : आपकी कुल आय में जोड़ा जाता है और आपके इनकम टैक्स स्लैब (5%, 20%, 30%) के अनुसार टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी : अब फ्लैट 12 .5% की दर से टैक्स लगता है। (पहले यह 20% था लेकिन इंडेक्सेशन का लाभ मिलता था, जिसे अब नए नियमों में हटा दिया गया है)।

2 .3) अनलिस्टेड शेयर और सोना

समय सीमा : 24 महीने।

- एसटीसीजी : टैक्स स्लैब के अनुसार।
- एलटीसीजी : 12 .5%।

3. टैक्स बचाने के उपाय (एग्जेंप्शन्स)

भारत का आयकर कानून (इनकम टैक्स एक्ट, 1961) निवेशकों को कुछ विशेष निवेश करने पर टैक्स से छूट देता है।

मुख्य धाराएं नीचे दी गई हैं :

- **धारा 54 (सेक्शन 54) :** घर बेचकर घर खरीदना यह छूट केवल ''रेसिडेंशियल हाउस'' (रहने वाले घर) की बिक्री पर मिलती है। **शर्त :** पुराने घर को बेचने के बाद आपको दूसरा घर खरीदना होगा।

समय : नया घर बिक्री की तारीख से 1 साल पहले खरीदा गया हो, या 2 साल के भीतर खरीदा जाए। यदि आप घर बना रहे हैं, तो 3 साल का समय मिलता है।

लाभ : जितना पैसा आप नए घर में निवेश करेंगे, उतने मुनाफे पर टैक्स नहीं लगेगा। यदि नया घर मुनाफे से महंगा है, तो पूरा टैक्स बच जाएगा।

- **धारा 54EC :** कैपिटल गेन बॉन्ड्स

यदि आपने जमीन या मकान बेचा है और आप दूसरा घर नहीं खरीदना चाहते, तो आप बॉन्ड्स में निवेश कर सकते हैं।

कहाँ निवेश करें : एनएचएआई, आरईसी, पीएफसी या आईआरएफसी के स्पेसिफाइड बॉन्ड्स में। **शर्त :** संपत्ति बेचने के 6 महीने के भीतर निवेश करना अनिवार्य है।

सीमा : आप एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 50 लाख तक निवेश कर सकते हैं।

लॉक-इन पीरियड : इन बॉन्ड्स को 5 साल तक बेचना नहीं होता।

- **धारा 54F :** घर के अलावा अन्य संपत्ति बेचकर घर खरीदना । यदि आपने सोना, शेयर या कमर्शियल प्लॉट बेचकर मुनाफा कमाया है, तो भी आप टैक्स बचा सकते हैं।

शर्त : आपको मुनाफे के पैसे से एक रेसिडेंशियल हाउस खरीदना होगा।

विशेष नियम : धारा 54 में सिर्फ ''मुनाफा'' निवेश करना होता है, लेकिन 54F में आपको 'पूरी बिक्री राशि' निवेश करनी पड़ती है। यदि आप केवल आधा पैसा निवेश करते हैं, तो छूट भी आनुपातिक (प्रोपोर्शनल) मिलेगी।

वाहन खरीदने में महाराष्ट्र, यूपी गुजरात के लोग सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

वाहन खरीदने के मामले में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के लोग सबसे आगे रहे। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश में कुल 12.76 लाख यात्री वाहन बिके। इसमें 12.4 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर रहा जिसमें 1.58 लाख वाहन बिके। उत्तर प्रदेश 10.8 फीसदी के साथ दूसरे और गुजरात 8.2 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर रहा। यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं।

घरेलू बाजार में तिमाही के दौरान दुपहिया की कुल बिक्री 56.96 लाख इकाई रही। सबसे ज्यादा 8.62 लाख इकाई (15.1 प्रतिशत) की

बिक्री उत्तर प्रदेश में हुई। महाराष्ट्र (11.3 प्रतिशत) दूसरे, तमिलनाडु (8.0 प्रतिशत) तीसरे और गुजरात (7.4 प्रतिशत) चौथे स्थान पर रहा। खास बात यह है कि कुछ राज्य जो यात्री वाहनों की खरीद में काफी पीछे थे, दुपहिया की खरीद में काफी आगे दिख रहे हैं। तिपहिया की बिक्री में 25 हजार इकाई (11.7 प्रतिशत) के साथ गुजरात ने बाजी मारी। उत्तर प्रदेश 11.5 प्रतिशत और महाराष्ट्र 11.2 प्रतिशत के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में भरी उड़ान

जयपुर, एजेंसी

- रचा इतिहास : राफेल व सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरकर इतिहास रचा। मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान राफेल और सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं।

भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने आलिव ग्रीन रंग की वर्दी और हेलमेट पहन प्रचंड में बतौर सह-पायलट उड़ान भरी। यह मिशन दो विमानों के एलसीएच फॉर्मेशन के रूप में क्रियान्वित किया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ पहले विमान में उड़ान भरी जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र दूसरे विमान में नंबर दो के रूप में सवार थे।

लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया।

किशोरियों को देंगे सुरक्षा कवच

भारत की बेटियों को जानलेवा कैंसर से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 14 वर्ष की किशोरियों के लिए राष्ट्रव्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान (एचपीवी वैक्शिनेशन) शुरू करने का निर्णय लिया है। यह पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारी कमी लाएगी। भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आगाज हो रहा है। केंद्र सरकार ने 14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के लिए मुफ्त टीकाकरण अभियान की रूपरेखा तैयार की है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, हर साल हजारों परिवारों को उजाड़ देता है। देश में हर साल लगभग 1.23 लाख से अधिक नए मामले सामने आते हैं और करीब 77,000 से ज्यादा महिलाओं की मौत हो जाती है।

सर्वाइकल कैंसर

बीमारी का मुख्य कारण

- इस घातक बीमारी (सर्वाइकल कैंसर) का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किशोरियों को यौन रूप से सक्रिय होने से पहले यह टीका लगा दिया जाए तो उनमें इस कैंसर का खतरा 93% से 100% तक कम हो जाता है। वर्तमान में निजी अस्पतालों में इस टीके की कीमत हजारों में है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से यह बाहर था। सरकार के इस फैसले से अब हर वर्ग की बेटी को यह सुरक्षा कवच मुफ्त मिलेगा। यह अभियान केवल एक स्वास्थ्य योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ नारी, सशक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा निवेश है। टीकाकरण की यह सरकारी योजना पांच साल तक चलेगी।

क्या है सर्वाइकल कैंसर

- सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के गर्भाशय ग्रीवा यानी बच्चेदानी के निचले हिस्से को प्रभावित करता है। यह धीरे-धीरे विकसित होने वाली बीमारी है जो अक्सर एचपीवी वायरस के संक्रमण से शुरू होती है।
- प्रभावित अंग : यह मुख्य रूप से गर्भाशय के प्रवेश द्वार की कोशिकाओं को प्रभावित करता है।
- लक्षण : असामान्य रक्तस्राव, पीरियड्स के बीच ब्लीडिंग, संबंध बनाने के बाद दर्द, पेल्विक हिस्से में लगातार दर्द इसके मुख्य लक्षण हैं।

टीके की कीमत

- बाजार मूल्य : निजी अस्पतालों में गार्डासिल जैसे टीकों की एक खुराक की कीमत 2,000 से 4,000 तक होती है, जबकि गार्डासिल-9 की कीमत 10,000 रुपये से भी अधिक है।
- स्वदेशी विकल्प : भारत का अपना स्वदेशी टीका 'सर्वावैक' सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाया गया है, जिसकी कीमत काफी कम है।
- सरकारी योजना : सरकार मुफ्त टीकाकरण प्रदान करेगी।

14 साल की उम्र ही क्यों

- वैज्ञानिक कारण : 9 से 14 वर्ष की आयु में बच्चों का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) अधिक सक्रिय होता है, जिससे टीका लगने पर एंटीबॉडी का निर्माण अधिक प्रभावी ढंग से होता है।
- सुरक्षा का दायरा : यह टीका संक्रमण होने से पहले (प्री-एक्सपोज़र) सबसे अधिक प्रभावी होता है।
- एकल खुराक : सरकार 14 साल की लड़कियों के लिए सिंगल डोज़ रणनीति अपना सकती है जो शोधों में प्रभावी पाई गई है।

स्तन का कैंसर भारती महिलाओं में सबसे आम। सर्वाइकल दूसरा सबसे आम। मुंह का कैंसर पुरुषों में सबसे अधिक पाया जाता है। फेफड़ों का कैंसर पुरुषों में मृत्यु का प्रमुख कारण।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में विधायिका के 19 सदस्य बर्खास्त

बीजिंग। चीन की विधायिका ने अपनी वार्षिक बैठक शुरू होने से एक सप्ताह पहले 19 सदस्यों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें नौ सैन्य अधिकारी शामिल हैं। गुरुवार को की गई इस घोषणा में यह नहीं बताया गया कि इस सदस्यों को क्यों हटाया गया है, लेकिन आमतौर पर इस तरह की कार्रवाई को भ्रष्टाचार संबंधी जांच से जोड़कर देखा जाता है। चीन के नेता शी जिनपिंग द्वारा शुरू किया गया भ्रष्टाचार रोधी अभियान एक दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी थमता नजर नहीं आ रहा है। हाल के वर्षों में इस अभियान के दायरे में सेना भी आई है।

दुष्कर्म के दोषी भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक मलेशियाई व्यक्ति को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में 12 वर्ष कारावास और 12 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। शरवीन चेट्टी (48) ने चार फरवरी को 35 वर्षीय इंडोनेशियाई महिला से दुष्कर्म के एक आरोप में दोष स्वीकार किया। घटना 11 जुलाई 2022 की है जब रात करीब आठ बजे लिटिल इंडिया मास रेपिड ट्रांसिज स्टेशन के बाहर चेट्टी ने झाड़ियों में महिला से दुष्कर्म किया। पीड़िता अपने मित्रों के साथ थी, लेकिन चेट्टी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उससे दुष्कर्म किया

यूएस नौका पर क्यूबा जल क्षेत्र में हमला

हवाना। क्यूबा के उप विदेश मंत्री ने कहा कि क्यूबा के जलक्षेत्र में एक अमेरिकी नौका पर हुई घातक गोलीबारी के बाद क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने कहा कि क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान करने को तैयार है। क्यूबा इस बारे में अमेरिका से जानकारी मांगने की योजना बना रहा है कि इस घटना में शामिल संदिग्धों कौन थे और उन्होंने आगे की यात्राओं के लिए किन साधनों का इस्तेमाल किया।

शंघाई के मेयर से मिले भारतीय वाणिज्य दूत

बीजिंग। शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने शुक्रवार को नगर के मेयर गोंग झेंग से मुलाकात की, जो चीनी राजनीतिक पदानुक्रम में एक प्रभावशाली अधिकारी हैं। शंघाई वाणिज्य दूतावास ने कहा कि आज सुबह शंघाई में चयापचय रोगों संबंधी एससीओ सहयोग केंद्र के उद्घाटन अवसर पर शंघाई के मेयर गोंग झेंग से मुलाकात हुई। झेंग ने एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत होने पर खुशी व्यक्त की।

संसद को कानून बनाने का अधिकार वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं

बीएनएस की धारा 152 की वैधता से जुड़ी याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने की मामले की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण विशेषाधिकार है और वह केंद्र द्वारा अदालत के समक्ष दिए गए किसी भी शपथपत्र से बाध्य नहीं है। ये टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने की, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।

बीएनएस की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं में से एक ने कहा कि धारा 152 पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 124ए (राजद्रोह) को पुनः लागू करती है। मई 2022 में, उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने राजद्रोह से संबंधित औपनिवेशिक काल के दंड कानून पर तब तक रोक लगा दी थी, जब तक कि एक उपयुक्त सरकारी प्राधिकार इसकी पुनः समीक्षा नहीं करता और केंद्र एवं राज्यों को इस अपराध का हवाला देते हुए कोई भी नई प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को वकील ने कहा कि 2022 में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष राजद्रोह कानून की समीक्षा करने के लिए एक शपथपत्र दिया था। वकील ने कहा कि अदालत के समक्ष एक शपथपत्र देने के बाद सरकार बीएनएस में इस प्रावधान को दोबारा पेश नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, भारत सरकार ने भले ही अदालत के समक्ष शप पत्र दिया हो, लेकिन संसद उस शपथपत्र से बाध्य नहीं है। कानून बनाने का पूर्ण अधिकार संसद के पास है।

शांति अधि. के खिलाफ याचिका सुनी जाएगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति)अधिनियम, 2025 के कई प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए टिप्पणी की कि उठाया गया सवाल एक दिखने वाले वास्तविक एवं ठोस राष्ट्रीय हित और एक दुर्भाग्यपूर्ण काल्पनिक नुकसान के बीच है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील मुद्दा बताते हुए विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता जताई और याचिकाकर्ताओं से अन्य देशों के तुलनात्मक नियामक तंत्र प्रस्तुत करने को कहा।

बंगाल : न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस आपत्ति को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति जताई गई थी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायिक अधिकारी किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे और इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने पीठ को बताया, कुछ अजीबोगरीब घटना घटी है। माननीय न्यायाधीशों ने आदेश पारित किया कि सभी तौर-तरीके कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और समिति द्वारा तय किए जाएंगे, जबकि निर्वाचन आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं और एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।

कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भूकंप

कोलकाता। बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद कोलकाता और आसपास के जिलों में भी उसके झटके महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप दोपहर एक बजकर 22 मिनट पर महसूस किया गया और लोग दहशत में आ गए। उन्होंने कहा कि भूकंप धरती की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश का सतखीरा जिला था, जो कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर तथा उत्तरी 24 परगना जिले में सीमावर्ती क्षेत्र ताकी से महज 25 किलोमीटर दूर है।

भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है लेकिन कोलकाता के उत्तरी हिस्से में कुछ प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों ने भूकंप के कारण दीवारों में दरारें पड़ जाने का दावा किया। भूकंप के झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए जिससे कोलकाता के लोग घबरा कर अपने अपने घरों से निकलकर खुली सड़कों पर आ गए। राज्य सचिवालय, विधानसभा भवन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों में दहशत फैल गई।

डॉल्फिन हंटर आईएनएस अंजदीप का जलावतरण

चेन्नई, एजेंसी

- भारतीय नौसेना की पनडुब्बीरोधी युद्ध क्षमता को बढ़ाएगा

भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने चेन्नई बंदरगाह पर पोत का जलावतरण किया।

आईएनएस अंजदीप एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। यह पोत डॉल्फिन हंटर के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पोत का जलावतरण किया। 77 मीटर लंबे इस पोत में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति हासिल करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित अंजदीप को विशेष रूप से तटीय और राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से अहम, उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है।

बचाव अभियानों को भी अंजाम देगा

पनडुब्बी रोधी युद्ध भूमिका के अलावा यह पोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तथा खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने में भी सक्षम है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धक हथियारों और सेंसर पैकेज से लैस है जिसमें सोनार अभय भी शामिल है और यह हल्के टॉरपीडो एवं पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से युक्त है। अंजदीप का नाम कर्नाटक के कारवार तट (अरब सागर) के निकट स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है।

अब अभिभावकों को सतर्क करेगा इंस्टाग्राम

वॉशिंगटन, एजेंसी

- आत्महत्या से संबंधित शब्द बार-बार खोजने पर भेजेगा संदेश

सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि यदि किशोर उपयोगकर्ता आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने से संबंधित शब्दों को बार-बार खोजते हैं, तो वह उनके अभिभावकों को सूचित करेगा। यह अलर्ट केवल उन अभिभावकों को भेजे जाएंगे जो इंस्टाग्राम के पैरेंटल सुपरविजन कार्यक्रम में नामांकित हैं।

इंस्टाग्राम का कहना है कि वह पहले से ही ऐसे संवेदनशील कंटेंट को किशोरों के सर्च परिणामों में दिखने से रोकता है और उपयोगकर्ताओं को हेल्पलाइन की ओर निर्देशित करता है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा बच्चों को होने वाले कथित नुकसान से जुड़े दो मुकदमों का सामना कर रही है। लॉस एंजिलिस में चल रहे एक मुकदमे में यह सवाल उठाया गया है कि क्या मेटा के मंच जानबूझकर नाबालिगों को लत लगाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। वहीं, न्यू मैक्सिको में एक अन्य मामले में यह जांच की जा रही है कि क्या मेटा अपने मंच पर बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रही। हजारों परिवारों, जिलों और सरकारी संस्थाओं ने मेटा तथा अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए हैं। आरोप है कि ये कंपनियां अपने मंच को जानबूझकर इस तरह डिजाइन करती हैं कि उनकी लत लग जाए।

झुग्गी की छात्रा को ऑस्ट्रेलिया में मिला वजीफा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी स्थित झुग्गी बस्ती की एक युवती ने ऑस्ट्रेलिया में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री ने कैनबरा में आयोजित एक राष्ट्रीय उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में उसकी शैक्षिक यात्रा की सराहना की। दिल्ली स्थित एनजीओ आशा के सहयोग से पली-बढ़ी नैन्सी को मेलबर्न विवि में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। एनजीओ ने गुरुवार को कहा कि नैन्सी को मेलबर्न वेलकमिंग यूनिवर्सिटीज स्कॉलरशिप प्रदान की गई है और वह अगले सप्ताह से अपना पाठ्यक्रम शुरू करेंगी। उन्हें कैनबरा में आयोजित यूनिवर्सिटीज ऑस्ट्रेलिया सॉल्यूशंस समिट 2026 में भी आमंत्रित किया गया था।

मेलानिया करेंगी संरा सुरक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- बैठक की अध्यक्षता करने वाली पहली प्रथम महिला होंगी

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह पहली बार होगा जब कोई प्रथम महिला इस परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पत्रकारों को बताया कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप सोमवार दोपहर को सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी संभालेंगी तो यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बारी-बारी से आने वाली अध्यक्षता मार्च के लिए अमेरिका के पास है। प्रथम महिला के कार्यालय ने बताया कि वह जिस बैठक की अध्यक्षता करेंगी उसका उद्देश्य सहिष्णुता और विश्व शांति को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित करना होगा। मेलानिया ट्रंप ने संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है।

उन्होंने पिछले वर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी पत्र लिखा था, जिसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विस्थापित कुछ बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने की पहल की गई। दुजारिक ने बताया कि सोमवार की बैठक का विषय संघर्ष की परिस्थितियों में बच्चे, प्रौद्योगिकी और शिक्षा होगा।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष
आज अपनी छवि को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे। उधार धन लेना पड़ सकता है। आप फोकस होकर अपने कार्यों में लगे रहें।

तुला
आज व्यवसाय में अचानक धन लाभ हो सकता है। दूसरों के कार्यों में अधिक हस्तक्षेप न करें। शेयर से जुड़े कार्यों से लाभ होगा।

वृष
आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। अपनी दिनचर्या में आप परिवर्तन ला सकते हैं।

वृश्चिक
आज अधिकारी आपके कार्यों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में गति आ सकती है। आपको पुराने अनुभवों से लाभ हो सकता है।

मिथुन
आज टीम भावना को रखते हुए काम करें। काम के पूरा न होने से मन में असंतोष रहेगा। नए व्यावसायिक संपर्क विकसित हो सकते हैं।

धनु
आज आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। जीवन की सत्यता का सामना करना पड़ेगा। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें।

कर्क
आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही अच्छा है। अधूरे पड़े कार्य आप पुनः प्रारंभ कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके नए मित्र बन सकते हैं।

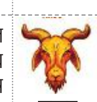
मकर
आज आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी तरक्की से जलेंगे। दांपत्य संबंध में कड़वाहट हो सकती है।

सिंह
आज आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

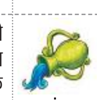
कुंभ
आज मित्रों का आपके ऊपर काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी आपका उत्साहवर्धन करेंगे। आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

कन्या
आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। आपको कुछ आकस्मिक खर्च करने पड़ेंगे। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मीन
आज का दिन काफी अच्छा रहना वाला है। दूसरों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

लक्ष्य : प्रति वर्ष 1.15 करोड़ लड़कियों को एचपीवी टीका

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे टीकाकरण योजना की शुरुआत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान का लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिवर्ष 14 वर्ष आयु की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को इस टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, यह टीका निर्धारित सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

टीकाकरण आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप-जिला और जिला अस्पतालों के साथ-साथ सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में किया जाएगा। इसने कहा कि टीकाकरण स्वैच्छिक होगा और टीका लगाने से पहले माता-पिता या अभिभावकों से सहमति प्राप्त की जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि यह विशेष अभियान तीन महीने की अवधि के लिए मिशन मोड में चलेगा, इस दौरान पात्र लड़कियां टीका लगवा सकती हैं। इसके बाद, नियमित टीकाकरण दिवसों पर टीका उपलब्ध होता रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रव्यापी स्तर पर इस पहल की शुरुआत भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य यात्रा में एक निर्णायक कदम है और यह की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा — व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ कोई कार्रवाई तर्कसंगत होनी चाहिए

पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग

- एक मामले में केंद्र के फैसले को रद्द करते हुए दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। न्यायालय ने कहा कि जब अधिकारियों की कोई भी कार्रवाई ऐसे किसी अधिकार का उल्लंघन करती है, तो यह तर्कसंगत होनी चाहिए और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने केंद्र सरकार के उस फैसले को रद्द करते हुए यह आदेश पारित किया,

जिसमें रहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रहेजा का पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन करते समय उनके खिलाफ लंबित प्राथमिकी की जानकारी न देने के कारण जब्त कर लिया गया था। याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने का आदेश अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित किया गया था, और इस निर्णय के खिलाफ उसकी अपील को अपीलीय प्राधिकरण द्वारा 25 मार्च, 2025 को खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि विदेश मंत्रालय के 2019 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केवल प्राथमिकी दर्ज होना पासपोर्ट जारी करने के संदर्भ में आपराधिक कार्यवाही लंबित माने जाने के समान नहीं है, जब तक कि सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत ने कथित अपराध का संज्ञान न ले लिया हो। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने के लिए अधिकारियों द्वारा दिए गए कारण कानून की कसौटी पर खरे नहीं उतरे, क्योंकि उसने अक्टूबर 2024 में अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था।

राज्य करे प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों का पालन

अदालत ने कहा कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि पासपोर्ट रखने के अधिकार का अतिक्रमण करने वाली राज्य की किसी भी कार्रवाई को युक्तिसंगतता की कसौटी पर खरा उतरना होगा तथा वह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। प्रतिवादियों द्वारा पारित निर्णय को बरकरार नहीं रखा जा सकता।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

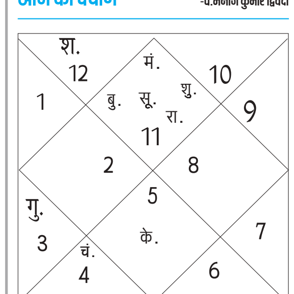

आज की ग्रह स्थिति : 28 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 20.43 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 21.35 तक तत्पश्चात पुष्य।

सुडोकू - 74 का हल

7	8	3	4	2	9	6	1	5
5	1	2	7	6	8	4	3	9
9	4	6	3	5	1	8	2	7
6	9	5	1	4	2	3	7	8
4	3	1	8	7	6	5	9	2
8	2	7	5	9	3	1	6	4
3	5	4	9	1	7	2	8	6
2	7	8	6	3	5	9	4	1
1	6	9	2	8	4	7	5	3

सुडोकू -75

	7	1				4		3
			2			7		
5	6			1		9		
9		6		3				8
		4				6		
1				7				5
		7		4			2	
		2			5			
8					1	3	9	

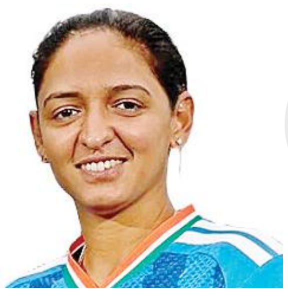

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।

-हरमनप्रीत कौर

सुपर-8 में आज

टीम	समय
श्रीलंका-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन

अलीगढ़/नोएडा। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार तड़के लंबी बीमारी के बाद ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सिंह 58 वर्ष के थे और कैंसर से पीड़ित थे। काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू के पिता लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। अलीगढ़ जिले के निवासी 28 वर्षीय रिंकू की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की।

न्यूजीलैंड के हेनरी को पितृत्व अवकाश मिला

कोलंबो। न्यूलीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी इंग्लैंड के खिलाफ टीम के टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले के बाद अपने दूसरे बच्चे के जन्म के मौके पर पत्नी के साथ रहने के लिए शुक्रवार रात स्वदेश लौट जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने कहा कि टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर हेनरी टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं।

भारत-वेस्टइंडीज मैच में ईडन गार्डन्स पर रन वर्षा की उम्मीद

'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' की तरह होगा मुकाबला, कोलकाता पहुंची टीम

टी-20 विश्व कप

कोलकाता, एजेंसी

भारत का रविवार को टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ 'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' उसी पिच पर खेला जाएगा जहां स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। स्थानीय क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर-8 का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी-20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ढकने से पहले उसका निरीक्षण किया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया। मुखर्जी ने कहा गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे। यह वही पिच है जिसका इस्तेमाल विश्व कप के दूसरे मैच में हुआ था। यह पारंपरिक ईडन विकेट है जिस पर काफी रन बनते हैं और गेंदबाजों के लिए भी कुछ न कुछ होता है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैदान पर काफी ओस भी रहने की संभावना है। स्कॉटलैंड ने नौ फरवरी को इटली के खिलाफ चार विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाकर इस विश्व कप का पहला 200 रन से ज्यादा का स्कोर दर्ज किया। उसने इटली को 134 पर आउट कर दिया। पिच काफी सूखी होने की संभावना है जिसके कारण स्पिन गेंदबाजी फिर से अहम भूमिका निभा सकती है। हालांकि ईडन पिच पर अच्छा उछाल मिलता है। इंग्लैंड के मुकाबलों में यह साफ देखा गया जहां जोफ्रा आर्चर ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या भी अपने मौके को भुनाने की उम्मीद रख सकते हैं। भारत इस चरण में ईडन गार्डन्स पर अपना पहला मैच खेलेगा जबकि वेस्टइंडीज को थोड़ा फायदा मिल सकता है क्योंकि उसने पहले ही यहां दो ग्रुप मैच (स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ) खेले हैं जिसमें उसे जीत मिली है। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टइंडीज को हराने और भारत के जिम्बाब्वे को बाहर करने के बाद यह सुपर आठ मुकाबला लगभग नॉकआउट जैसा बन गया है।

टीम के साथ कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे वाशिंगटन सुंदर और तिलक वर्मा। एजेंसी

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.096
2. न्यूज़ीलैंड	3	1	1	1	3	1.390
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा

चेन्नई। तिलक वर्मा ने कहा कि शुरू में विकेट गंवाने के बावजूद भारत मौजूदा टी-20 विश्व कप में अपने आक्रामक रवैए पर कायम रहेगा, क्योंकि इससे विपक्षी टीम के गेंदबाजों में खौफ पैदा होता है। भारत ने सभी बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से जिम्बॉब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में चार विकेट पर 256 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद 72 रन से आसान जीत दर्ज की। तिलक ने संवाददाताओं से कहा हम एक टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर चर्चा की कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी खो दें तब भी आक्रामक अंदाज में ही बल्लेबाजी करेंगे।

अभिषेक ने चुप करा दिया आलोचकों को

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर बोले-अभिषेक को रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई**

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर आलोचकों को चुप कराने के लिए अभिषेक शर्मा की सराहना की लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें इस विस्फोटक बल्लेबाज को रक्षात्मक शॉट खेलते देखकर हैरानी हुई। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।

उन्होंने कहा अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले। गावस्कर ने कहा इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है।

बुमराह, सिराज के साथ अपने कौशल पर काम कर रहा हूं : अर्शदीप

चेन्नई। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्केल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं। अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए। हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

- **सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए कीवी टीम को करना होगा इंतजार**

इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर-8 चरण के मैच में शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। इस हार के साथ ही सेमीफाइनल में क्वालीफाई करने के लिए न्यूजीलैंड को अब पाकिस्तान बनाम श्रीलंका के मैच का परिणाम का इंतजार करना होगा।

पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका इंग्लैंड सुपर-8 के अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा। न्यूजीलैंड का सात विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने 19.3 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने सबसे ज्यादा 33 रन का योगदान दिया। विल जैक्स ने नाबाद 32, कप्तान हैरी ब्रूक ने 26, सैम कुरेन ने 24 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिये।

इससे पहले इंग्लैंड के स्पिनरों ने अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन करते न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 159 रन पर सीमित कर दिया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली न्यूजीलैंड को किसी बल्लेबाज ने बड़ी पारी नहीं खेली। ग्लेन फिलिप्स (28 गेंदों पर 39 रन), टिम सिफर्ट (25 गेंदों पर 35 रन) और फिन एलेन (19 गेंदों पर 29 रन) ने बल्ले से अहम योगदान दिये।

इंग्लैंड के लिए विल जैक्स (23 रन पर दो विकेट), आदिल राशिद (28 रन पर दो विकेट) और रेहान अहमद (28 रन पर दो विकेट) के स्पिन गेंदबाजों की तिकड़ी ने शानदार गेंदबाजी की। तेज गेंदबाजों की शुरुआती पिटाई के बाद इन स्पिनरों ने बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया। जोफ्रा आर्चर ने शुरुआत मेडन ओवर से की। इस ओवर में अंपायर ने सीफर्ट को कैच आउट दिया, लेकिन टीवी रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और फैसला पलट दिया गया।

लियाम डॉसन ने भी दूसरे ओवर में सीफर्ट और फिन एलेन को बांधे रखा, लेकिन सीफर्ट ने डीप स्क्वायर लेग की दिशा में स्वीप कर चौका जड़कर दबाव तोड़ा। दूसरे छोर से आर्चर ने शानदार गति और स्विंग के साथ गेंदबाजी की लेकिन एलेन ने उनकी धीमी गेंद पर मिड-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ दिया। एलेन लय में नजर आने लगे और डॉसन के खिलाफ सीधा मैदान के ऊपर एक और शानदार छक्का लगाया। साथी बल्लेबाज से प्रेरित होकर सीफर्ट ने भी आर्चर पर हमला बोला, लगातार दो चौके जड़े और फिर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया। न्यूजीलैंड ने लय पकड़ ली थी, जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने सैम करन को आक्रमण पर लगाया। एलेन ने उनका स्वागत मिडविकेट के ऊपर से छक्के के साथ किया और पावरप्ले के अंत तक न्यूजीलैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 54 रन पहुंच गया। इसके बाद राशिद को गेंद सौंपी गई और सीफर्ट ने उनका भी स्वागत लॉन्ग-ऑन के ऊपर छक्के से किया।

शॉट लगाते इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स। एजेंसी

पाकिस्तान की नजर बड़ी जीत पर

पाल्लेकल। अगर-मगर की कठिन डगर पर फंसा पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां वाले टी-20 विश्व कप सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा जबकि संघर्षरत श्रीलंका सम्मानजनक विदाई लेने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

पाकिस्तान का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और वह अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। इस ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है जबकि न्यूजीलैंड और पाकिस्तान अंतिम चार में जगह बनाने की होड़ में हैं।

श्रीलंका अपने पहले दो मैच हार कर पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की बात करें तो कीवी टीम बेहतर स्थिति में नजर आ रही है। पाकिस्तान का अभी तक केवल एक अंक है और उसका नेट रन रेट भी माइनस 0.461 है।

व्यक्तिगत नहीं, टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है : कैगिसो रबाडा

अहमदाबाद, एजेंसी

कैगिसो रबाडा टी-20 विश्व कप में अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसा वह चाहते थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका का जीत का सिलसिला जारी है और इसलिए यह तेज गेंदबाज बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से संतुष्ट है। दक्षिण अफ्रीका की गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट से जीत के बाद रबाडा ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है। रबाडा ने अब तक टूर्नामेंट में केवल चार विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड, यूएई और भारत के खिलाफ विकेट लेने में नाकाम रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक टीम अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी तब तक व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात नहीं की जा सकती है। ऐसी बात बाद में की जा सकती है।

रबाडा को क्षेत्ररक्षकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। अब तक उनकी गेंदबाजी पर चार कैच छूट चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर रबाडा ने कहा यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं। दुर्भाग्य से अभी ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जीत रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अभी तक शानदार संतुलन देखने को मिला है और उन्होंने बहुत अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है। उसके सभी खिलाड़ियों नेअपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। अगर डेविड मिलर ने एक मैच में टीम को जीत दिलाई तो कप्तान एडन मार्क्रम ने दूसरे मैच में यही कमाल किया। गेंदबाजों ने भी जरूरत पड़ने पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चाहे वो मार्को यानसन हों या लुंगी एनगिडी।

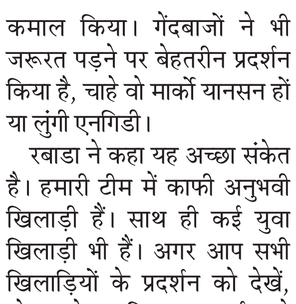

रबाडा ने कहा यह अच्छा संकेत है। हमारी टीम में काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी हैं। अगर आप सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखें, तो उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलता है और यही आत्मविश्वास मैचों में भी दिख रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय घरेलू टूर्नामेंट एसए20 को भी दिया जिसमें विश्व कप से पहले कई प्रमुख खिलाड़ियों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल की। रबाडा ने कहा यह लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और यह उम्मीद बनाए रखने से जुड़ा है कि चीजें हमारे पक्ष में हो जाएंगी। रबाडा ने अपने लंबे समय से नए गेंद के अपने साथी लुंगी एनगिडी की प्रशंसा भी की जिन्होंने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लगातार 12वीं वनडे श्रृंखला जीती

होबार्ट, एजेंसी

जॉर्जिया वोल के आकर्षक शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां मौजूदा चैंपियन भारत को दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 83 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका रावल की 81 गेंद पर खेली गई 52 रन की पारी से भारत ने अच्छी शुरुआत की। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाए। भारतीय टीम हालांकि बीच के ओवरों में लड़खड़ा गई। इसके बाद हरमनप्रीत ने 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई जॉर्जिया वोल (82 गेंद पर 101 रन, 13 चौके, एक छक्का) और फोबे लिचफील्ड (62 गेंद पर 80 रन) की उम्दा पारियों की मदद से 36.1 ओवर में पांच विकेट पर 252 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में अपना शानदार रिकॉर्ड जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक भारत के खिलाफ सभी 12 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखलाएं जीती हैं।

जॉर्जिया वोल।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपनी आखिरी अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेल रही कप्तान एलिसा हीली (06) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्हें कासवी गौतम (47 रन देकर दो विकेट) ने इनस्विंग यॉर्कर पर बोल्ड किया। इसके बाद हालांकि लिचफील्ड और वोल ने अगले लगभग 15 ओवर तक भारत को कोई सफलता हाथ नहीं लगने दी और इस बीच दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन की साझेदारी की। इन दोनों ने भारत के तेज और स्पिन आक्रमण का सहजता से सामना किया और भारत के खराब क्षेत्ररक्षण का भी फायदा उठाया। वोल को दो जीवनदान मिले।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रनों पर सिमटी, आकिब नबी ने झटके पांच विकेट, कुल बढ़त हुई 477 रनों की

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक खिताबी जीत तय

हुबली (कर्नाटक), एजेंसी

अनुभवी तेज गेंदबाज आकिब नबी (54 रन देकर पांच विकेट) और सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार प्रदर्शन से जम्मू-कश्मीर की टीम शुक्रवार को यहां चौथे दिन कर्नाटक के खिलाफ विशाल बढ़त की बदौलत अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है। इकबाल (नाबाद 94) के सातवें प्रथम श्रेणी अर्धशतक से जम्मू-कश्मीर ने स्टंप तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 186 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 477 रनों की कर ली।

दिन की शुरुआत में नबी ने सत्र का सातवीं बार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया जिससे कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की। कर्नाटक की पारी में पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल (266 गेंद में 160 रन) के शतक का अहम योगदान रहा क्योंकि अन्य खिलाड़ी संभलकर नहीं खेल सके। पर नबी के पांच विकेट अग्रवाल के शानदार शतक पर भारी पड़े। जम्मू-कश्मीर का यह तेज गेंदबाज बेहतरीन फॉर्म में था। कर्नाटक ने सुबह पांच विकेट पर 220 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया। हालांकि जम्मू-कश्मीर के 584 रन के स्कोर को पार करना मुश्किल था लेकिन कर्नाटक को उम्मीद थी कि उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी करने का प्रयत्न करेंगे। अग्रवाल और कृतिक कृष्णा (36) ने छठे विकेट के लिए 80 से ज्यादा रन जोड़कर अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन दूसरी नई गेंद लिए जाने के बाद उनकी कोशिश नाकाम रही। साहिल लोत्रा ने कृतिक को पगबाधा आउट कर इस भागीदारी को समाप्त किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने विद्याधर पाटिल का विकेट झटककर दबदबा बनाए रखा। लेकिन नबी ने अग्रवाल का विकेट झटककर कर्नाटक की बची उम्मीद भी खत्म कर दी। उनकी गेंद अग्रवाल के पैड पर गेंद लगी और डीआरएस ने मेजबान टीम को करारा झटका दिया। लोत्रा से यह पूछने पर कि पहली बार ट्रॉफी उठाने की उम्मीद कितनी रोमांचक है तो उन्होंने कहा यह तो बस शुरुआत है, हम सब खुश और उत्साहित हैं। यह पहली बार है जब हम फाइनल में खेल रहे हैं और यह हमारे लिए बहुत गर्व का पल है।

कर्नाटक के मयंक अग्रवाल का विकेट लेने के बाद टीम के साथ जश्न मनाते जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584, 186/4
कर्नाटक	293/10

आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के करीब: गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने जम्मू कश्मीर की कर्नाटक के खिलाफ अपने पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल में शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि तेज गेंदबाज आकिब नबी में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की काबिलियत है। नबी ने रणजी के वर्तमान सत्र में 60 विकेट लिए हैं। इनमें कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में 54 रन देकर पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। गांगुली ने एक्स पर लिखा जम्मू कश्मीर ने दुनिया को दिखा दिया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने राज्य को गौरवान्वित किया है।